आर.एन.आई. नं. 013178/68, पी.ओ. रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

आज हनुमान अष्टमी

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 58 अंक 329 | उज्जैन, शुक्रवार 12 दिसम्बर, 2025 | पौष कृष्ण 8 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-5.00 | www.awantika.com

देश विदेश

पीएम ऑफिस में मोदी-राहुल की डेढ़ घंटे मीटिंग चली

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र में गहमागहमी के बीच पीएम मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नए चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर और 8 इन्फॉर्मेशन कमिश्नर्स की नियुक्ति को लेकर मीटिंग की। प्रधानमंत्री कार्यालय में यह मीटिंग करीब डेढ़ घंटे चली। इसमें गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल थे। सूत्रों के अनुसार, राहुल ने कुछ हफ्ते पहले सरकार से आवेदकों और चुने गए उम्मीदवारों की जाति की जानकारी मांगी थी। सरकार ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष से इसकी जानकारी साझा की। सूत्रों के मुताबिक, आवेदकों की लिस्ट में सिर्फ 7% लोग पिछड़े समुदाय से थे। वहीं, चयनित उम्मीदवारों में सिर्फ एक नाम पिछड़े समुदाय से था।

ट्रम्प गोल्ड कार्ड लागू, 9 करोड़ में मिलेगी अमेरिकी नागरिकता

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड' के लिए अप्लाई प्रोसेस शुरू करने का ऐलान किया। इसके लिए आवेदक आज से आवेदन कर सकते हैं। कार्ड की कीमत 1 मिलियन डॉलर (करीब 8.8 करोड़ रुपए) है। हालांकि कंपनियों को कार्ड के लिए 2 मिलियन डॉलर देना होगा। ट्रम्प ने इसी साल फरवरी में गोल्ड कार्ड वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर (42 करोड़ रुपए) रखी थी। सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर किया गया। ट्रम्प का कहना है कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है।

कंगना रनोट ने संसद में माफी मांगी

विपक्ष ने एक अंतरराष्ट्रीय महिला की तस्वीर का इस्तेमाल कर उसका अपमान किया

शिमला। हिमाचल की मंडी लोकसभा से भाजपा सांसद एक्ट्रेस कंगना रनोट ने बुधवार को संसद में चुनाव सुधार पर बहस के दौरान विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लीडर ऑफ अपोजीशन राहुल गांधी की ओर से दिल्ली में एक प्रेजेंटेशन के दौरान ब्राजीलियन मॉडल की तस्वीर दिखाए जाने को लेकर आपत्ति जताई। साथ ही कंगना ने कांग्रेस पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया। कंगना ने कहा, 'विपक्ष ने एक अंतरराष्ट्रीय महिला की तस्वीर का इस्तेमाल कर उसका अपमान किया। समाज में उस महिला का भी सम्मान है। कांग्रेस ने प्ले-कार्ड लगाकर नियम तोड़े हैं। मैं सदन की ओर से उस महिला से माफी मांगती हूं।' कंगना ने यह भी कहा कि राहुल गांधी ने जिस महिला की तस्वीर दिखाई थी, उसने खुद भी कई बार कहा कि वह कभी भारत नहीं आई है। कंगना ने कहा, 'उस महिला के पर्सनैलिटी राइट्स का ख्याल नहीं रखा गया। यह सीधा-सीधा उसकी निजता का हनन था।' कंगना ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- प्रियंका गांधी को याद रखना चाहिए कि उनकी मां (सोनिया गांधी) को 1983 में नागरिकता मिली थी। जबकि, वह उससे पहले भी वोट देती रहीं। आपका अतीत हो या वर्तमान, आपके चरित्र में ईमानदारी नहीं है। आपके परिवार ने कभी कानून और संविधान का सम्मान नहीं किया।' कंगना ने कहा- सदन में कांग्रेस 'हर दिन एसआईआर-एसआईआर-कर हंगामा करती रही, जिससे कार्यवाही बाधित हुई।' ईवीएम पर विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कंगना ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईवीएम को हैक नहीं करते, वह लोगों के दिलों को हैक करते हैं।'

गोवा अग्निकांड: लूथरा ब्रदर्स थाईलैंड में हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली। गोवा के बिर्च नाइट क्लब में अग्निकांड के पांचवें दिन, गुरुवार को क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड में हिरासत में लिया गया है। थाइलैंड पुलिस ने दोनों भाइयों की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें उनके हाथों में हथकड़ी लगी है। वे अपने पासपोर्ट पकड़े हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारियों की एक टीम थाईलैंड के लिए रवाना हो चुकी है और 24 घंटे के भीतर लूथरा ब्रदर्स को वापस लेकर आएगी। संभावना है कि भारत लाने के बाद गोवा पुलिस दोनों को अपनी हिरासत में लेगी। बिर्च नाइट क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद दोनों भाई भारत छोड़कर थाईलैंड फरार हो गए थे। दोनों पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है।

बोलेरो-ट्रेक्टर में भिड़ंत, रीवा के 3 श्रद्धालुओं की मौत

अयोध्या। अयोध्या के भदरसा इलाके में प्रयागराज हाईवे पर गुरुवार तड़के श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो ट्रैक्टर-ट्राली से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। जबकि आठ गंभीर रूप से घायल हुए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि मध्य प्रदेश के रीवा निवासी चित्रसेन और अपने परिवार के साथ बोलेरो से अयोध्या आ रहे थे। जीप में कुल 11 लोग सवार थे। पुराकलंदर के पास भोर में करीब 5 बजे ड्राइवर को अचानक झपकी आ गई। जिसके बोलेरो सामने से आ रही ट्रैक्टर से टकरा गई। आमने-सामने की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 8 श्रद्धालु गाड़ी से बाहर छिटक गए। जबकि तीन अंदर ही फंसे रह गए। तीनों गंभीर रूप से घायल थे।

अपनी दो साल की उपलब्धियों को लेकर आज मीडिया के सामने होंगे मुख्यमंत्री

आशंकाओं और विरोध के बीच प्रदेश सरकार के दो साल

एमपी की इंडस्ट्रियल ग्रोथ सबसे ज्यादा, नक्सलवाद का किया सफाया, सीएम ने गिनाई दो साल की उपलब्धियां

दैनिक अवन्तिका ▶▶ भोपाल

दो साल पहले दिसंबर 2023 में प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद आशंकाओं और विरोध के बीच प्रदेश में डॉ. मोहन यादव की सरकार के दो साल बीत गए। इस बीच विकास का अपना स्तर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में कहा, राज्य सरकार ने युवा, गरीब, महिला और किसानों के लिए किए हैं उल्लेखनीय कार्य। सिंचाई का रकबा 48 लाख हेक्टेयर से बढ़कर हो चुका है 100 लाख हेक्टेयर।

डॉ. मोहन यादव के पद संभालने पर उनके नेतृत्व को लेकर हिचक और कुछ आशंकाएं सभी के मन में थीं। उनके कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने वाले हैं। डॉ. मोहन यादव से कई वरिष्ठ नेता उनके मातहत काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री रहे प्रहलाद पटेल भी इसमें शामिल हैं तो कैलाश विजयवर्गीय और राकेश सिंह जैसे अनुभवी नेता भी उनकी टीम में शामिल हैं। इस कारण कई बार कैबिनेट में मनमुटाव और दिल्ली में शिकायतों के मुद्दे उठते रहे हैं। ऐसे ही मसलों के चलते ग्वालियर संभाग में ज्योतिरादित्य सिंधिया को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कुछ समय पूर्व सामने

ये रही उपलब्धियां

- एक वर्ष में 75 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी
- मेडिकल कॉलेजों की संख्या 25 से अधिक
- केन-बेतवा लिंक परियोजना
- बुंदेलखंड को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का लक्ष्य
- सड़क-इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रदेश अन्य राज्यों के लिए उदाहरण।
- शिप्रा शुद्धिकरण के लिए खान क्लोज डक्ट प्रोजेक्ट।
- संस्कृति, संवर्धन के लिए विशेष रूझान।

ये कमियां भी रही

- प्रदेश की 2409 उद्योगों पर 1228 करोड़ बिजली बकाया
- सिंहस्थ लैंड पुलिंग योजना
- अनुषांगिक संगठन किसान संघ से टकराव
- निरंतर किसानों का चौतरफा विरोध
- सरकार पर निरंतर बढता कर्ज
- सिंगरौली प्रदुषण खराब, वहां 6 लाख वृक्षों की कटाई,सागर,रायसेन में पेड लगाई
- कोयला प्रदूषण को कम करने की बजाय तीन नई खदानें दी
- प्रचारकों में वैचारिक टूट ,नया दल जनहित पार्टी के रूप में सामने
- सरकार की महिला मंत्री के खिलाफ आरोप
- साइंस हाउस, आरजीपीवी घोटाला
- अधिकारियों की स्वच्छंदता,जनता पर हाथ छोडे
- कांग्रेस के आरोप 50 हजार करोड विभाग की समीक्षा आधे घंटे में
- मंत्रियों की गलत बयानबाजी से सरकार का ग्राफ गिरा।

ये बताया खास

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड सार्वजनिक किया है। बुधवार को इंदौर में एक शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री ने सरकार के 2 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा, युवा, गरीब, महिला और किसानों के लिए राज्य सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। खासकर कृषि क्षेत्र में सिंचाई का रकबा डबल किया गया है जो 48 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 100 लाख हेक्टेयर हो चुका है। उन्होंने आगे कहा मध्य प्रदेश की इंडस्ट्रियल ग्रोथ रेट केंद्र से भी ज्यादा है। राज्य औद्योगिक गतिविधियों का केंद्र बन रहा है। बीते 2 सालों के दौरान राज्य में मेडिकल कॉलेज और स्कूलों की संख्या डबल की गई है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। इस दौरान मोहन यादव ने मध्य प्रदेश में नक्सलवाद के निर्मूलन का जिक्र करते हुए कहा कांग्रेस के जमाने से नक्सलवाद की बहुत बड़ी समस्या थी और उसे हमने खत्म कर दिया है। हमारे कई जिले आज नक्सल मुक्त हो रहे हैं। कांग्रेस के जमाने में कांग्रेस के एक मंत्री की हत्या कर दी गई थी। उस समस्या की मूल जड़ हिड़मा के मारे जाने पर तत्कालीन मुख्यमंत्री जी आज भी दुख व्यक्त करते हैं। यह उनका और कांग्रेस का दोहरा चरित्र बताता है कि कांग्रेस सिर्फ आरोप लगाकर ऐसी समस्याओं को जिंदा रखकर गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर के भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे के विवाह कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। प्रदेश सरकार की विकास की गति को उन्होंने स्पीड देने के लिए अपने मंत्रियों की कक्षा भी लगाई है।

कांग्रेस का कहना कठपुतली सरकार

विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था। उमंग सिंघार के नेतृत्व में प्रदेश की कठपुतली भाजपा सरकार के विरुद्ध सांकेतिक प्रदर्शन किया गया था। कांग्रेस के फेसबुक पेज पर इसे लगाया गया। जिसमें कहा गया कि आज प्रदेश का युवा बेरोजगारी से त्रस्त है, चाहे जनसेवा मित्र हों या सरकारी भर्ती प्रक्रियाएँ, सब कुछ ठप पड़ा है। महिलाओं की सुरक्षा संकट में है, किसान आत्महत्या को मजबूर हैं, और बढ़ते अपराधों ने कानून-व्यवस्था को चौपट कर दिया है। प्रदेश की यह दयनीय स्थिति साफ बताती है कि बंदर के हाथ में उस्तरा दे दिया गया है। प्रदर्शन के दौरान विधायकों ने नारेबाजी भी की थी।

बिहार चुनाव के बाद लगा विराम

दो साल के कार्यकाल के बाद हाल ही में बिहार में निपटे चुनाव के बाद ऐसी सभी अफवाहों पर विराम की स्थिति आ चुकी है। दो वर्ष के कार्यकाल में डॉ. यादव ने मध्य प्रदेश में बदलाव लाने के पूरे प्रयास किए और काफी हद तक सफल भी रहे हैं।

एक पौधा मां के नाम, सारा जंगल अडाणी के नाम : कांग्रेस

सिंगरौली में 3 लाख से ज्यादा पेड़ काटे गए

विक्रांत भूरिया बोले- 33 हजार का आंकड़ा गलत

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सिंगरौली

सिंगरौली में बड़े स्तर पर हो रही पेड़ कटाई को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने दावा किया है कि जिले में पेड़ों की कटाई का आंकड़ा प्रशासन द्वारा बताए गए 33 हजार से कहीं ज्यादा है। उनका कहना है कि वास्तव में तीन लाख से अधिक पेड़ काटे गए हैं और प्रशासन सही आंकड़े छिपा रहा है।

भूरिया ने एक वीडियो जारी कर बताया कि जमीन पर निरीक्षण के दौरान कई ऐसे पेड़ मिले जिन पर नंबरिंग ही नहीं की गई थी, जबकि उन्हें भी काटा जा चुका था। उन्होंने कहा कि यदि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होती, तो हर पेड़ को नंबर देने के बाद ही काटने की अनुमति दी जाती। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन असली स्थिति सामने नहीं आने देना चाहता।

सिंगरौली की जनता के साथ अन्याय

- कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने कहा कि सिंगरौली की जनता के साथ गंभीर अन्याय हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ व्यावसायिक कंपनियों को जमीनें दी जा रही हैं और इस प्रक्रिया में स्थानीय लोगों की अनदेखी की जा रही है।
- भूरिया ने दावा किया कि जमीन अधिग्रहण में भी बड़ा भेदभाव हो रहा है—कहीं पर एक एकड़ जमीन का मुआवजा सिर्फ 4 लाख रुपये दिया जा रहा है, जबकि दूसरी जगह उसी जमीन का मुआवजा 16 लाख रुपए तक दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि मुआवजा वितरण में भारी अनियमितता है।

कांग्रेस ने भारत को खंडित आजादी दिलाई : नड्डा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में गुरुवार को नौवें दिन की कार्यवाही जारी है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने स्पीकर ओम बिरला को शिकायत करते हुए कहा- टीएमसी सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे हैं। इस पर स्पीकर ने कहा कि एक्शन लिया जाएगा। विपक्ष के सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पेंट की जेब हाथ डाले हुए ही जबाव दे रहे थे। इस पर स्पीकर बिरला ने उन्हें टोका और कहा कि माननीय सांसद जेब से हाथ निकालकर जबाव दें। इस पर हरदीपसिंह पुरी ने तत्काल हाथ बाहर निकाले। इधर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह लोकसभा पहुंचे। जैसे ही वे कार से उतरे तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने उनसे मुलाकात की।

शाह खतरनाक, वे दुर्योधन-दुशासन जैसे: ममता

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खतरनाक करार दिया है। ममता ने गुरुवार को कृष्णानगर की रैली में कहा कि शाह की आंखों में दहशत है। उनकी एक आंख में आपको दुर्योधन तो दूसरी आंख में दुशासन दिखाई देगा। ममता ने स्पेशल इंटेसिव रिवीजन को लेकर महिलाओं से कहा- वे (केंद्र सरकार) एसआईआर के नाम पर मांओं-बहनों के अधिकार छीन लेंगे। वे चुनाव के दौरान दिल्ली से पुलिस बुलाएंगे। ममता ने महिलाओं से ये भी कहा- अगर आपके नाम काटे गए तो आपके पास किचन के बर्तन हैं, इनसे लड़िए। अपने नाम को लिस्ट से कटने मत देना।

अरुणाचल में हुआ दर्दनाक हादसा

गहरी खाई में गिरा ट्रक, 22 की मौत

एजेंसी ▶▶ अंजाव

अरुणाचल प्रदेश के अंजाव जिले के हयुलियांग इलाके में एक दर्दनाक हादसा हुआ। मजदूरों से भरा एक ट्रक 1 हजार फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हो गई। 13 लोगों के शवों को बरामद किया जा चुका है। फिलहाल बचाव कार्य भी जारी है। बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना मिथुनगना और मैलांग बस्ती के बीच स्थित लैलांग बस्ती में हुई। ये सभी असम से मजदूरी करने आए थे।

पहाड़ी से फिसलकर ट्रक 1 हजार फीट

गहरी खाई में गिर गया, जिसमें सवार लोगों में से एक को छोड़कर सभी की मौत हो गई। जिला प्रशासन ने हादसे की गंभीरता को देखते हुए मौके पर बचाव दल भेज दिया है।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को चुनाव का ऐलान

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को आम चुनाव होंगे। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिरउद्दीन ने गुरुवार शाम इसका ऐलान किया। यह चुनाव पूर्व पीएम शेख हसीना के तख्तापलट के डेढ़ साल बाद हो रहा है। 5 अगस्त 2024 को हुए तख्तापलट के बाद हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके बाद से वहां पर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चल रही है। अगले साल होने वाले चुनाव में हसीना की पार्टी हिस्सा नहीं ले पाएगी।

शासन की संपत्ति बेची, ईओडब्ल्यू ने केस दर्ज किया

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने इंदौर की डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्रा. लि. के संचालकों के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि कंपनी ने शासन के पास बंधक रखी हुई संपत्तियों को बिना अनुमति बेच दिया।

ईओडब्ल्यू को इस मामले में शिकायत क्रमांक 266/2025 मिली थी। जिसके बाद जांच में पता चला कि कंपनी ने कॉलोनी सेल इंदौर में 249 भूखंड बंधक रखे थे, जिनमें आईकॉनस लैंडमार्क-01 और 02 प्रोजेक्ट के प्लॉट शामिल थे। नियमों के मुताबिक, बंधक प्लॉटों का स्वामित्व शासन का रहता है और उन्हें मुक्त कराए बिना बेचा नहीं जा सकता। लेकिन जांच में सामने आया कि कंपनी ने बिना अनुमति 15 बंधक भूखंड बेच दिए और उनकी रजिस्ट्री भी अन्य लोगों के नाम कर दी। कंपनी ने न तो भूखंड मुक्त करवाए और न ही अपर कलेक्टर से कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र लिया। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में कंपनी के डायरेक्टरों, संतोष कुमार सिंह, संजीव जायसवाल, अनिरुद्ध देव तथा अन्य के खिलाफ आईपीएस की धारा 420, 467, 468, 471 और 120-इ के तहत केस दर्ज किया है। एसपी रामेश्वर यादव के मुताबिक, मामले की गहन जांच जारी है और आगे और भी तथ्य सामने आने की संभावना है।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल (https://udgam.rbi.org.in) पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर लिखिए
क्यूआर कोड स्कैन कीजिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

गुरुवार का महाकाल श्रृंगार

युवा अधिकारी की चाह से निकली राह...

एमआर-5 का नाम सूनते से ही शहर के लोगों में बदबू वाले क्षेत्र का दृश्य आम होता था। इस क्षेत्र के रहवासी लंबे समय से बदबू एवं कचरा के जलाए जाने और उसकी गंध से परेशान रहे हैं। कई बार इस क्षेत्र के रहवासियों ने इसे लेकर शिकवा शिकायत तक दर्ज की और जनप्रतिनिधियों को भी इससे अवगत करवाते हुए निजात दिलाने की मांग पूर्ववर्ती समय में की लेकिन राहत नहीं मिल सकी। शहर की संस्था में आए युवा अफसर ने इस मामले को गंभीरता से लिया और उसका अध्ययन करने के साथ ही समस्या के निजात की पहल भी शुरू कर दी । जहां चाह है वहां राह है जैसी उक्ति को चरितार्थ करते हुए युवा अफसर ने रिसायकल,रिड्यूज, रियूज के शब्दों को मात्र कागजों तक ही नहीं रहने दिया बल्कि उसे धरातल पर उतारने का काम भी इसमें किया है। अपने मातहतों के सामने एक पहल रखते हुए उन्होंने 'मिशन क्लीन' को अंजाम दिया।शुरू हुआ है। एमआर-5 स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर 10 वर्ष से जमा लिगेसी वेस्ट (पुराने कचरे) के विशाल पहाड़ों को युद्ध स्तर पर खत्म करने का काम अंजाम दिया जा रहा है। यहां मैदान का स्वरूप दिया जाएगा और उस स्थान पर एक खूबसूरत उद्यान का निर्माण किया जाएगा। अब तक तकरीबन 50 हजार टन कचरे का निष्पादन किया जा चुका है। आगामी एक से डेढ माह में यहां मैदान होगा। जहां युवा अधिकारी ने आदर्श उद्यान की योजना को अंजाम देने की कल्पना की है।अब आस-पास की 25 से अधिक कॉलोनियों के रहवासी संतुष्ट हैं, जिन्हें शीघ्र कचरे, बदबू और गंदगी से निजात मिलने वाली है। इस काम को अंजाम देने में पहले चरण में मिट्टी को अलग किया जा रहा है, जिसका उपयोग सीधे उद्यान बनाने में किया जाएगा। दूसरे में सीएंडडी वेस्ट (निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट) को अलग किया जा रहा है। तृतीय में आरडीएफ (रिजेक्ट डेरिवेटिव फ्यूल) को अलग किया जा रहा है। इसे सीमेंट फैक्ट्री में ज्वलनशील पदार्थ के रूप में उपयोग किया जाएगा, जिससे स्थानीय संस्था को आय भी प्राप्त होगी। खुसूर झफुसूर है कि इसे कहते हैं नवाचार । सालों से नागरिक परेशान थे लेकिन किसी अफसर ने उन्हें समस्या से निजात दिलाने की और नवाचार की पहल नहीं की। जनता को मात्र रिसायकल,रिड्यूज, रियूज रटे रटाए शब्द परोसते रहे। युवा अफसर ने इन शब्दों को अमल में लाकर दिखाया है।

बंगाल की खाडी बने चक्रवाती सिस्टम के प्रभाव से हवा का रूख बदला, मौसमी फलों की बहार आने लगी अमरूद,पपीता,चीकू,संतरा की आवक बढी

न्यूनतम पारा 8.7 पर , आगामी दिनों में ' दित्वा तूफान ' का असर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। दिसंबर में कड़ाके की ठंड के आसार बराबर बढते जा रहे हैं। बुधवार को न्यूनतम पारा इस सर्द सीजन में पहली बार 8.7 डिग्री सेंटीग्रेड दर्ज किया गया है। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती सिस्टम दित्वा से आने वाले दिनों में शीतलहर की स्थिति और तेज होने की संभावना है।

उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं को ' दित्वा तूफान ' का भी साथ मिल सकता है ।ऐसे में शीतलहर बढ रही है और तापमान गिरने की स्थिति बन रही है। न्यूनतम तापमान में गिरावट बनी हुई है तो अधिकतम तापमान दिन में सूरज की तपन से कम ज्यादा हो रहा है। बुधवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री दर्ज किया गया है।

श्रीलंका में चक्रवाती तूफान आया है जिसे दिल्वा का नाम दिया गया है। इसने वहां भारी तबाही मचाई हुई है इसके बाद भारत की तरफ बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक इसका असर मध्य प्रदेश में भी देखने को मिल सकता है। जिससे बारिश और ठंडी हवाएं चलने की संभावना जताई जा रही है।

अगले कुछ दिनों तक शीतलहर का असर जारी रहेगा-मौसम विभाग के अनुसार भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में अगले कुछ दिनों तक शीतलहर का असर बना रहेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तर भारत से आ रही बफीर्ली हवाएं और बंगाल की खाड़ी में हो रही चक्रवाती गतिविधियां प्रदेश में ठंड को और बढ़ा सकती हैं। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के मुताबिक अगले 2-3 दिनों में तापमान में और भारी गिरावट आने वाली है, जिससे ठिठुरन कई गुना बढ़ जाएगी।

अमरूद, पपीता, चीकू की मांग बढ़ी

शहर में पहाड़ों की बफीर्ली हवा ने मौसम में ठंडक बढ़ा दी है। फल एवं सब्जी मंडी प्रांगण में मौसमी फलों की बहार आ गई हैं। मंडी में फलों की भरपूर आवक बनी हुई हैं। ठंड को देखते हुए ग्राहक मौसमी फलों जैसे पपीता, अमरूद, बोर, चीकू, संतरा, मौसंबी, नारियल, सीताफल सहित अन्य फलों की खूब खरीदी कर रहे हैं। थोक फल व्यापारियों के अनुसार जब से मौसम में ठंडक बढ़ी है, मंडी में मौसमी फलों की बहार आ गयी है। बढ़िया क्वालिटी के अमरूद की आवक अच्छी बनी हुई है। इसे ग्राहक भी ठंड में खूब पसंद कर रहे है। मंडी में अमरूद (जाम) की निमाड़ और रतलाम क्षेत्र से रोजाना आवक हो रही हैं। इसकी जबर्दस्त माँग बनी हुई है। ठंड में इसे खाना ग्राहक बेहद पसंद करते हैं क्योंकि इससे पाचन भी बढ़िया होता है। पपीते की मांग भी अच्छी बनी हुई है। पपीता मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश से आ रहा हैं। इसी प्रकार गुजरात से चीकू की आवक हो रही हैं जो थोक में 300 से 500 रुपए प्रति बॉक्स बिक रहा है।

सूखा मेवा की मांग तेज हुई

ठंड बढने के साथ ही बाजार में ड्रायफ्रूट की मांग भी बराबर बढी है। खारक ,बादाम,अंजीर सहित अन्य ड्रायफ्रूट की खरीद लोग कर रहे हैं। शरीर को गर्मी पहुंचाने के लिए दुध में केसर का सेवन भी किया जाने लगा है। इसके चलते केसर की मांग भी बनी है।

शाम से हवाएं गति पकड रही

शासकीय जीवाजी वेधशाला से जारी विज्ञप्ति के अनुसार वर्तमान में दिन में हवाओं की गति शून्य रहती है और शाम ढलते झढलते हवाओं में गति आ जाती है वैसे अभी यह गति बहुत नहीं है सामान्य ही है लेकिन ठंडी हवाओं के होने से इसका असर बन रहा है। बुधवार को हवाओं की गति शाम को 4किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई है। सुबह न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री एवं शाम को अधिकतम 29 डिग्री दर्ज किया गया ।

एक तरफ नया ब्रिज, पास में मेडिसिटी का निर्माण, भविष्य में चौराहा के अतिव्यस्त होने की स्थिति होने की संभावना

भविष्य को लेकर चामुण्डा चौराहा विकास की उठी मांग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर के सबसे व्यस्त चामुंडा चौराहा के भविष्य में और अधिक व्यस्त होने की संभावना प्रब्ल हो गई है।इस क्षेत्र में एक साथ एक ही चौराहा पर चौतरफा दबाव आने की स्थिति निर्माण कार्य को देखते हुए बन रही है। इसके चलते इस चौराहा का चौतरफा नियमानुसार विकास अत्यधिक आवश्यक हो गया है। यह चौराहा राष्ट्रीय राजमार्ग इंदौर-कोटा पर स्थित होने से यातायात की दृष्टि से इसका महत्व और अधिक बढ गया है।

पुरातन समय से ही उज्जैन शहर के पुराने एवं नए हिस्से को जोडने वाले प्रमुख चौराहा के रूप में चामुंडा चौराहा जाना जाता है। नए शहर को जोडने वाला अन्य विकल्पों में मात्र गधा पुलिया का हिस्सा ही कभी आवागमन के लिए हुआ करता था और वह भी छोटे वाहनों के लिए । इसके बाद एक-एक कर कई विकल्प होते गए,लेकिन इसके बावजूद वर्तमान में भी इस चौराहा की व्यस्तता सर्वाधिक है। शहर के सबसे महत्वपूर्ण यातायात चौराहा यही है।

4 दशक में बने कई विकल्प

पिछले 4 दशक में शहर में पुराने एवं नए हिस्से को जोडने एवं सुगम यातायात के लिए कई विकल्प बने हैं। इनमें हरिफाटक ब्रिज,जीरो पाईट ब्रिज, डालडा फैक्ट्री ब्रिज,आउटर रिंग रोड,लाल पुल ब्रिज,शांति पैलेस ब्रिज प्रमुख हैं। वर्तमान में इन सभी से आवागमन डायवर्ट हुआ है।

ये उठी मांग

चामुण्डा माता चौराहे पर विशाल मेडिसिटी(मेडिकल कॉलेज होस्टल तथा अस्पताल) और फ्रीगंज ओवरब्रिज की दूसरी शाखा का निर्माण चल रहा है जिनके पूर्ण होने पर यह चौराहा अत्यधिक व्यस्त हो जायेगा । इस चौराहे को प्रदेश का सबसे व्यवस्थित, सुन्दर और भव्य चौराहा बनाने की योजना के साथ साकार रूप देने के लिए लेखक सन्तोष सुपेकर ने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को पत्र लिखकर किया है। महापौर मुकेश टटवाल एवं उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन कालूहेडा को भी इसके लिए आग्रह पत्र भेजे गए हैं।

चामुंडा चौराहा प्रमुख

शहर का चामुंडा चौराहा वर्तमान में भी सर्वाधिक यातायात के दबाव का क्षेत्र है। देवासगेट बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन का यह प्रमुख चौराहा है तो राष्ट्रीय राजमार्ग इंदौर झकोटा पर यह चौराहा स्थित है। पुराने एवं नए शहर के मध्य में यही चौराहा प्रमुख आवागमन का केंद्र है।

महाकाल मंदिर में 24 घंटे मिलेगा लड्डू प्रसाद

रात्रि में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए समिति ने की नई व्यवस्था

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्री महाकालेश्वर मंदिर में अब भक्तों को 24 घंटे लड्डू भोग प्रसाद मिलेगा। मंदिर प्रबंध समिति ने श्री हरसिद्धि मंदिर के पास स्थित पद्मभूषण पं. सूर्यनारायण व्यास अतिथि निवास के बाहर यह सुविधा शुरू की है। इस नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु श्री महाकालेश्वर भगवान का बेसन और रागी से बना लड्डू प्रसाद किसी भी समय प्राप्त कर सकेंगे।

यह निर्णय दर्शनार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक ने बताया कि पहले प्रसाद काउंटर सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक ही संचालित होते थे। रात्रि में दर्शन के लिए आने वाले कई श्रद्धालु समय की कमी के कारण प्रसाद नहीं ले पाते थे।

भक्तों की आस्था और सुविधा को देखते हुए अतिथि निवास के समीप यह नया काउंटर 24 घंटे खुला रहेगा। इससे रात्रि में आने वाले भक्तों को भी आसानी से लड्डू प्रसाद उपलब्ध हो सकेगा।

उज्जैन में हनुमान अष्टमी पर शहर के मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन

बाल हनुमान मंदिर में लगा 9 किलो चांदी का द्वार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

धार्मिक नगरी उज्जैन में हनुमान अष्टमी का पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर महाकाल मंदिर परिसर स्थित श्री बाल विजय मस्त हनुमान मंदिर के गर्भगृह में गुरुवार को 9 किलोग्राम चांदी से निर्मित एक नया द्वार स्थापित किया गया। 12 दिसंबर को हनुमान अष्टमी के दिन शहर के सभी हनुमान मंदिरों में अखंड रामायण, सुंदरकांड और हनुमान चालीसा के पाठ सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे।

श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर में स्थित श्री बाल विजय मस्त हनुमान मंदिर में यह पर्व विशेष उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। श्रीराम कथा व्यास सुलभ शांतु महाराज ने बताया कि नौ दिवसीय महोत्सव की शुरूआत 4 दिसंबर को अखंड रामायण पाठ से हुई थी। 11 दिसंबर को हनुमान अष्टमी की पूर्व संध्या पर श्री बाल हनुमान का दिव्य श्रृंगार किया जाएगा।

12 दिसंबर को सुबह 9 बजे मंगला आरती में 11 हजार बेसन के लड्डुओं का महाभोग लगाया जाएगा, जिसके बाद प्रसाद वितरित होगा। दोपहर 2 बजे अखंड रामायण पाठ की पूणार्हुति होगी और शाम 7 बजे मुख्य आरती की जाएगी। आरती के पश्चात महाप्रसादी का आयोजन भी होगा। इस आयोजन में भक्त मंडल के हस्तीमल नाहर, सीताराम अग्रवाल, प्रहलाद दाड़, बंटी भदौरिया, प्रवीण ठाकुर, अंजनेश शर्मा, रामावतार शर्मा, मनोहर दुबे, अभय जैन, गोपाल पाटोदिया, शैलेन्द्र तोमर, राहुल कटारिया, मनीष कटारिया, सौरभ शर्मा, अतुलित शर्मा और अभिषेक जैन सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

सुलभ शांतु महाराज ने बताया कि गुरुवार को बाल हनुमान मंदिर के गर्भगृह में 9 किलो चांदी से बना नवीन द्वार स्थापित किया गया। इस द्वार की अनुमानित लागत करीब 18 लाख रुपए है। इस पर आकर्षक कारीगरी की गई है, जिसमें द्वार के दोनों ओर आशीर्वाद देते हुए हनुमानजी की आकृतियां अंकित हैं। द्वार पर गज (हाथी) और ऊं व स्वास्तिक के चिन्ह भी बनाए गए हैं, जो इसकी शोभा बढ़ा रहे हैं। भोपाल के एक भक्त द्वारा यह चांदी का द्वार बाल हनुमानजी की सेवा में अर्पित किया गया है, जिसका विधि-विधान से पूजन कर शुभ मुहूर्त में मंदिर को समर्पित किया गया।

तिब्बती शरणार्थी वूलन मार्केट की महिला व्यापारियों का सम्मान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मानवाधिकार सुरक्षा एवं संरक्षण ऑगेर्नाइजेशन के राष्ट्रीय महामंत्री तपन अग्निहोत्री के आह्वान पर आगर रोड स्थित पोताला तिब्बती शरणार्थी वूलन मार्केट के व्यापारियों को संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। अली असगर पाटला वाला ने बताया कि तिब्बती व्यापारियों द्वारा उज्जैन में रहकर

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इसी उपलक्ष्य में संस्था ने व्यापारी महिलाओं को सम्मानित कर नारी शक्ति और सम्मान का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि दूर-दराज से आई महिलाएं यहां आकर साहस के साथ व्यापार करती हैं। उनके हौसले को प्रोत्साहित करने और समाज में महिला शक्ति का गौरव बढ़ाने के लिए यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

गैबी हनुमान रात एक बजे तक देंगे दर्शन, दो घंटे चलेगी महाआरती

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मंदिरों की नगरी उज्जैन मे हनुमान अष्टमी धूमधाम से मनाई जाती है। बजरंगबली के उज्जैन आगमन के दिवस को स्मरणीय बनाए रखने के लिए पौष मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी को बाबा का विशेष श्रृंगार व पूजन सभी हनुमान मंदिरों मे होता है।इस वर्ष हनुमान अष्टमी शुक्रवार को है और प्राचीन गैबी हनुमान मंदिर मे अष्टमी को लेकर विशेष तैयारियां चल रही हैं।

बाबा का मनमोहक रूप रहेगा आकर्षण का केन्द्र

हनुमान अष्टमी पर बाबा का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। सुबह रूद्राभिषेक व पूजन होगा और मंदिर मे हवन भी आयोजित किया जाएगा। अष्टमी पर रात साढे नौ बजे महाआरती प्रारंभ होगी। ढोल ,ताशे, झांझ, मंजीरे व घंटी की लयबद्ध आरती पूरे दो घंटे तक चलेगी। आरती के समापन के बाद भी मंदिर के पट रात 1.00 बजे तक खुले रहेंगे। हनुमान अष्टमी पर भक्तों को नुक्ती व चूरमे का प्रसाद वितरित किया जाएगा उक्त जानकारी मंदिर के पुजारी स्कंद दास ने दी।

नं. 1 क्षेत्रीय अखबार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

धार्मिक और खगोलीय दृष्टि से कुंभ से पहले विशेष संयोग

2026 में पड़ेगा ज्येष्ठ अधिकमास, 13 माह का होगा साल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

हिंदू पंचांग के अनुसार आगामी वर्ष 2026 विशेष खगोलीय संयोग लेकर आ रहा है। हिंदू पंचांग गणना के मुताबिक यह वर्ष 13 महीनों का होगा, क्योंकि 2026 में अधिकमास पड़ रहा है। इस बार अधिकमास ज्येष्ठ माह में आने वाला है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार सिंहस्थ कुंभ से पहले मई का महीना बेहद फलदायक माना जा रहा है। हिंदू समय गणना पूरी तरह विक्रम संवत पर आधारित है और वर्तमान में विक्रम संवत 2082 चल रहा है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य अमर डिब्बेवाला का कहना है कि वर्ष 2026 में बन रहा यह संयोग अत्यंत दुर्लभ और शुभ है।

क्या होता है अधिकमास?

पंचांग की गणना के अनुसार हर 2-3 वर्ष में एक अतिरिक्त महीना जुड़ता है, जिसे अधिकमास कहा जाता है। यह तब बनता है जब किसी पूरे चंद्र मास के दौरान सूर्य किसी भी राशि में प्रवेश नहीं करता। चंद्र मास और सौर मास की गति में अंतर को संतुलित करने के लिए ही यह अतिरिक्त महीना पंचांग में जुड़ता है। इसे अधिकमास, अध्याय मास या मलमास भी कहा जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार ऐसे बढ़ता है एक माह

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हिंदू माह ज्येष्ठ मई में आएगा, इसे पुरुषोत्तम एकादशी भी कहा जाता है। 2028 कुंभ से पहले आने के कारण अधिक प्रभावशाली होगा। अधिक मास की उत्पत्ति पंचांग की तिथियों के घटने और बढ़ने से होती है। घंटा, मिनट, कला, विकला के कुल जमा होने से बनने वाले समय, उस समय से दिन का निर्माण होता, दिन से सप्ताह का और सप्ताह से महीने का निर्माण होता है। ये सब तिथियों की गणना पर निर्भर करता है। इस गणना में अधिकांश तीन वर्ष में अधिकमास होता है।

धार्मिक महत्व- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अधिकमास को अत्यंत पवित्र माना गया है। इस महीने में किए गए व्रत, जप, तप, दान-पुण्य और पूजाझ्रपाठ का फल सामान्य दिनों की अपेक्षा कई गुना अधिक मिलता है। 2026 में जेष्ठ अधिकमास आने के कारण यह वर्ष आध्यात्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ये कार्य करें पूरे माह

हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार ज्येष्ठ का काल लगभग 58 से 59 दिनों तक होगा। इसे ही अधिकमास, मलमास या पुरुषोत्तम मास कहा जाता है। मई वैसे ही सबसे बड़ा माना जाता है। भगवान पुरुषोतम की साधना की जाती है। इसे विशेष धार्मिक कर्मों और पुण्य कार्यों के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। पंडित अमर डिब्बेवाला ने बताया कि अधिकमास में पूरे माह धर्म से संबधित मांगलिक कार्य (विवाह और गृह प्रवेश, मंडन आदि को छोड़कर), तीर्थ यात्रा, भागवत, भजन, पूजन, कीर्तन, ब्राह्मणों को दान एक माह तक पवित्र नदियों में स्नान किया जाता है। शिप्रा नदी में स्नान के बाद महाकालेश्वर मंदिर में पूजन अर्चना कर पितरों का तर्पण करने की भी परम्परा है।

न्यूज ब्रीफ

गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

उज्जैन। जिला कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को पुलिस कंट्रोल रुम के समीप माधवनगर क्षेत्र में बन रहे नवीन कलेक्टर कार्यालय भवन के प्रगतिरत निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य ऐजेंसी को निर्देश दिए कि कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में किया जाए। उन्होंने बताया कि नवीन कलेक्टर भवन का वर्तमान में बेसमेंट स्तर पर कार्य चल रहा है।

हर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा सभी की साझा जिम्मेदारी- सीएम

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व मानवाधिकार दिवस पर समाज में मानवता, समानता और न्याय के लिए सामूहिक संकल्प लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग और हर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मानवाधिकार दिवस पर हमें सह-अस्तित्व की भावना को सुदृढ़ करते हुए एक-दूसरे के सम्मान, शांति और अधिकारों को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लेना चाहिए।

महिला वूलन व्यापारियों का किया गया सम्मान

उज्जैन। मानवाधिकार सुरक्षा एवं संरक्षण ऑर्गेनाईजेशन के राष्ट्रीय महामंत्री तपन अग्निहोत्री के आह्वान पर आगर रोड स्थित पोताला तिब्बती शरणार्थी वूलन मार्केट के व्यापारियों को संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। अली असगर पाटला वाला ने बताया कि तिब्बती व्यापारियों द्वारा उज्जैन में रहकर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इसी उपलक्ष्य में संस्था ने व्यापारी महिलाओं को सम्मानित कर नारी शक्ति और सम्मान का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि दूर-दराज से आई महिलाएं यहां आकर साहस के साथ व्यापार करती हैं।

गंदगी करते पाए जाने पर 24 हजार रुपए का जुर्माना

उज्जैन। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा शहर की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन जुमार्ने की कार्रवाई की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निदेर्शानुसार समस्त जोन अंतर्गत कार्रवाई करते हुए 24 हजार से अधिक का जुमार्ना वसूला। इसमें गंदगी करते पाए जाने पर 14,500 हजार, प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग करने पर 7,600 का जुमार्ना एवं मिक्स कचरा देने पर 2000 का जुर्माना वसूला गया।

जवान नहीं दिखते, सड़क स्तर पर मौजूदगी कम

पुलिस चौकियाँ सूनी..कई पर ताले

अधिकांश चौकियों पर पुलिस की मौजूदगी नदारद

फुटपाथियों ने कब्जा किया, केवल छत्रीचौक की चौकी ही सक्रिय

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर में अपराधों का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है, वहीं पुलिस की सड़क स्तर पर मौजूदगी कम होती जा रही है। शहर का दायरा बढ़ने और हर दिन होने वाली मारपीट, चोरी, वाहन चोरी व छेड़छाड़ जैसी वारदातों के बावजूद प्रमुख चौराहों पर पुलिस चौकियाँ या तो सूनी पड़ी हैं या फिर कबाड़ में तब्दील हो चुकी हैं। स्थिति यह है कि शहर में सिर्फ छत्रीचौक की पुलिस चौकी ही नियमित रूप से संचालित दिखाई देती है।

पूर्व में शहरवासियों की मदद से त्रिमूर्ति टॉकीज चौराहा, गदा पुलिया, जयसिंहपुरा, जूना सोमवारिया, पीपलीनाका, फव्वारा चौक, जिला अस्पताल के पीछे सहित कई स्थानों पर पुलिस चौकियाँ स्थापित की गई थीं। इन चौकियों का उद्देश्य था, चौराहों पर पुलिस की सतत मौजूदगी और घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई लेकिन वर्षों से इन चौकियों में न पुलिस जवान तैनात किए जा रहे हैं ना ही इनका रखरखाव हो रहा है।

कहाँ-कहाँ खंडहर बनी हैं पुलिस चौकियां?

- जिला अस्पताल के पीछे
- त्रिमूर्ति टॉकीज चौराहा
- गदा पुलिया क्षेत्र
- जयसिंहपुरा
- जूना सोमवारिया चौराहा
- पीपलीनाका
- फव्वारा चौक
- क्षीरसागर चौकीलंग

कराई जानी चाहिए।

अनेक चौकियों की जालियाँ, दरवाजे और छतें नशेडियों द्वारा उखाड़ ले जाई गईं। कई स्थानों पर चौकियों की हालत इतनी जर्जर है कि वे खंडहर जैसी नजर आती हैं। क्षीरसागर स्थित चौकी पर तो फुटपाथ पर रात गुजारने वालों ने कब्जा कर लिया है और उसे अपना ठिकाना बना रखा है। दूसरी ओर कुछ चौकियों पर निजी फर्मों ने अपने बोर्ड लगा रखे हैं, जबकि कई स्थानों पर दुकानदार इन चौकियों को गोदाम की तरह इस्तेमाल करने लगे हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि इन चौकियों को पुनर्जीवित कर यहाँ नियमित ड्यूटी लगाई जाए, तो अपराध पर काफी हद तक रोक लगेगी और लोगों में सुरक्षा की भावना भी बढ़ेगी। शहर में पहले बनाए गए पुलिस मित्र भी अब पूरी तरह सक्रिय नहीं रहते।

ओवरब्रिज निर्माण : रेलवे का पुल तोड़ रहे, हादसे का खतरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

फ्रीगंज ओवरब्रिज के पैरेलल एक नया पुल बनाया जा रहा है। इससे आने और जाने में आसानी होगी। हमेशा लगने वाले जाम से भी इससे मुक्ति मिल सकेगी। साथ ही सिंहस्थ में भी आवागमन में आसानी होगी। इसके चलते रेलवे का पैदल पुल को तोड़ा जा रहा है। इस दौरान निकलने वाली पैसेंजर और मालगाड़ी ट्रेन हादसे का शिकार हो सकती है। इस संबंध में ठेकेदार ने बताया कि इस रूट की लाइन को 24 घंटे के लिए बंद किया जाएगा। फिलहाल तुड़ाई का काम जारी है, ताकि सिंहस्थ के पहले समय सीमा में ओवरब्रिज निर्माण हो सके।

जिले को लगातार प्राप्त हो रहा है यूरिया एवं पर्याप्त मात्रा में है भण्डारण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

जिले में रबी मौसम की फसल बुआई का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिले में रबी मौसम में मुख्य रूप से गेहूं की फसल लगाई जाती है। वर्तमान में गेहूं की फसल 30 से 35 दिन की अवस्था में है। किसान भाईयों के द्वारा गेहूं फसल में प्रथम सिंचाई का कार्य किया जा रहा है। जिले में किसान भाईयों को उनकी मांग अनुसार उर्वरक सुगमता से उपलब्ध कराया जा रहा है। आज दिनांक को जिले में सेवा सहकारी समिति / निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रों पर कुल 4323 मै.टन यूरिया 1346 मै.टन डी.ए.पी. 4280 मै. टन एन.पी.के. उपलब्ध है। जिले को मांग अनुसार निरंतर यूरिया उपलब्ध हो रहा है। दिनांक 09.12. 2025 को 2653 मै.टन यूरिया एवं आज दिनांक को 2675 मै.टन यूरिया की रैक जिले को प्राप्त हुई है। जिसे जिले के किसानों को वितरण करने हेतु संबंधित सेवा सहकारी समितियों / निजी उर्वरक विक्रेताओं को भेजी जा रही है।

सनातन एकता के लिए साइकिल से 1600 किमी यात्रा पर निकले 3 श्रद्धालु

हाथों में साइकिल, झोले में सामान और मुख पर जय श्री राम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

हाथों में साइकिल, झोले में सामान और मुख पर जय श्री राम व जय महाकाल के जयघोष के साथ गुजरात से अयोध्या के लिए निकले तीन श्रद्धालु करीब 500 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर रविवार को धार्मिक नगरी उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। फिर अपनी आगे की यात्रा के लिए रवाना हो गए।

समाजसेवी गिरीश शर्मा ने बताया कि गुजरात के आनंद जिले से अयोध्या के लिए साइकिल यात्रा पर निकले मुकेश कुमार बी. पटेल (65), मल्हार भाई एम. पटेल (67) और मगन भाई एम. तलपदा (59) आज उज्जैन पहुँचे। तीनों श्रद्धालुओं ने बताया कि यह यात्रा सनातन धर्म की एकता और आपसी सद्भावना का संदेश देने के उद्देश्य से निकाली गई है। मुकेश कुमार बी. पटेल ने कहा कि उन्होंने यह 1600 किलोमीटर लंबी यात्रा 6 दिसंबर 2025, बाबरी विध्वंस की तिथि पर, गुजरात के पेटलाद से शुरू की थी। छह दिनों के सफर के बाद वे उज्जैन पहुंचे हैं। यहां महाकाल दर्शन के बाद यात्रा अब बागेश्वर धाम के लिए रवाना होगी। अंत में अयोध्या में भगवान श्री राम के दर्शन के साथ समाप्त होगी। मंदिर परिसर में दर्शन के दौरान शहरवासियों ने इन श्रद्धालुओं का स्वागत किया और सनातन एकता के संदेश के लिए उनकी सराहना की।

मुकेश पटेल ने बताया कि इससे पहले वे 1800 किलोमीटर की मां वैष्णों देवी की यात्रा और द्वारिका व सोमनाथ के दर्शन भी साइकिल से कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि वे बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री से प्रेरित होकर यह यात्रा कर रहे हैं।

प्रतिदिन 80 से 90 किलोमीटर साइकिल चलाते है

यात्रा के सदस्य मल्हार भाई पटेल ने बताया कि कुल 1600 किलोमीटर की यह यात्रा 20 दिनों में पूरी होगी। वे रोजाना 80-90 किलोमीटर साइकिल चलाते हैं। यात्रा में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसलिए गुजरात के सांसद नितेश पटेल और विधायक कमलेश पटेल ने उन्हें अनुशंसा पत्र भी दिया है, जिससे मंदिरों में दर्शन में सुविधा मिलती है।

सिंहस्थ के लिए उज्जैन निगमायुक्त, महापौर के वित्तीय अधिकार दोगुने

शहरी निकायों की सभी वित्तीय शक्तियां मेयर-इन-काउंसिल और प्रेजिडेंट-इन-काउंसिल को सौंप दी गई

बिना नोटिस किसी भी भवन या परिसर में जाकर निरीक्षण का अधिकार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ-2028 के लिए सरकार ने तैयारियों की गति बढ़ाने के उद्देश्य से उज्जैन निगम कमिश्नर, मेयर और एमआईसी के वित्तीय अधिकार दोगुने कर दिए हैं। बुधवार शाम सिंहस्थ आयोजन के नोडल विभाग नगरीय विकास एवं आवास ने इसके आदेश जारी कर दिए।

ये बढ़ी हुई शक्तियां 30 मई 2028 तक लागू रहेंगी। साथ ही, सिंहस्थ से जुड़े कार्यों के लिए शहरी निकायों की सभी वित्तीय शक्तियां मेयर-इन-काउंसिल और प्रेजिडेंट-इन-काउंसिल को सौंप दी गई हैं।

विभाग ने नगरपालिक अधिनियम के सेक्शन 251 के अधिकार अब एमआईसी को दे दिए हैं। इसके तहत निकायों को बिना नोटिस किसी भी भवन या परिसर में जाकर निरीक्षण कर कार्रवाई करने का अधिकार होता है। इसका उद्देश्य नियमों का उल्लंघन, टैक्स वसूली, स्वच्छता और अन्य निरीक्षण कार्य शामिल हैं। यह कदम उज्जैन निगम को अधिक शक्तियां देने के लिए उठाया गया है, ताकि उन्हें बार-बार भोपाल आकर अनुमति न लेनी पड़े।

इसके पहले, 2023 में वित्तीय अधिकार बढ़ाए गए थे। मप्र सरकार ने अगस्त 2023 में नगरीय निकायों के वित्तीय अधिकार दोगुना किए थे। इसके अनुसार, मेयर 10 करोड़ तक, निगम कमिश्नर 5 करोड़ तक के कामों को मंजूरी दे सकते हैं। एमआईसी को 20 करोड़ तक के कार्यों की स्वीकृति देने का अधिकार मिला था।

- **उज्जैन मेयर :** 10 से 20 करोड़ तक के सिंहस्थ संबंधित कार्यों को मंजूरी दे पाएंगे।
- **निगम कमिश्नर:** अब 10 करोड़ रु. तक के कार्यों को स्वीकृति दे सकेंगे।
- **एमआईसी :** 20 करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्ताव स्वीकृत किए जाएंगे।
- **इसलिए बढ़ाए वित्तीय अधिकार:** महाकुंभ 2028 के लिए उज्जैन में जलापूर्ति, सीवेज और सड़कों के बड़े पैमाने पर कार्य चल रहे हैं। इन्हें समय पर पूरा करने के लिए यह वित्तीय अधिकार बढ़ाए हैं।

पीएमश्री स्कूल अपने क्षेत्र के स्कूलों का कर रहे हैं नेतृत्व

प्रदेश के 799 पीएमश्री स्कूलों में 4.80 लाख विद्यार्थियों को मिली अध्ययन की सुविधा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष-2020 के अनुरूप 799 स्कूलों को पीएमश्री विद्यालय के रूप में संचालित किया जा रहा है। इन पीएमश्री विद्यालयों में 4 लाख 80 हजार विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पीएमश्री स्कूलों में स्मार्ट कक्षाएँ, लायब्रेरी, खेल उपकरण और कला कक्ष जैसी बुनियादी सुविधाएं विकसित कराकर इनको आधुनिक रूप दिया गया है। ये पीएमश्री स्कूल अपने क्षेत्र के अन्य स्कूलों की शिक्षा गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व कर रहे हैं।

व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास

पीएमश्री स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास में दक्ष किया जा रहा है। उन्हें कॅरियर काउंसिलिंग से भविष्य में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी जा रही है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में पीएमश्री योजना में 124 स्कूलों में कॅरियर काउंसलर और 137 स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर नियुक्त किए गए हैं। कक्षा 9 से 12 तक के करीब 2 लाख 41 हजार बच्चों को कॅरियर विकल्प का मार्गदर्शन दिया गया है।

बड़े बकायदारों की सूची लेकर फील्ड में निकले सभी अधिकारी, कर्मचारी

शत प्रतिशत वसूली का लक्ष्य पूर्ण करें - निगम आयुक्त

नेशनल लोक अदालत तक निगम का सम्पूर्ण अमला मिशन मोड पर कार्य करते हुए वसूली प्रतिशत को बढ़ाए

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

13 दिसंबर शनिवार को समस्त जोन कार्यालयों में नगर निगम द्वारा नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है जिसमें नगर निगम का संपूर्ण अमला मिशन मोड पर कार्य करते हुए लोक अदालत तक जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसकी वसूली के लिए कार्य करेगा उक्त निर्देश निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा गुरुवार को आयोजित राजस्व विभाग अंतर्गत संपत्ति कर एवं जलकर की समीक्षा बैठक में दिए गए।

नेशनल लोक अदालत के अंतर्गत 1500 से अधिक की संख्या में बड़े बकायदारों को चिन्हित करते हुए बिल जारी किए गए हैं साथ ही इस बार नेशनल लोक अदालत का लक्ष्य 10 करोड़ से अधिक का रखा गया है जिसकी शत प्रतिशत रूप से वसूली की जाना है। समीक्षा बैठक में निगम आयुक्त द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नेशनल लोक अदालत अंतर्गत जो टारगेट दिया गया है इसके लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी फिजिकली रूप से बड़े बकायदारों से संपर्क करते हुए वसूली करें, नेशनल लोक अदालत अंतर्गत जोन में संपूर्ण व्यवस्थाएं रहे ऑपरेटर, कंप्यूटर, इंटरनेट, कैश मशीन की व्यवस्था रहे साथ ही जोन में आने वाले नागरिकों को भी सुविधा मिले इसलिए बैठने की समुचित व्यवस्थाएं एवं पीने के लिए पेयजल पानी की उपलब्धता रहे, शहर के बड़े होटल, मैरिज गार्डन, होमस्टे, अस्पताल एवं जितनी भी कमर्शियल संपत्तियां हैं उनसे संपत्ति कर एवं जलकर की वसूली की जाना है

बैठक में अपर आयुक्त संतोष टैगोर, पवन कुमार सिंह, संदीप शिवा, अपर आयुक्त वित्त पुनीत शुक्ला, उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल, संजेश गुप्ता, मनोज मौर्य, समस्त जोन के सहायक आयुक्तगण, जनसंपर्क अधिकारी, संपत्ति कर अधिकारी एवं बिल वितरक अधिकारी उपस्थित रहे।

अटल पेंशन योजना में पात्र हितग्राहियों को लाभ देने में उज्जैन प्रदेश में दूसरे स्थान पर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

भारत सरकार वित्तीय समावेशन योजना के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा योजना के लक्ष्य प्राप्त करने एवं पात्र नागरिकों के जनधन खाते खोलने ,प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा और प्रधानमंत्री अटल पेंशन योजना के लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए संपूर्ण जिले में पंचायत स्तर पर विशेष अभियान चलाकर शिविर निरंतर 1 जुलाई से 31 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित किए गए हैं।

640 शिविर जिले की 609 ग्राम पंचायतों में लगाए गए है। उक्त शिविरों में 17,777 जनधन खाते हितग्राहियों के खोले गए। शिविरों के माध्यम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 19,984 , प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 33,282, प्रधानमंत्री अटल पेंशन योजना में 10,144 हितग्राहियों को शिविरों में लाभ प्रदान किया गया। शिविरों के माध्यम से हितग्राहियों को अटल पेंशन योजना का लाभ देने में जिले ने प्रदेश में दूसरे स्थान प्राप्त किया।

केन्द्रीय जेल उज्जैन में मनाया गया मानव अधिकार दिवस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

केन्द्रीय जेल अधीक्षक मनोज कुमार साहू द्वारा बताया गया कि गत दिवस डॉ. अंजना शुक्ला, आदित्य मानव विकास शोध संस्थान उज्जैन के सौजन्य से केन्द्रीय जेल उज्जैन में मानव अधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. अजना शुक्ला, अध्यक्ष द्वारा जेल अस्पताल हेतु 10 नग गद्दे भेंट किए गए। इनके द्वारा मानव अधिकार आयोग की आज के दिवस सार्वभौमिक स्थापना के संबंध में जानकारी देकर मानव अधिकारों के बारे में बताया गया। जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार साहू द्वारा जेल में परिरूद्ध बंदियों के मानव अधिकारों की सुरक्षा की बात कहीं गई। तथा बंदियों के पुनर्वास एवं उत्थान हेतु चलाई जा रही गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जसमनसिंह डावर उप अधीक्षक, सुरेश गोयल, प्रवीण कुमार मालवीय , प्रिंस सिंह एवं बड़ी संख्या में बंदियों सहित जेल स्टाफ उपस्थित रहा।

शिप्रा शुद्धिकरण के लिए नवीन कार्य योजना तैयार करें

कलेक्टर श्री सिंह ने शिप्रा शुद्धिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने गुरुवार दोपहर शिप्रा शुद्धिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर पूर्व में किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्री सिंह ने गत वर्षों में शिप्रा शुद्धिकरण के लिए किए गए कार्यों को समाहित कर नवीन कार्ययोजना बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह द्वारा पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों को वाटर क्वालिटी रिपोर्ट प्रत्येक माह में अनिवार्यत भेजने के निर्देश दिए। बैठक में सिंचाई विभाग ने जानकारी दी कि शिप्रा पर इंदौर,उज्जैन और देवास में बैराजों का निर्माण किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह को जिला पंचायत और नगर निगम के अधिकारियों ने विगत वर्षों में किए गए कार्यों की जानकारी दी।

स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाएं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

गुरुवार को डॉ. अर्चना मिश्रा, वरिष्ठ संयुक्त संचालक, संचालनालय, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, मध्यप्रदेश व ओ.आई.सी., जिला उज्जैन की अध्यक्षता में जिला उज्जैन की जिला स्तर पर बैठक का आयोजन कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन में किया गया। बैठक में डॉ. दीपक पिप्पल, क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, उज्जैन संभाग, डॉ. अशोक कुमार पटेल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. सुनीता परमार जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी, डॉ. मंजूषा पिप्पल जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. रविन्द्र कुमार पाल जिला टीकाकरण अधिकारी, डॉ. आदित्य रावल एन.सी.डी. नोडल अधिकारी, डॉ. अरूण कुमार कुशवाह जिला क्षय अधिकारी, समस्त जिला कार्यक्रम अधिकारी/नोडल अधिकारी, समस्त खण्ड चिकित्साधिकारी, श्री मनीष भद्रावले जिला कार्यक्रम प्रबंधक, सुश्री परविन्दर बग्गा जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अधिकारी, श्री जितेन्द्र अहिरवार जिला लेखा प्रबंधक, डॉ. आदित्य माथुर ऐपिडिमियोलॉजिस्ट, अनस कुरेशी जिला कम्युनिटी मोबिलाईजर, डॉ. मधु नेमा जिला क्वालिटी मॉनीटर, नेहा निर्मल उपयंत्री, श्रीमती विनीशा सोलंकी डी.ई.आई.एम., समस्त बी.पी.एम., बी.सी.एम., पब्लिक हेल्थ मैनेजर सहित विभिन्न अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित हुए। बैठक में डॉ. अर्चना मिश्रा, उप संचालक, मातृत्व स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा निर्देश दिये गए कि आगामी वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना तैयार करने हेतु आश्वयक कार्यवाही करें। जिले में शतप्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कर उनकी 04 ए.एन.सी. जांचे भी करना सुनिश्चित करें। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर उनका प्रसव पूर्व पूर्ण प्रबंधन सुनिश्चित कर डिलेवरी उपरांत अनमोल पोर्टल पर डिलेवरी अपडेशन शतप्रतिशत करें। मातृ एवं शिशु मृत्यु की समीक्षा व रिव्यू कर सुधारात्मक कार्यवाही करें। क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत शतप्रतिश स्कीनिंग व एक्सरे करना सुनिश्चित करें। जिले में अकियाशील प्रसव केन्द्रों को क्रियाशील करने हेतु आवश्यक कार्यवाही कर प्रसव केन्द्र का संचालन प्रारंभ करें।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि देवीसिंह पिता बनेसिंह जी जाति भाट पता शिवगढ कृषक शिवगढ जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम शिवगढ़ तहसील आगर मालवा जिला आगर मालवा में सर्वे न. 390/1/1/4 रकबा 0.730 हैक्टेयर भूमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की राशि भी विक्रेता को अदा कर दी गई है उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई संवत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपप्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो ।
इति दिनाक 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर मो. 8269266222

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि वली मोहम्मद पिता सुभान खा जाति पिंजारा पता शिवगढ कृषक शिवगढ जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम शिवगढ तहसील आगर मालवा जिला आगर मालवा में सर्वे न. 390/2/2 रकबा 4.000 हैक्टेयर भूमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की राशि भी विक्रेता को अदा कर दी गई है उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ती हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपप्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो ।
इति दिनाकः 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर 8269266222

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि अबरार पिता सत्तारखां, साईन पिता सत्तार खां, तमन्ना बी पति सत्तार खॉ सर्व जाति पिंजाश, सर्व निवासी शिवगढ कृषक शिवगढ जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम शिवगढ़ तहसील आगर मालवा जिला आगर मालवा में सर्वे न. 403/4 रकबा 0.110, 411/1 रकबा 0.060, 466/5 रकबा 0.180 कुल किता 03 कुल रकबा 0.350 हैक्टेयर भुमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की राशि भी विक्रेता को अदा कर दी गई है उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपप्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो ।
इति दिनाक 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर, मो. 8269266222

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि हकिम पिता नबीबक्ष जाति पिंजारा, पता शिवगढ कृषक शिवगढ जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम शिवगढ़ तहसील आगर मालवा जिला आगर मालवा में सर्वे न. 410/2 रकबा 0.170, 466/2 रकबा 0.180 कुल किता 02 कुल रकबा 0.350 हैक्टेयर भुमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भूमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की राशि भी विक्रेता को अदा कर दी गई है उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ती हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपत्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुक्ति हो ।
इति दिनांक 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर, मो. 8269266222

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि सफी खां पिता नबीबक्ष जाति पिंजारा पता शिवगढ कृषक शिवगढ जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम शिवगढ़ तहसील आगर मालवा जिला आगर मालवा में सर्वे न. 410/1 रकबा 0.050, 411/2 रकबा 0.120, 466/1 रकबा 0.180 कुल किता 03 कुल रकबा 0.350 हैक्टेयर भुमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की राशि भी विक्रेता को अदा कर दी गई है, उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार दवारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपप्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो ।
इति दिनाक 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर, मो. 8269266222

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि शेख मोहम्मद पिता शफी मोहम्मद जाति मुसलमान, पत्ता शिवगढ कृषक शिवगढ जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम शिवगढ़ तहसील आगर मालवा जिला आगर मालवा में सर्वे न. 448/1 रकबा 1.350 हैक्टेयर भुगि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की राशि भी विक्रेता को अदा कर दी गई है, उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ती हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपप्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो ।
इति दिंनाक : 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर, मो. 8269266222

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि दिनेश पिता बालचन्द पाटीदार जाति कुल्मी निवासी लोलकी कृषक श्यामपुरा तहसील सुसनेर जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम श्यामपुरा तहसील सुसनेर जिला आगर मालवा जिला आगर मालवा में सर्वे न. 245/1 रकबा 0.100, 245/2 रकबा 0.920, 245/3 रकबा 0.080 कुल सर्वे क्रमाक 03 कुल रकबा 1.100 हैक्टेयर भूमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की राशि भी विक्रेता को अदा कर दी गई है, उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कि जा रही है, किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है, या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ती हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपप्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो ।
इति दिनाकः 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर, मो. 8269266222

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि राजेश राठौर पिता रमेश राठौर जाति तेली निवासी हरसोला महु कृषक शिवगढ जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम शिवगढ तहसील एवं जिला आगर मालवा में सर्वे न. 423 रकबा 0.470, 424 रकबा 1.000, 448/2 रकबा 1.230 हैक्टेयर कुल किता 03 कुल रकबा 2.700 हैक्टयर भुमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की राशि भी विक्रेता को अदा कर दी गई है उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपत्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो।
इति दिनांक : 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर, मो. 8269266222

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि लाखनसिंह पिता लालसिंह जाति भाट निवासी शिवगढ कृषक शिवगढ जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम शिवगढ़ तहसील आगर मालवा जिला आगर मालवा में सर्वे न. 390/1/1/2 रकबा 1.470 हैक्टेयर भूमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की राशि भी विक्रेता को अदा कर दी गई है उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपप्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो ।
इति दिनाकः- 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर, मो. 8269266222

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि जयभानसिंह पिता लालसिंह जी जाति राजपूत कृषक शिवगढ जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भूमि जो की ग्राम शिवगढ़ तहसील आगर मालवा जिला आगर मालवा में सर्वे न. 417/2 रकबा 2.320 हैक्टेयर भूमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की यशी भी विक्रेता को अदा कर दी गई है उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार दवारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपत्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो ।
इति दिनाकः- 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर, मो. 8269266222

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि लालसिंह पिता भगवानसिंह जाति राजपूत कृषक शिवगढ जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम शिवगढ तहसील आगर मालवा जिला आगर मालवा में सर्वे न. 417/1 रकबा 0.200 हैक्टेयर भुमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की राशी भी विक्रेता को अदा कर दी गई है उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपत्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो ।
इति दिनाक 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर, मो. 8269266222

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि दुलेसिंह पिता भगवानसिंह जाति राजपूत कृषक शिवगढ जिला आगर मालवा म.प्र. की मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम शिवगढ तहसील आगर मालवा जिला आगर मालवा में सर्वे न. 417/3 रकबा 0.050 हैक्टेयर भूमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।
मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सोदा कर बयाना की राशि भी विक्रेता को अदा कर दी गई है उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व हित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मय आपत्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो ।
इति दिनाक 11/12/2025

केशव शास्त्री अधिवक्ता सुसनेर डाक बंगला रोड सुसनेर, मो. 8269266222

खास न्यूज

केन्द्रीय जेल में बंदियों को वितरीत किये नि:शुल्क चश्में

उज्जैन। केन्द्रीय जेल में बंद बंदियों को जांच और परिक्षण में चिकित्सक परामर्श के बाद गुरूवार को नि:शुल्क चश्में वितरीत किये गये। जेल अधीक्षक मनोज कुमार साहू ने बताया कि 14 पुरूष बंदी और 1 महिला बंदिनी को सर्वधर्म कौमी एकता समिति की ओर से चश्मों का वितरण किया गया है। वहीं सहायक जेल अधीक्षक सुरेश गोयल ने बताया कि समिति अध्यक्ष फहीम सिकंदर ने जेल में बंदियों के लिये चलाई जा रही सुधारत्मक गतिविधियों की सराहना करते हुए जेल अधीक्षक का साफा बांध स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान करते हुए कहा कि भविष्य में जरूरतमंद बंदियों को आगे भी नि:शुल्क चश्में प्रदान किये जाते रहेगें। इस दौरान उप अधीक्षक (प्रशासन) जसमनसिंह डावर, सहायक अधीक्षक प्रवीण कुमार सहित जेल स्टॉफ और बंदी उपस्थित रहे।

जहरीला पदार्थ खाने वाली महिला और नाबालिग की मौत

उज्जैन। कोयला फाटक झुग्गी झोपड़ी में रहने वाली कोमल पति मुकेश 32 साल और राघवी क्षेत्र के ग्राम आक्या में रहने वाली सोनकुंवर पिता गोकुल 17 साल ने बुधवार को जहरीला पदार्थ खा लिया था। दोनों को परिजनों ने चरक अस्पताल में उपचार के लिये भर्ती किया था। जहां उपचार के दौरान दोनों की गुरूवार तड़के मौत हो गई। सोनकुंवर का पोस्टमार्टम अस्पताल पुलिस चौकी द्वारा कराया गया। नाबालिग सोनकुंवर ने कक्षा 9 वीं की छात्रा थी, उसने जहरीला पदार्थ क्यों खाया इसकी वजह सामने नहीं आई है। वहीं कोमल पति मुकेश का पोस्टमार्टम चिमनगंज थाना पुलिस ने कराया। कोमल ने पति से विवाद होने के बाद जहरीला पदार्थ खाया था। पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर आगे की विवेचना शुरू करेगी।

पैदल लौट रहे कृषक को अज्ञात वाहन ने कुचला

उज्जैन। माकडोन के ग्राम चूनाखेड़ी में रहने वाला कृषक शंकर पिता दुला नरवरिया 65 साल बुधवार को 4 किलोमीटर दूर ग्रम लालाखेड़ी खाद लेने गया था, जहां खाद नहीं मिलने पर पैदल वापस लौट रहा था, तभी रास्ते में अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन पुत्र संतोष मौके पर पहुंचा और घायल पिता को घर लाया, हालत गंभीर होने पर उन्हे उज्जैन अस्पताल लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में मौत हो गई। चरक अस्पताल में डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि कर शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। अस्पताल चौकी पुलिस मर्ग डायरी जांच के लिये माकडोन थाना पुलिस को भेजेगी।

ट्रेक्टर चालक के खिलाफ दर्ज किया प्रकरण

उज्जैन। भैरवगढ़ थाना क्षेत्र के उन्हेल रोड़ पर नवम्बर माह में हुई कार क्रमांक एमपी 41 बीसी 0530 में सवार 4 लोग सड़क दुर्घटना का शिकार हो गये थे। जिसमें गीताबाई पति जस्सू उर्फ जस्सा बंजारा 55 साल निवासी ग्राम खोकरी उन्हेल की मौत हो गई थी। डूंगरसिंह पिता भग्गा कछावा 34 साल और प्रकाश पिता घासी गौड और भग्गा पिता नाथा बंजारा घायल हुए थे। पुलिस ने मामले में दुर्घटना के साथ मर्ग कायम कर जांच में लिया था। जिसमें सामने आया कि कार को तेजगति से दौड़ते ट्रेक्टर ने रांग साइड आकर टक्कर मारी थी। एएसआई जितेन्द्र गौसर ने बताया कि जांच के बाद बुधवार रात ट्रेक्टर चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर टक्कर मारने का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। ट्रेक्टर की पहचान हो चुकी है, चालक को जल्द गिरफ्तार कर मामला कोर्ट में प्रस्तुत किया जायेगा।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं रिया पति कमलकिशोर प्रधनानी विवाह पूर्व मेरा नाम कविता वरंदानी पिता लेखराज वरंदानी था। विवाह उपरांत मेरा नाम रिया पति कमलकिशोर प्रधनानी हो गया है। अब मुझे रिया पति कमलकिशोर प्रधनानी के नाम से जाना और पहचाना जाएं।

रिया पति कमलकिशोर प्रधनानी

दिन		270-9	137-1
मेन बाजार		269-7	-
कल्याण नाइट		579-1	-
मिलन डे		168-5	270-9
मिलन नाइट		256-3	399-1
मधुर डे		679-2	569-0
मधुर नाइट		279-8	667-9
शुभांक	3	5	8

8 माह से थी तलाश, 10 हजार का था इनाम

गिरफ्त में गिरवी कारों सौदा कर 9.30 लाख ठगने वाला

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

गिरवी कारों का फर्जी एनओसी के माध्यम से सौदाकर 9.30 लाख की ठगी करने वाले फरार इनामी आरोपी को 8 माह बाद गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने 2 युवकों से ठगी के रूपये नगद और ऑनलाइन प्राप्त किये थे और झांसा देकर कारें भी वापस ले गया था।

महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि 17 अप्रैल को बेगमबाग कालोनी में रहने वाले रिजवान पिता इलियास खान ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके और साथी शाकीब खान के साथ भोपाल के इब्राहिमगंज में रहने वाले शाहरूख पिता शाहिद खान ने 9.30 लाख की ठगी कर धोखाधड़ी की है। आरोपी शाहरूख ने होड़ा सिटी कार क्रमांक एमएच 43 एआर 1511 और बलेनो कार क्रमांक टीएस 08 जे एम 6510 कारों को सौदा फर्जी अनुबंध के आधार पर किया था और एनओसी की फोटो कॉपी देकर मूल एनओसी बाद में देने की बात कहीं थी, बाद में पता चला था कि उक्त कारें गिरवी रखी हुई है और फायनेंस शेष है। मामले में धोखाधड़ी की धारा 420 का

प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई थी, लेकिन वह लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 10 हजार के इनाम की उद्घोषणा की गई थी। बुधवार रात ख्बार मिली कि धोखाधड़ी का फरार इनामी आरोपी शाहरूख खान उज्जैन विराटनगर आया हुआ है। जिसकी गिरफ्तारी के लिये तत्काल एसआई नेहा जादौन, प्रधान आरक्षक मनीष यादव और सुनील पाटीदार को रवाना किया गया। कुछ देर की तलाश के बाद शाहरूख को हिरासत में ले लिया गया। जिसे थाने लाकर विधिवत गिरफ्तारी की गई। गुरूवार को कोर्ट पेश किया गया था, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

एनओसी चैक करने पर सामने आया फायनेंस

थाना प्रभारी बादल ने बताया कि धोखाधड़ी के आरोपी ने रिजवान से होड़ा सिटी कार का सौदा 3.50 लाख में 5 अक्टूबर 2023 को किया गया था। वहीं शाकीब खान से बलेनो का सौदा 4.25 लाख में 24 अगस्त 2023 को किया था। शाकीब से आरोपी ने नाम ट्रांसफर के लिये 1 लाख अलग लिये थे। उन्हे मूल एनओसी 8 दिन में देने की बात कहीं थी और सौदे के समय एनओसी की प्रतिलिपी दी गई थी। 8 दिन बाद एनओसी नहीं मिलने पर प्रतिलिपी से रिजवान ने स्थिति चैक की तो पता चला कि होड़ा सिटी कार पर 6 लाख का फायनेंस है। वहीं शाकीब द्वारा ली गई बलेनो कार भोपाल स्थित भारत टाकिज के पीछे रहने वाले पूर्व पार्षद रफीक को गिरवी रख उससे भी रूपये प्राप्त किये गये है।

रूपये देने का झांसा देकर वापस ली कार

रिजवान ने शिकायत के दौरान बताया था कि आरोपी शाहरूख कार डिलिंग का काम करता है। वह उज्जैन चितेरा बाखल में रहने वाले साथी अमजद पिता आजम खान के साथ कार का सौदा करने बेगमबाग आया था। जब एनओसी चैक करने पर कार गिरवी रखी होने और फायनेंस शेष होने का पता चला तो उससे संपर्क किया। वह कार लेने उज्जैन आया और सौदे के रूपये वापस लौटाने की बात कहीं, लेकिन महिनों गुजर जाने के बाद भी उसने रूपये नहीं लौटाये, ना ही कार वापस की।

2019 से इंदौर में छुपा था पर्स स्नेचिंग का आरोपी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

खाना खाने के बाद रात्रि में टहलने निकली महिला के हाथ से पर्स झपटकर भागा बदमाश 6 सालों से इंदौर में छुपा था, गुरूवार को खबर मिलते ही पुलिस ने दबिश देकर उसे हिरासत में लिया। बदमाश फुटपाथ पर जीवन यापन कर रहा था।

नानाखेड़ा एएसआई देवकरण परमार ने बताया कि 23 जुलाई 2019 को महाकाल वाणिज्य केन्द्र में रहने वाली शोभा शर्मा खाना खाने के बाद देर शाम टहलने निकली थी। नानाखेड़ा चार्जेड बस स्टेंड के पास बाइक सवार 2 बदमाशों ने उनके हाथ से छोटा पर्स झपट लिया था। जिसमें एक मोबाइल रखा था। मामले में पर्स स्नेचिंग का प्रकरण दर्ज कर 4 माह बाद सीसीटीवी कैमरों की मदद से महेश पिता जगदीश चौहान निवासी देलवास रतलाम को गिरफ्तार कर लिया गया था। उसके पास से मोबाइल बरामद कर दूसरे साथी के संबंध में पूछताछ की गई थी। महेश चौहान ने स्नेचिंग में अपने साथी राहुल पिता मंशाराम मानकर निवासी नरवर हाल मुकाम देवासगेट का नाम कबूल किया था। राहुल की तलाश करने पर वह फरार होना सामने आया था। जिसकी गिरफ्तारी पर 5 हजार का इनाम घोषित किया गया था। 6 साल बाद खबर मिली कि आरोपी इंदौर में छिपा हुआ है और फुटपाथ पर जीवन यापन कर रहा है। जिसकी गिफ्तारी के लिये प्रधान आरक्षक दिग्विजयसिंह, आरक्षक मुकेश मालवीय, आरक्षक श्यामबरण, अनिल हाड़ा, और सायबर सेल प्रधान आरक्षक प्रेम सभरवाल के साथ इंदौर पहुंचकर तलाश की। जिसे गुरूवार को गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पर्स में रखा मोबाइल निकालने के बाद पर्स नदी में फेंक दिया था। आरोपी की 6 साल बाद गिरफ्तारी होने पर उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। उसके खिलाफ देवासगेट और कोतवाली में भी लूट, चोरी के प्रकरण दर्ज होना सामने आया है।

कानवन धार से गिरफ्त में आया आरोपी

10 दिन बाद पशु हाट में बेचने पहुंचा था चोरी की मुर्रा भैंस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

दरवाजे का ताला तोड़कर चोरी की गई मुर्रा भैंस 10 दिन बाद आरोपी पशु हाट में बेचने पहुंचा था, खबर मिलते ही पुलिस ने कानवन धार पहुंचकर दबिश दी और आरोपी को हिरासत में ले लिया। उसके पास से भैंस भी बरामद की गई है।

बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि 29-30 नवम्बर की रात ग्राम दोतरडी में रहने वाले रोहित पिता बनेसिंह दायमा की मुर्रा भैंस कीमत 95 हजार अज्ञात बदमाश भैंस बांधने के कोठे का ताला तोड़ चुराकर ले गया था। रोहित दायमा की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। ग्राम दोतरडी में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे गये थे। वहीं मुखबीर तंत्र को सक्रिय कर बदमाश का पता लगाने के लिये एसआई सुरेन्द्रसिंह गरवाल, एएसआई नारायणसिंह वास्कले, प्रधान आरक्षक राहुलसिंह राठौर, आरक्षक महेश मोर्य, नितेश, कैलाश गरवाल, तोलाराम डोडियार की टीम गठित की गई थी। 10 दिन बाद खबर मिली कि भैंस दीपक पिता गोपाल भील 19 साल निवासी सनातला खाचरौद हाल मुकाम ग्राम दोतरडी बड़नगर द्वारा चोरी की गई है और वह धार स्थित कानवन पशु हाट में बेचने पहुंचा है।

सूचना पर टीम को कानवन रवाना किया गया। जहां चोरी की मुर्रा भैंस बेचने की फिराक में घूम रहे आरोपी दीपक भील को पकड़ा गया और भैंस बरामद की गई। आरोपी को बड़नगर लाने के बाद पूछताछ में सामने आया कि वह भैंस पशु हाट में बेचकर अवैध रूप से पैसे कमाना चहाता था। थाना प्रभारी के अनुसार आरोपी का पूर्व में कोई अपराधिक रिकार्ड सामने नहीं आया है। उसे गुरूवार दोपहर कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से जेल भेजा गया है।

फर्जी रसीदे पेश करने वाले अभिभाषक पर 3 मामले ओर दर्ज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

न्यायालय में फर्जी रसीदे पेश कर लाखों का गबन करने वाले अभिभाषक के खिलाफ गुरूवार को बड़नगर थाना पुलिस ने तीन मामले ओर दर्ज कर लिये है। 12 नवम्बर को भी एक मामला दर्ज किया गया था। जिसके बाद से अभिभाषक फरार चल रहा है।

बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि 12 नवम्बर को न्यायाधीश रामविलास गुप्ता की कोर्ट से योगेश ठाकुर ने लिखित आवेदन पेश करते हुए बताया था कि कथित अभिभाषक उज्जवल जोशी द्वारा न्यायालयीन दीवानी मुकदमों में लगने वाले न्यायालय शुल्क की फर्जी रसीदे बनाकर पेश की गई है। न्यायालय द्वारा रसीदों का सत्यापन करने के दौरान पाया गया कि वकील उज्जवल जोशी ने लाखों का गबन किया है। मामले में धारा 318 (4), 338, 336 (3),336 (4), 340 (2), 316 (2) भारतीय न्याय संहिता का प्रकरण दर्ज किया गया था। उस वक्त सामने आया था कि अभिभाषक ने 18 अक्टूबर 2023 से 17 जुलाई 2025 के बीच गबन किया है।

वहीं गुरूवार को बड़नगर न्यायालय की ओर फरार अभिभाषक उज्जवल जोशी के खिलाफ 3 ओर मामले दर्ज कराये गये है। आरोपित के खिलाफ पहले प्रकरण में 5.81 लाख का गबन सामने आया था, तीन मामले ओर दर्ज होने पर गबन की राशि 25 लाख से 20 हजार से अधिक सामने आ चुकी है।

तिरूपति-हिसार साप्ताहिक ट्रेन से पर्स चोरी

उज्जैन। ट्रेनों में यात्रियों का सामान चोरी होने के मामले थम नहीं रहे है। अब तिरूपति-हिसार साप्ताहिक ट्रेन से पर्स चोरी होना सामने आया है। जिसमें सोने का ब्रेसलेट, घडी और अन्य सामान रखा हुआ था। नानाखेड़ा उज्जैन में रहने वाले कैलाश अग्रवाल ने मामले की शिकायत जीआरपी को दर्ज कराई है। कैलाश अग्रवाल परिवार के साथ तिरूपति बालाजी दर्शन करने गये थे, जहां से वापस लौटते समय परिवार की महिला का पर्स चोरी हुआ है। अग्रवाल परिवार ने आशंका जताई है कि पर्स चोरी की वारदात शुजालपुर से ताजपुर के बीच हुई। जब परिवार के सदस्य सोये हुए थे। उज्जैन आने वाली और जाने वाली ट्रेनों में आये दिन यात्रियों का सामान चोरी के मामले सामने आ रहे है। लेकिन बदमाशों का पता नहीं चल पा रहा है।

बहन को लेने आये जीजा को साले ने मारे चाकू

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मायके आई युवती को बुधवार-गुरूवार रात पति लेने पहुंचा था, उसी दौरान युवती के मामा का पुत्र वहां पहुंचा और जीजा पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर घायल जीजा का ससुराल वाले अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस ने हमला करने वाले साले पर प्राणघातक हमले का प्रकरण दर्ज किया है।

छोटी मायापुरी में रहने वाली शिवानी ने कुछ माह पहले धर्मेन्द्र गेहलोत से प्रेम विवाह कर लिया था और पंवासा क्षेत्र में रहने लगी थी। परिवार भी शिवानी के प्रेम विवाह से सहमत हो गया था। बुधवार को शिवानी मायके आ गई थी। जिसे लेने के लिये रात में पति धर्मेन्द्र छोटी मायापुरी आने ससुराल पहुंचा था, उसी दौरान समीप रहने वाला शिवानी के मामा का पुत्र रोहित गोस्वामी (भारती) भी आ गया और जीजा से विवाद करने लगा, उसने जीजा की बाइक तोड़ दी और चाकू निकाल लिया। जीजा धर्मेन्द्र ने खुद का बचाने के लिये दौड़ लगाई और घर की छत पर चढ़ गया, लेकिन रिश्ते में लगने वाला साला पीछे दौड़ा और चाकू घोंप दिये। पेट और जांच पर गहरे घाव लगने पर धर्मेन्द्र लहूलुहान हो गया। रोहित हमला करने के बाद भाग निकला। धर्मेन्द्र को पत्नी शिवानी और परिवार के लोग चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर होना बताई। परिजन उपचार के लिये निजी अस्पताल ले गये। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस घायल के बयान दर्ज करने पहुंची और हमला करने वाले साले रोहित के खिलाफ प्राणघातक हमले का प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। गुरूवार रात तक हमलावर रोहित हिरासत में नहीं आ पाया था। उसकी तलाश में एक टीम अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश देर रही है।

बहन से करता था एकतरफा प्रेम

बताया जा रहा है कि शिवानी के प्रेम विवाह से मामा का पुत्र रोहित नाराज था। वह अपनी ही बुआ की बेटी शिवानी से एकतरफा प्रेम करता था। उसने शिवानी से यह बात कही थी, लेकिन उसने रिश्ते में बहन बताकर मना कर दिया था। उसके बाद से रोहित गुस्से में था, उसने शिवानी के पति को देखा तो जान से मारने की नियत से हमला कर दिया था। चिमनगंज थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया ने बताया कि हमले की वजह कुछ इसी तरह की सामने आ रही है। हमलावर के गिरफ्त में आने पर पूछताछ की जायेगी और घायल की पत्नी के बयान दर्ज किये जायेगें।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी प्रवीण सिंह पिता श्री भेरू सिंह निवासी ग्राम कल्याणपुरा तहसील व जिला उज्जैन से उनके एकमेव स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नम्बर-193/1 रकबा 0-800 हेक्टयर में से उत्तर दिशा की भूमि रकबा 0-200 हेक्टयर भूमि स्थित ग्राम कल्याणपुरा तहसील व जिला उज्जैन के पटवारी हल्का नम्बर-89 में स्थित होकर फ्रीहोल्ड राईट्स की भूमि है, जिसे मेरे पक्षकार ने कय करने का सौदा कर दिया है अब केवल विक्रय-पत्र का पंजीयन करवाया जाना शेष है। उक्त कृषि भूमि में कोई व्यक्ति अथवा संस्था अपना हित व हिस्सा रखता हो या उक्त कृषि भूमि पर किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक, अथवा सरकारी, साहूकारी या किसी विभाग या वित्तीय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण, भार, प्रभार या साहूकारी ऋण, भार हो तो ऐसे संबंधित विभाग/व्यक्ति इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 (सात) दिवस की अवधि में मय प्रमाण सहित लिखित में आपत्ति मेरे समक्ष प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके, अन्यथा सूचना प्रकाशन की अवधी व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत विक्रय पत्र का निष्पादन करवा लिया जावेगा व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
इति दिनांक-11.12.2025

राजेन्द्र (जैन पोरवाड एडवोकेट
कार्या. बी-9, भरतपुरी काम्पलेक्स, आरटीओ के पीछे,
उज्जैन Mob.: 99930 79516-94250 94349

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूमि स्वामी श्री शिवनारायण प्रजापत पिता श्री रामचन्द्रजी प्रजापत, निवासी-78 माली मोहल्ल्ला, ग्राम गंगेडी तहसील व जिला उज्जैन (म. प्र.) के मालिकी स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य में कृषि भूमि सर्वे नंबर-22 (S) रकबा 0.8200 हेक्टर एवं 23 (S) रकबा 1. 2500 हेक्टर कुल किता 02 कुल रकबा 2.0700 हेक्टर ग्राम गंगेडी, प. ह. नं.-24 तहसील उज्जैन जिला उज्जैन (म. प्र.) में स्थित है। उक्त कृषि भूमि सर्वे नंबर-22 (S) रकबा 0.8200 हेक्टर मेसे पश्चिम दिशा की रकबा 0.1000 हेक्टर एवं 23 (S) रकबा 1.2500 हेक्टर मेसे पश्चिम दिशा की रकबा 0.2000 हेक्टर कुल किता 02 कुल रकबा 2.0700 हेक्टर मेसे पश्चिम दिशा की रकबा 0.3000 हेक्टर (1.50 बीघा) ग्राम गंगेडी, प. ह. नं.-24 तहसील उज्जैन जिला उज्जैन (म. प्र.) को क्रय करने का सौदा मेरे पक्षकार ने उपरोक्त भूमि स्वामी से कर आंशिक राशि अदा कर दी है, शेष राशि का भुगतान कर, केवल विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना बाकी है। उपरोक्त भूमि पर अन्य किसी व्यक्ति, संस्था, वित्तीय निकाय, बैंक, पेढ़ी, समूह, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था आदि से किसी भी प्रकार का कोई ऋण आदि लिया हो अथवा उक्त भूमि पर अन्य किसी का कोई स्वत्व, हित, आधिकार, सुखाधिकार अथवा भार, बोझ, दान, विक्रय, बक्षीस, सौदा चिट्ठी, अनुबंध, कब्जा, पारिवारिक विवाद आदि हो अथवा इस विक्रय व्यवहार से किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 07 (सात) दिन में अपनी आपत्ति मय निखित प्रमाण के मेरे कार्यालय में आकर प्रस्तुत करे, ताकि उसका निराकरण किया जा सके, अन्यथा मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त भूमि के विक्रय पत्र का ई पंजीयन उपरोक्त भूमि स्वामी से करा लेंगे व समय अवधि गुजर जाने के पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
सूचित हों। इति दिनांक-11.12.2025

राजकुमार प्रजापत एडवोकेट कार्यालय-A-1 भरतपुरी काम्पलेक्स, देवास रोड उज्जैन (म.प्र.)
मो. नं. -94259-46659

कार्यालय उज्जैन नगर पालिका निगर, उज्जैन

छत्रपति शिवाजी भवन आगर रोड उज्जैन

(Online) निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञप्ति क्रं./ 596 — उज्जैन, दिनांक 8/12/25

निम्नांकित कार्य के लिए प्रपत्र अ (फार्म ए) में प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग म.प्र. शासन भोपाल के कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से उक्त विभाग में पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है, तथा ठेकेदार की (श्रेणी सी) एम.पी.गर्वमेंट व सिरियल क्रं. 1 का टेण्डर फार्म मूल्य 15000/- रहेगा।

सिरियल क्रं 1 ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम दिनांक 05.01.2026 समय 18:00, ऑनलाईन ई.एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 05.01.2026 समय 18:00 रहेगी। निविदा की तकनीकी विड दिनांक 07.01.2026 को खोली जायेगी।

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकाी वेबसाइड www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। यदि उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑन लाईन दी जावेगी। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जावेगी।

क्रं.	टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र. भोपाल	अर्नेस्टमनी	समय अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	2025_UAD_466380_1	जे.एन.एन.यू.आर.एम. के अपूर्ण 120 आवासीय ईकाईयों का शेष कार्य मय अधोसंरचना विकास	2,73,08,510/-	02-08-2021 UADD ISSR SOR AND ROAD SOR 08.11.2025	1,36,543/-	120 दिन

कार्यपालन यंत्री
प्रधानमंत्री आवास योजना
नगर पालिक निगम उज्जैन

खुद को कहां जान पाए

अपने आपको जानने की कोई पद्धति नहीं है। किसी पद्धति को खोजने का एक ही अर्थ होगा कि हम किसी परिणाम को हासिल करना चाहते हैं; और वही तो हम सभी को चाहिए। हम किसी सत्ता–प्रामाण्य का अनुसरण करते हैं। यदि यह किसी व्यक्ति का नहीं है, तो किसी पद्धति या विचारधारा का हो सकता है, क्योंकि हम कोई ऐसा परिणाम चाहते हैं, जो संतोषजनक हो और हमें सुरक्षा दे सके। हम वास्तव में अपने को, अपने आवेगों और अपनी प्रतिक्रिया को, अपने सोचने की समस्त प्रक्रियाओं को, चाहे वे चेतन हों अथवा अचेतन, समझना नहीं चाहते, बल्कि हम उस प्रणाली का अनुसरण करना पसंद करते हैं, जो हमें किसी परिणाम का आश्वासन दे सके। किसी विधि का अनुसरण निश्चित तौर पर सुरक्षा पाने की हमारी अभिलाषा का परिणाम है और स्पष्ट है कि कोई भी परिणाम स्वयं की समझ नहीं है। जब हम किसी पद्धति का अनुसरण करते हैं, तो हमें व्यक्ति, आचार्य, गुरु, उद्धारक, महात्मा की आवश्यकता पड़ती है।... सत्ता या प्रमाण हमें स्वयं को समझने से रोकते हैं। क्या ऐसा नहीं है? किसी मार्गदर्शक की शरण में जाने से आपको अस्थायी रूप से सुरक्षा का, अपने कल्याण का बोध हो सकता है, लेकिन यह स्वयं की समूची प्रक्रिया को समझना नहीं है। प्रमाण या प्रामाण्य का स्वरूप ही ऐसा है कि वह आपको अपने प्रति पूर्णतया सचेत नहीं होने देता और इस प्रकार अंततः स्वतंत्रता छीन लेता है और सर्जनशीलता तो केवल स्वतंत्रता में ही संभव है। सर्जनशीलता केवल स्वबोध से आ सकती है।

हममें से अधिकांश लोग सर्जनशील नहीं हैं। हम दोहराने वाली मशीनें हैं। हम केवल ग्रामोफोन के रेकॉर्ड हैं, जो बार–बार अपने या दूसरों के किन्हीं अनुभवों, निष्कर्षों या स्मृतियों के गीत गाते हैं। दोहराना सर्जनशील होना नहीं है, पर हम दोहराते रहना चाहते हैं। चूंकि हम भीतर से सुरक्षित होना चाहते हैं, हम निरंतर इस सुरक्षा के लिए पद्धतियों व विधियों की खोज में लगे रहते हैं और इस प्रकार हम किसी सत्ता या प्रमाण को स्थापित कर लेते हैं, किसी दूसरे की पूजा करने लगते हैं। इससे समझ और सूझ–बूझ, मन की वह सहज शांति नष्ट हो जाती है, जो सर्जनशील अवस्था के लिए अपरिहार्य है।

हमारी कठिनाई यही है कि हमने सर्जनशीलता के इस बोध को खो दिया है। सर्जनशील होने का यह अर्थ नहीं है कि हम चित्रकारी करें, कविताएं लिखें और प्रसिद्ध हो जाएं। अभिव्यक्ति की क्षमता और सर्जनशीलता दो अलग बातें हैं। सर्जनशीलता ऐसी अवस्था है, जिसमें स्व मौजूद नहीं रहता, जिसमें मन हमारे अनुभवों, हमारी महत्वाकांक्षाओं और हमारी इच्छाओं का केंद्र नहीं बना रहता। यही वह अवस्था है, जिसमें वह यथार्थ संभव होता है, जो सभी वस्तुओं का सर्जक है।

सम्पादकीय

दीपावली एक धरोहर

प्रकाश के महोत्सव दीपावली का यूनेस्को की सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होना सुखद और ऐतिहासिक है। इस कामयाबी की चर्चा से पहले यह जान लेना जरूरी है कि सांस्कृतिक विरासत के मामले में भारत अभी काफी पीछे है। भारत दुनिया के प्राचीनतम देशों में शामिल है, यहां कदम–कदम पर सांस्कृतिक विविधता और वैभवशाली इमारतें हैं, लेकिन अभी तक यहां के 16 स्थानों या सांस्कृतिक आयोजनों को ही विरासत की सूची में शामिल किया गया है। गौर करने की बात है कि भारत की तुलना में काफी छोटा देश इटली इस मोर्चे पर सबसे आगे है, वहां की सबसे ज्यादा 61 सांस्कृतिक धरोहर यूनेस्को के तहत दर्ज हैं। बस एक कम अंक के साथ चीन दूसरे स्थान पर है। ऐसे में, भारत के लिए यह अपने आप में सोचने की बात है और दुनिया के लिए भी कि भारत की अनूठी धरोहरों को आखिर कब वैश्विक मान्यता मिलेगी? अफसोस, इस सूची में शामिल होने को लेकर भारत में पर्याप्त सक्रियता की कमी रही है।

पहला सवाल तो लोगों के मन में यही आएगा कि दीपावली के वैश्विक धरोहर घोषित होने से क्या हो जाएगा? अब तक अजंता एलोरा, ताजमहल, चारमीनार इत्यादि, 15 तरह की धरोहरों के वैश्विक घोषित होने से भारत को क्या फायदा हुआ है? दरअसल, धरोहर घोषित होने से देश का वैश्विक आकर्षण बढ़ता है। पर्यटक या लोग यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त विशेष जगहों पर ही जाना पसंद करते हैं। मिसाल के लिए, अगर हम पर्यटकों की संख्या को देखें, तो कम या ज्यादा धरोहर होने का नफा–नुकसान पता चल जाता है। एक अनुमान के मुताबिक, भारत में साल 2024 में जहां एक करोड़ विदेशी पर्यटक भी नहीं आए थे, वहीं इटली में लगभग सात करोड़ विदेशी पर्यटक पहुंचे। यहां आप एक करोड़ पर्यटकों और सात करोड़ पर्यटकों से होने वाली कमाई को देखेंगे, तो अंदाजा लगेगा कि वैश्विक धरोहरों का क्या मतलब है? ऐसे में, उन सभी लोगों और भारतीय संस्कृति मंत्रालय का आभार जताना चाहिए, जो अन्य स्थानों व अवसरों को धरोहर घोषित कराने के अभियान में लगे हुए हैं। बहरहाल, अब यह इतिहास में दर्ज हो गया है कि नई दिल्ली के लाल किले में आयोजित यूनेस्को अंतर–सरकारी समिति के 20वें सत्र में 194 देशों के प्रतिनिधियों, अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और यूनेस्को के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दीपावली की घोषणा हुई है। इससे सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि जब भारत में दीपावली मनाई जाएगी, तब उसका आनंद लेने के लिए आने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या में इजाफा होगा।

आज हनुमान अष्टमी पर विशेष

पराक्रम,भक्ति और राष्ट्रः चेतना का समन्वित पर्व

भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएँ केवल आस्था का आधार नहीं, बल्कि गहन मानवीय मूल्यों का भंडार भी हैं। यही कारण है कि वर्ष भर मनाए जाने वाले प्रत्येक पर्व के पीछे कोई न कोई ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक आधार अवश्य मिलता है। ऐसे ही पर्वों में से एक है हनुमान अष्टमी, जो पौष कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाई जाती है। यह पर्व पवनपुत्र हनुमान के अदम्य साहस, समर्पण और दिव्यता का उत्सव है। परंतु इसका महत्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं; यह पर्व मनुष्य के चरित्र, कर्तव्य और आत्मबल की याद दिलाने वाला गहन संदेश भी समेटे हुए है।

अमित राव पवार
(दैनिक अवन्तिका)

अहिरावण-वध : विपत्ति में धैर्य और दृढ़ता की गाथा

त्रेत्रा युग में लंका युद्ध के दौरान घटी एक अद्भुत घटना हनुमान अष्टमी के महत्व को और गहराई देती है। अहिरावण नामक मायावी राक्षस ने अपनी शक्तियों के बल पर श्रीराम और लक्ष्मण का अपहरण कर उन्हें पाताल लोक में बंदी बना लिया। उसकी इच्छा थी कि दोनों की बलि देकर वह अजेय शक्ति का मालिक बन जाए। वानर सेना और विभीषण सहित पूरी सेना उस समय असमंजस में थी। संकट गहरा था और आशंका प्रबल। इन्हीं कठिन क्षणों में पवनपुत्र हनुमान ने वो साहस दिखाया,जिसकी मिसाल आज भी दी जाती है। वे पाताल लोक तक पहुँचे–एक ऐसा स्थल जहाँ पहुँचना देवताओं के लिए भी कठिन बताया गया है। वहाँ उन्होंने अहिरावण का सामना किया और अपनी बुद्धि,पराक्रम तथा रामभक्ति के बल पर उसका वध किया। इसके पश्चात उन्होंने श्रीराम और लक्ष्मण को मुक्त कराया। यह घटना केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि यह सिद्ध करती है कि निष्ठा और संकल्प जब धर्म और कर्तव्य से जुड़ते हैं, तो असंभव भी संभव हो जाता है। इसी विजय के उपरांत श्रीराम ने अवंतिका (उज्जैन) में हनुमानजी को विश्राम करते देखा और अत्यंत प्रसन्न होकर वरदान दिया कि पौष कृष्ण अष्टमी के दिन जो भी भक्त हनुमान का पूजन करेगा, वह सभी प्रकार के दुखों से मुक्त होगा। यही कारण है कि यह दिवस हनुमान विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

श्रीराम का आदर्श नेतृत्व : विनम्रता की ऊँचाई

लंका विजय के पश्चात अयोध्या की धरती आनंद और उत्सव से सराबोर थी। पूरे नगर में दीप प्रज्वलित थे, नृत्यझगान और उत्सव का माहौल था। ऐसे समय में श्रीराम ने जो कहा, वह नेतृत्व और चरित्रझमूल्य का अनूठा उदाहरण है– ह्लयह विजय मेरी नहीं, हनुमान की है ह्ल एक राजा, एक नेता, और एक अवतार होने के बावजूद उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय उस व्यक्ति को दिया, जिसने युद्ध के सबसे संकटपूर्ण चरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस कथन में केवल विनम्रता नहीं, बल्कि यह संदेश छिपा है कि सफलता सामूहिक प्रयासों से मिलती है और उसका श्रेय बाँटना ही श्रेष्ठ नेतृत्व का गुण है। यह दृष्टिकोण आधुनिक समाज में भी उतना ही प्रासंगिक है। आज जब व्यक्तिगत अहंकार और प्रतिस्पर्धा ने मानवीय संबंधों को प्रभावित किया है, तब राम का यह आदर्श व्यवहार हमें बताता है कि सहयोग, सम्मान और कृतज्ञता जीवन में कितना महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

शिव-तपस्या और हनुमन्तेश्वर की उपाधि

हनुमान अष्टमी का संबंध एक और पौराणिक प्रसंग से भी है, जो उनके आध्यात्मिक स्वरूप को उजागर करता है। हरि के अंश होते हुए भी हनुमानजी ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कठोर तप किया। भक्ति के इस अद्भुत संतुलन–हरि के अंश से शिव की साधना–ने उन्हें भक्तिझमार्ग का अद्वितीय प्रतीक बना दिया। तपस्या से प्रसन्न होकर शिव ने हनुमानजी को आशीर्वाद दिया कि अष्टमी के दिन हनुमान भक्तों को उनके ही दर्शन का पुण्यफल प्राप्त होगा और जो भक्त सिंदूर और श्रृंगार से हनुमान का पूजन करेगा, उसकी मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी। इस प्रकार हनुमान अष्टमी भक्तों के लिए शिवझकृपा का भी एक माध्यम बनती है।

आयोजन, परंपरा और समाज की सामूहिक आस्था

हनुमान अष्टमी के अवसर पर देशभर में मंदिरों में विशेष पूजाझअर्चना, सुंदरकांड पाठ, हवन और भक्तिझसंगीत के आयोजन होते हैं। कई स्थानों पर हनुमान दर्शन यात्राएँ निकाली जाती हैं, जिनमें भक्त भक्तिझगीतों के साथ नगरझपरिक्रमा करते हैं। ये आयोजन केवल धार्मिक क्रियाएँ नहीं हैं, बल्कि समाज के भीतर उत्साह, सकारात्मक ऊर्जा और सामुदायिक एकता पैदा करने वाले सांस्कृतिक महोत्सव भी हैं। आज जब समाज विभिन्न चुनौतियों–तनाव, विभाजन, प्रतिस्पर्धा और मानसिक दबाव–से गुजर रहा है, तब ऐसे उत्सव मनुष्यों को जोड़ते हैं, उनके भीतर आशा और आत्मविश्वास का संचार करते हैं और सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान जगाते हैं। आज के समय में हनुमान अष्टमी का संदेश

समकालीन परिवेश में हनुमान अष्टमी के संदेश और अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यह पर्व हमें यह बताता है कि– संकट से भागकर नहीं, उसका सामना करके ही मुक्ति मिलती है। कर्तव्य के प्रति निष्ठा जीवन को ऊँचाइयाँ देती है। समर्पण और विनम्रता मनुष्य को साधारण से असाधारण बना देती हैं। साहस तब सर्वोच्च होता है, जब वह दूसरों के हित में उपयोग किया जाए। हनुमानजी का चरित्र हमें ऊर्जा देता है, आत्मबल जगाता है और यह प्रेरणा देता है कि जीवन की चुनौतियाँ कितनी ही कठिन क्यों न हों, दृढ़ता और विश्वास के साथ उनका सामना किया जा सकता है। हनुमान अष्टमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के मूल तत्व–भक्ति, शक्ति, सेवा और समर्पण–का समन्वित उत्सव है। पाताल विजय से लेकर शिव की कृपा प्राप्त करने तक हनुमानजी का जीवन हमें यह विश्वास दिलाता है कि कर्म के मार्ग पर चलकर, सत्य और धर्म के साथ बने रहकर ही सच्ची विजय प्राप्त होती है। इसलिए हनुमान अष्टमी का यह पावन दिवस प्रत्येक व्यक्ति को आत्मचिंतन,आत्मबल और नैतिक दृढ़ता का संदेश देता है–ऐसा संदेश जो युगोंझयुगों से मानवता को प्रकाश देता आया है और आगे भी देता रहेगा।

महाभारतः नीति का दर्पण, जीवन का पथ

विश्व का विशालतम महाकाव्य महाभारत अपने मूल में जीवन जीने की कला सिखाने वाला महाग्रंथ है। यह केवल युद्ध की कथा नहीं, बल्कि मानव-जीवन का दर्पण है, जो हमें यह देखने की दृष्टि देता है कि हम किस नीति पर चल रहे हैं और उसका परिणाम क्या होने वाला है। महाभारत का प्रत्येक प्रसंग हमारे कर्मों के बीज और उनके अनिवार्य फलों का संकेत है।

इस ग्रंथ में धर्म और अधर्म–दोनों पक्ष उपस्थित हैं। इसलिए दोनों प्रकार की नीतियाँ भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। एक ओर विदुर, भीष्म और श्रीकृष्ण जैसे महाजनों की उत्तम नीतियाँ हैं, तो दूसरी ओर कर्णिक नीति, शकुनि नीति और दुर्योधन की कुटिल वृत्तियाँ। इसीलिए महाभारत एक ऐसा दर्पण बन जाता है, जिसमें व्यक्ति स्वयं को देख सकता है कि वह किस मार्ग पर चल रहा है–सन्मार्ग या कुमार्ग।

जीवन में प्रत्येक कर्म के लिए ऐसी नीति आवश्यक है, जो मनोवांछित परिणाम दे सके। यदि नीति सत्य, विनय, धैर्य और सहयोग के मार्ग पर ले जाने वाली हो तो परिणाम सुखद और आशाजनक होता है। परंतु यदि नीति छल-कपट, लोभ-मोह और प्रतिशोध से प्रेरित हो, तो परिणाम अनिष्टकारी ही होते हैं। महाभारत के अनेक प्रसंग हमें उन्नत नीतियों का आग्रह करते हैं और चेतावनी देते हैं कि कुदृष्टि व कुनीति मनुष्य को पतन के मार्ग पर ले जाती है।

महाभारत के अठारह पर्वों में आदि से लेकर स्वर्गारोहण तक प्रत्येक पृष्ठ पर नीतिपरक जीवन-सूत्र भरे पड़े हैं। परंतु कुछ प्रसंग विशेष रूप से समग्र नीति का अद्भुत वर्णन करते हैं–जैसे आदि पर्व का कणिक नीति-वर्णन, उद्योग पर्व की विदुर नीति, शांति नीति में श्रीकृष्ण का उपदेश, तथा शांतिपर्व और अनुशासन पर्व में भीष्म के अमूल्य जीवन-संदेश। विदुर नीति–प्रजागर का प्रकाश

उद्योग पर्व के उप-पर्व प्रजागर पर्व के आठ अध्याय प्रसिद्ध विदुर नीति से भरे हैं। कथा के अनुसार, जब पांडव अपना वनवास और अज्ञातवास पूर्ण कर चुके और इंद्रप्रस्थ वापसी का अधिकार मांग रहे थे, तब दुर्योधन ने राज्य लौटाने से इंकार कर दिया। धृतराष्ट्र भी मन ही मन कर्तव्य-विमुखता की निद्रा में डूबे थे। यहीं विदुर ने धृतराष्ट्र को लोभ और मोह की अंधकारमय नींद से जगाने का प्रयास किया–इसीलिए इस पर्व का नाम प्रजागर है, अर्थात सही मार्ग पर जगा देना।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 12 दिसंबर 2025 शुक्रवार
सूर्योदय - 07:02 सूर्यास्त 17:40
पौष मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 10:30 से 12:00 तक
तिथि - अष्टमी 14:57 उपरांत नवमी
नक्षत्र - उत्तराफाल्गुनी 05:50 उपरांत हस्त
योग - प्रीति 11:12 उपरांत आयुष्मान
करण - कौलव
चन्द्रमा - सिंह में है। 10:20 पर कन्या में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास - जमादि उस्मानी मास 20 तारिख

मेष- निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ- रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन- पुराना रोग उभर सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। विवाद न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी।

कर्क- कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे।

सिंह- धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कन्या- सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शत्रु परास्त होंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला- कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक- सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा।

धनु- अज्ञात भय रहेगा। शत्रु परास्त होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

मकर- आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दुःखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ- किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। कार्य में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मीन- आय में निश्चितता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। चोट व रोग से बचें।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा
(भरदीवाले) 9926034545

समसामयिक

भारत, रुस और RELOS

रूस ने प्रेसिडेंट पुतिन के भारत दौरे से पहले, भारत के साथ अहम डिफेंस पैक्ट RELOS को मंजूरी दे दी है। फ्रछडर एक लॉजिस्टिक पैक्ट कम डिफेंस पैक्ट है, जिसे रशियन ड्यूमा ने लागू किया है और इसने भारत और रूस के सहयोग के एक नए दौर की शुरूआत की है। RELOS दो देशों की मिलिट्री के बीच एक दोस्ताना डील है, जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे की बेसिक जरूरतों में मदद करते हैं। आर्मी, नेवी और एयरफोर्स एक-दूसरे के मिलिट्री बेस का इस्तेमाल कर सकते हैं और उन्हें फ्यूल, खाना, रिपेयर सर्विस, स्पेयर पार्ट्स, एयरफील्ड, सी-पोर्ट में मदद करते है और इन चीजों के लिए कहीं और देखने की जरूरत नहीं है। यह एक-दूसरे के देशों के बेस का इस्तेमाल रिफ्यूल, आराम, रिपेयर या रीलोड के लिए सहायक है। इस एग्रीमेंट की अहमियत बहुत ज्यादा है क्योंकि इससे दोनों पक्षों का पैसा बचता है और उन्हें आस-पास बेस ढूंढने की जरूरत नहीं होती, इससे क्राइसिस या आपदा के समय तेजी से जवाब देने में मदद मिलती है। यह न सिर्फ जरूरी चीजों पर ध्यान देता है, बल्कि रूस के साथ भारत की लंबी पार्टनरशिप को और मजबूत करेगा, साथ ही दोनों के बीच भरोसा भी गहरा करेगा। चीन फैक्टर के हर जगह बहुत बड़ा असर डालने के साथ, भारत को अपने पुराने और भरोसेमंद दोस्त की वापस जरूरत है। दूसरा, इससे दोनों देशों की मौजूदगी दूर-दूर के इलाकों में भी फैल रही है, भारत सेंट्रल एशिया और यूरेशिया में, जबकि रूस इंडियन ओशन में।

तूलिका परमार
दैनिक अवन्तिका

संक्षेप में, RELOS, रूस के साथ सोफ्ट पावर को बढ़ाने में मदद करता है. सैन्य रूप से एक दूसरे की सुविधाओं, सस्ते संचालन और आपदाओं में तेजी से आंदोलनों को साझा करने में मदद करता है। यहां दोनों देशों के बीच लॉजिस्टिक संधि पर पहले ही 18 फरवरी 2025 को हस्ताक्षर किए जा चुके हैं. लेकिन 2 दिसंबर को वह एतिहासिक दिन था. जब रूसी संसद ड्यूमा ने समझौते को प्रभाव दिया। भारत के लिए, रूस को हिंद महासागर में लाना, एक मजबूत रणनीतिक महत्व देता है। हिंद महासागर 21 वीं सदी का सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र है। रूस, अगर विश्व शक्ति बनना चाहता है तो कभी भी खुद को हिंद महासागर से दूर नहीं रख सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका की उपस्थिति लंबे समय से देखी जा सकती है- मध्य पूर्व में डिएगो गार्सिया से बहरीन तक, अफ्रीका के हॉर्न में जिबूती तक। रूस के पास ऐसा कोई मौजूदा आधार नहीं है और केवल विश्वसनीय प्रवेश द्वार भारत है। रूस का नया नोरदन सी रुट. पूर्व को कवर कर सकता है लेकिन पश्चिम को चोक पॉइंट्स से भरा जाएगा- तुर्की का बोस्फोरस, नाटो और अमेरिका का प्रभुत्व वाला पानी और स्वेज।

इसलिए रूस का एकमात्र प्रयास और विश्वसनीय गेटवे भारत के साथ है जबकि भारत रूस को अपने बेकयार्ड में आमंत्रित करने के, अपने भू-राजनीतिक कारण हैं। हिंद महासागर में यूके, यूएसए, फ्रांस,

ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत जैसे खिलाड़ियों का एक बंडल है, जिनके पास कोई विश्वसनीय भागीदार नहीं है। एक-दूसरे के हित और एक बल का सम्मान करते हुए, 1000 गुना शक्तिशाली दोनों

देश बेहतर भविष्य की ओर बढ़ते हैं, 'गो टुगेदर, ग्रो टुगेदर' मंत्र के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं।

सर्दियों में योग करते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां

सर्दियों के मौसम में योग करना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। ठंडी हवाओं और कम तापमान के बीच योगाभ्यास करने से शरीर को गर्म और फिट रखने में मदद मिलती है। योग करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इस मौसम में योग करने के दौरान कुछ गलतियों से बचना जरूरी है। ऐसा हम आपको इसलिए बता रहे हैं, क्योंकि कई लोग सर्दियों में सुबह में योग को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित होते हैं। लेकिन शरीर को तैयार किए बिना कठिन योगासन चोट की वजह बन सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सर्दियों के मौसम में योग करने के दौरान अक्सर होने वाली गलतियों और उनको सुधारने के तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आप सेफ और प्रभावी तरीके से योगासन कर सकें।

वॉर्मअप किए बिना स्ट्रेच करना– ठंडी के मौसम में शरीर का तापमान कम होता है और मांसपेशियां सख्त हो जाती हैं। ऐसे में अगर आप बॉडी को गर्म किए स्ट्रेच या कठिन योगासन करते हैं, तो मांसपेशियों में खिंचाव और मोच या चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए योग करने से पहले हल्का वार्मअप एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग करना बेहद जरूरी होता है।

खाने के बाद योग करना– खाना खाने के बाद फौरन योग करना पाचन को प्रभावित कर सकता है। इससे उल्टी या फिर पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सर्दियों में खाना धीरे-धीरे पचता है। इसलिए योग अभ्यास के कम से कम 1.5 या 2 घंटे पहले भोजन करना चाहिए।

ठंडी हवा में योग करना– ठंडियों में बाहर योग करते समय शरीर को पर्याप्त गर्म रखना बेहद जरूरी होता है। बिना गर्म कपड़ों में सर्दियों में योग करने से शरीर ठंडा हो सकता है और मांसपेशियां कठोर हो सकती हैं और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए इस दौरान हल्के जैकेट या थर्मल कपड़े पहनना चाहिए।

गलत आसन या गलत तकनीक करना– ठंडी में शरीर सुस्त हो जाता है, इसलिए गलत तरीके से योगासन करना चोट का कारण बन सकता है। योग की सही तकनीक, सांस पर ध्यान रखना और सही मुद्रा करना जरूरी होता है। किसी भी कठिन आसन को बिना किसी ट्रेनर की सलाह पर नहीं करना चाहिए।

वार्मअप न करना– सर्दियों में वार्मअप न करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन कम होता है और मांसपेशियां सख्त रहती हैं। ऐसे में स्ट्रेचिंग और योगासन करना खतरे भरा रहता है। कम से कम 5-10 मिनट का हल्का सा वार्मअप जरूर करना चाहिए।

असावधानीपूर्ण योग करना– बता दें कि लंबे समय तक बिना सावधानी और बिना ब्रेक के योग करने से शरीर पर दबाव पड़ सकता है। इससे जोड़ों में चोट, मांसपेशियों में दर्द और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सर्दियों में योग सत्र छोटा लेकिन नियमित रखना बेहतर होता है।

धर्म–आस्था

उपनिषद् क्या हैं ? इनका अर्थ, महत्व और उद्देश्य

उपनिषद् – हिन्दू धर्म के महत्वपूर्ण ग्रंथों में से एक है। इस ग्रंथ में ब्रह्म यानी ईश्वरीय सत्ता के स्वभाव और आत्मा के बीच अंतसंबंध की दार्शनिक तथा ज्ञान-पूर्वक संपूर्ण व्याख्या की गई है। उपनिषद् को श्रुति ग्रंथ में शामिल किया गया है। ऐसा कहा जाता है कि उपनिषद् ही सभी भारतीय दर्शनों की जड़ है। फिर चाहें वह वेदांत, सांख्य, जैन या फिर बौद्ध ही क्यों न हो। हालाँकि उपनिषद को समझ पाना आसान नहीं है। क्योंकि इसमें परमज्ञान, परमविद्या और इस लोक की परिधि से बाहर की बातें की गई हैं। इसमें इस संसार का गूढ़ ज्ञान निहित है।

पं.रामगोपाल शर्मा
(दैनिक अवन्तिका)

साथ ही उपनिषद देव वाणी संस्कृत में लिखे गए हैं और इनकी भाषा शैली भी गद्य और पद्य दोनों ही रुपों में है। उपनिषदों में गुरु शिष्यों के बीच संवाद को प्रकट किया गया है जिसमें शिष्य अपने गुरु से अपनी जिज्ञासाओं को पूछ रहे हैं और गुरु अपने शिक्षक की उनकी उन जिज्ञासाओं का समाधान कर रहे हैं। जैसे कि गुरुओं ने अपने शिष्यों की सभी शंकाओं को सिद्धांतों के अनुसार दूर किया है।

वहीं इसमें याज्ञवल्क्य और उनकी पत्नी मैत्रेयी के मध्य हुआ वह संवाद भी वर्णित किये गए हैं जो मनुष्यों के मन में धन आदि के मोह के प्रति वैराग्य उत्पन्न करते हैं। इतिहासकार मैक्समूलर ने इन उपनिषदों का अनुवाद किया था। इसके अलावा मुगल काल में दारा शिकोह ने फारसी भाषा में उपनिषदों का अनुवाद किया था।

उपनिषद् का अर्थ क्या है?– उपनिषद् शब्द का साधारण अर्थ है - ह्लसमीप उपवेशनह्ल या 'समीप बैठना (ब्रह्म विद्या की प्राप्ति के लिए शिष्य का गुरु के पास बैठना)। यह शब्द ह्लउपह्ल, ह्लनिह्ल उपसर्ग तथा, ह्लसद्ह्ल धातु से निष्पन्न हुआ है। सद् धातु के तीन अर्थ हैं : विवरण-नाश होना; गति-पाना या जानना तथा अवसादन-शिथिल होना। उपनिषद् में ऋषि और शिष्य के बीच बहुत सुन्दर और गूढ संवाद है जो पाठक को वेद के मर्म तक पहुंचाता है। उपनिषद् में ऋषि और शिष्य के बीच बहुत गूढ संवाद है जो पाठकों को वेदों का वास्तविक मर्म बतलाता है।

कैसे हुई उपनिषद् की रचना?– भारत अपनी प्राचीन और समृद्धशाली महान सभ्यता के लिए जाना जाता है। इसका मुख्य कारण है कि भारत अपने ज्ञान के कारण ही अन्य सभ्यताओं से ऊपर रहा है। भारत के ज्ञान का स्त्रोत यहाँ के महान ऋषि-मुनियों के द्वारा रचे गए धर्म ग्रंथ या वेद शास्त्र हैं और उपनिषद भी इन्ही का एक हिस्सा है। यूँ तो इतिहासकारों के बीच ये मतभेद है कि उपनिषदों की रचना कब हुई? लेकिन प्रसिद्ध इतिहासकार मैक्समूलर ने इनकी रचना का कालखण्ड 600 से 400 ईसा पूर्व बताया है।

वहीं श्रीराधाकृष्णन के मतानुसार इनका रचनाकाल छठी शताब्दी ईसा पूर्व तक माना जा सकता है। अब सवाल आता है कि उपनिषद की रचना कैसी हुई? इसकी उत्पत्ति के क्या कारण थे? यदि इस पर हम नजर डालें तो यह ज्ञात होता है कि प्राचीन उपनिषदों में दार्शनिक चिंतन अधिक है। क्योंकि उपनिषदों की रचना हमारे ऋषि-मुनियों के द्वारा की गई सदियों की मेहनत का परिणाम है। इसमें सृष्टि के उद्गम एवं उसकी रचना के संबंध में गहन चिंतन तथा स्वयंफूर्त कल्पना से उपजे रूपांकन को विविध बिंबों और प्रतीकों के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया है। संक्षेप में कहा जाए तो संसार के गूढ़ ज्ञान तथा प्रत्यक्ष प्राकृतिक शक्तियों के स्वरूप को समझने के लिए तथा लोगों को इसके वास्तविक मर्म को समझाने के लिए हमारे ऋषि मुनियों ने इनकी रचनाएँ की थी।

उपनिषद् की संख्या– वैदिक संहिताओं के अनन्तर वेद के तीन प्रकार के ग्रन्थ हैं - ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषद। इन ग्रन्थों का सीधा सम्बन्ध अपने वेद से होता है, जैसे ऋग्वेद के ब्राह्मण, ऋग्वेद के आरण्यक और ऋग्वेद के उपनिषदों के साथ ऋग्वेद का संहिता ग्रन्थ मिलकर भारतीय परम्परा के अनुसार 'ऋग्वेद' कहलाता है।

किसी उपनिषद का सम्बन्ध किस वेद से है, इस आधार पर उपनिषदों को निम्नलिखित श्रेणियों में विभाजित किया जाता है - मूल रूप से उपनिषदों की संख्या 108 है, जिन्हें अलग-अलग कालखंड के रूप में वर्गीकृत किया गया है। जैसे - ऋग्वेदीय - 10 उपनिषद शुक्ल यजुर्वेदीय - 19 उपनिषद् कृष्ण यजुर्वेदीय - 32 उपनिषद् सामवेदीय - 16 उपनिषद् अथर्ववेदीय - 31 उपनिषद् हालाँकि 108 उपनिषदों में से 10 उपनिषदों को प्रमुख माना जाता है। इनमें ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक, माण्डूक्य, तैत्तिरीय, ऐतरेय, छांदोग्य और बृहदारण्यक शामिल हैं।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसुन सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मीडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2250-2950, चना काबली- 3026-8251, चना बड़ा- 4749-5790, बटला- 2400-4150, राई- 6260, सोयाबीन- 1875-5551, राजमा- 6500, मावा- 280 प्रतिकिलो। सोना-चाँदी- सोना-स्टेण्डर्ड- 1,29,200, रवा- 1,29,100 चांदी-टंच- 1,83,200 पाट- 1,83,300।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

दिव्य हनुमान अष्टमी महोत्सव आज
हनुमान-भक्ति से सराबोर होगा सारंगपुर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सारंगपुर

हनुमान अष्टमी के पावन पर्व पर आज सारंगपुर नगर सहित पूरा क्षेत्र हनुमान-भक्ति की स्वर्णिम आभा में सराबोर हो उठेगा। तडके प्रभात होते ही मंदिरों में घंटों घडियालों की मंगल नाद ध्वनित होगी और भक्तों का सैलाब विभिन्ना हनुमान मंदिरों की ओर उमड पडेगा। क्षेत्र के प्रमुख हनुमान मंदिरों विशेषकर श्री खेडापति हनुमान मंदिर में विविध आध्यात्मिक, भक्तिपूर्ण दिव्य आयोजन का दौर दिनभर चलेगा।

पौराणिक परंपरा और विजय का उत्सव

पं. पवन बृज जगदीश पारीक ने बताया कि पौष कृष्ण अष्टमी का यह दिवस पौराणिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी दिन महाबली हनुमानजी ने पाताल लोक में अहिरावण का वध कर भगवान राम-लक्ष्मण को बंधन मुक्त कराया था। अहिरावण-वध उपरांत हनुमानजी ने प्रभु को अवंतिका नगरी में विश्राम कराया, जहाँ श्रीराम ने आशीर्वाद दिया कि इस तिथि पर श्रद्धापूर्वक पूजन करने वाले भक्त को सर्वत्र विजय प्राप्त होगी और सभी बाधाएँ नष्ट होंगी। इसी मान्यता के कारण इस दिन 108 हनुमान दर्शन यात्रा का विशेष महत्व माना जाता है। पं. पवन पारीक के अनुसार इस दिव्य दिन के पूजन-दर्शन से साधक को मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक बल की प्राप्ति

होती है।

मंदिरों में होगा महाअभिषेक और संकीर्तन

श्री खेडापति हनुमान मंदिर सहित नगर के प्रमुख मंदिरों में आज विशेष प्रभात फेरी, हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ, संकीर्तन यात्रा, सुगंधित चंदन-तैल से श्रृंगार, तुलसी-माला, पुष्प-हारों से अलंकरण, महाआरती और महाप्रसाद का दिव्य आयोजन होगा।

मंदिर परिसर में आयोजित विशेष दिव्य महाअभिषेक आकर्षण का केंद्र रहेगा, जिसमें शुद्ध जल, दुग्ध, दधि, घृत, मधु, पंचामृत, केसर-अर्क एवं औषधियों द्वारा संकटमोचन का अभिषेक-श्रृंगार किया जाएगा। श्रद्धालु इस अद्वितीय दृश्य को आत्मिक सौभाग्य मानकर दर्शन करेंगे।

नगर में भव्य शोभायात्रा की तैयारी पूर्ण

सुबह से ही नगर की प्रमुख सडकों पर धार्मिक उल्लास का वातावरण रहेगा। केसरिया ध्वजों से सजे रथ, ढोल-नगाडों की तेजस्वी धुन, भक्ति-संगीत की स्वर-लहरियाँ भव्य शोभायात्रा को दिव्यता प्रदान करेंगे। बाल-झाँकियाँ, युवा मंडलों की प्रेरक प्रस्तुतियाँ और महिलाओं की दीप-श्रृंखला नगर की आस्था-धारा को और भी उज्ज्वल बनाएंगी।

इन मंदिरों में होगे आयोजन

सिद्ध क्षेत्र खेडापति हनुमान मंदिर, व्यायाम शाला स्थित हनुमान मंदिर, पुराना बस स्टैंड स्थित बाल रूप हनुमान मंदिर, नीलकंठेश्वर हनुमान मंदिर, बदलीपुरा हनुमान मंदिर, ब्लॉक कालोनी स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर, सुदर्शन नगर स्थित हनुमान मंदिर सहित क्षेत्र के हनुमान मंदिरों में विभिन्ना आयोजन होगे।

सांसद खेल महोत्सव में जेपीएस के छात्रों ने लहराया जीत का परचम

बड़नगर। खेलो इंडिया एवं फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत स्थानीय अटल बिहारी वाजपेयी सीएम राईज विद्यालय, बड़नगर में तीन दिवसीय आयोजन के पश्चात समापन एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया ।उक्त खेल महोत्सव में जेजीआई ग्रुप बैंगलोर द्वारा संचालित जैन पब्लिक स्कूल , बड़नगर (ढोलाना) के विद्यार्थियों ने समूह और एकल खेल प्रतियोगिता में बढ़ चड़कर हिस्सा लेते हुए शानदार प्रदर्शन किया । संस्था की लगोरी टीम जिसमें छात्राएं कप्तान कृतिका सिसोदिया , डिंपल अटोलिया , जिज्ञासा गुर्जर , चेतना पटेल ,श्वेता संगीत्रा ,वंदना झाला , भक्ति राठौर एवं वैष्णवी पंवार ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया है । इसी क्रम में एकल खेल प्रतियोगिताओं में कक्षा दसवीं के छात्र प्रद्युम्न राठौर ने पावरलिफ्टिंग में एवं कक्षा नवमीं के छात्र रोशन देवड़ा ने कबड्डी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है । विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर संस्था निदेशक अंकित वोहरा ने कहा है कि शिक्षा , शिक्षण और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से हम छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध हैं और छात्रों द्वारा ऐसे बड़े आयोजन में जीत हासिल करना निश्चित इसी प्रयास का परिणाम है। छात्रों की इस उपलब्धि पर संस्था के मैनेजिंग ट्रस्टी अभय टोंग्या , ट्रस्टी सुशील गोलेचा , सुभाष वोहरा व संस्था प्राचार्या सपना बैस्टीयन द्वारा शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है ।छात्रों के इस जीत प्रसंग से विद्यालय में हर्ष का माहौल व्याप्त है ।यह ज्ञातव्य हो कि संस्था के छात्र खेल शिक्षक ब्रजपाल पाल सिंह डोडिया से प्रतिदिन खेल संबंधी मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं ।

नगर पालिका अतिक्रमण मुहिम में 1550 रुपए की चालानी कार्रवाई की

बड़नगर। नगर पालिका परिषद बड़नगर द्वारा बुधवार को राजस्व उप निरीक्षक संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में बस स्टैंड, हजारीबाग, डाबरी चौक ,गांधी चौक आदि विभिन्न क्षेत्रों में जो ठेला सब्जी, फल अन्य फेरीवाले, दुकानदार जो यातायात को बाधित कर रहे हैं और नगर पालिका द्वारा डाली गई रोड लाइन से बाहर किए हुए ऐसे अतिक्रमण कताओं के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए रूपए 1550 की चालानी कार्रवाई कर दंडित किया गया। अतिक्रमण मुहीम में सहायक राजस्व निरीक्षक मनोज झाला , राजेंद्र सांखला , स्वच्छता निरीक्षक नरेंद्र सिरसवाल ,कुंदन गोसर आदि टीम मौके पर उपस्थित थे । मुख्य नगर पालिका अधिकारी निगवाल ने बताया कि यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी । आवागमन सुगम बनाने के लिए यह आवश्यक है ।

वरिष्ठता और ई अटेंडेंस के मुद्दोंको लेकर राज्य शिक्षक संघ ने सौपा ज्ञापन

तराना। राज्य शिक्षक अध्यापक संघ ने प्रथम नियुक्ति दिनाँक से वरिष्ठता, पुरानी पेंशन और ई अटेंडेंस जैसे ज्वलंत मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन विकास खण्ड स्तर पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को सौपा। मप्र शासन द्वारा प्रदेश भर के 3 लाख अध्यापक शिक्षक कर्मचारियों की 20 वर्षो की सेवा अवधि समाप्त करने से भारी आक्रोश है, कर्मचारियों को सेवानिवृत होने पर पेंशन भी नही दी जाती है।इस पर शिक्षक के रूप मे राष्ट्र निर्माण करने वाले कर्मचारियों को मानसिक रूप से अपमानित करने वाली अव्यवहारिक ई अटेंडेंस अधिकारी विभिन्न प्रकार के आदेश जारी कर दबाव बना कर लगवा रहे है जिससे शिक्षक अपमानित महसूस कर रहे है और प्रदेश भर मे ई अटेंडेंस का विरोध शिक्षक कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष शेख मोहम्मद हनीफ ने बताया कि राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव के नेतृत्व मे 21 दिसम्बर को जिला स्तर पर धरना प्रदर्शन एवं 25 दिसम्बर को भोपाल मे महा आंदोलन संगठन द्वारा किया जाएगा। तराना मे मुख्यमंत्री महोदय के नाम सम्बोधित ज्ञापन विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिधि को सौपा गया इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष गोकुल नागदिया, जिला उपाध्यक्ष द्रव्य प्रकाश मालवीय, ओम प्रकाश खरेटिया, प्रहलाद सिंह मंडोर, महेश गोस्वामी, भारत सिंह गलगच, गोपाल राठौर, फारूक शेख, प्रदीप पटवा, सलभ पाठक, बिहारी लाल पगरिया जोरावर परमार छोटू खान अनेक पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

सार्वजनिक सूचना

मैं **अशोक कुमार भटनागर** पुत्र जितेन्द्र कुमार भटनागर घोषणा करता हूँ कि मेरे **पासपोर्ट क्रमांक A7468291** जारी दिनांक 19-03-1999 में मेरा अपूर्ण नाम '**अशोक कुमार**' अंकित है। मेरा सही एवं पूर्ण नाम '**अशोक कुमार भटनागर**' है जो मेरे आधार कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में दर्ज है। आगे से मैं अपने सही नाम '**अशोक कुमार भटनागर**' से ही जाना जाऊंगा।

अशोक कुमार भटनागर
पता: 15/1, भाट गली, आर्य समाज मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)

देवास एमजी रोड का होगा सौंदर्यीकरण
6.30 करोड़ से अंडरग्राउंड लाइनें और 15 मीटर चौड़ी सड़क की शुरूआत

दैनिक अवन्तिका ▶▶ देवास

देवास शहर के एमजी रोड को नया स्वरूप देने की बहुप्रतीक्षित परियोजना आखिरकार शुरू हो गई है। गुरुवार सुबह जनता बैंक चौराहे पर एमजी रोड सौंदर्यीकरण कार्य का भूमि पूजन किया गया। लगभग 6.30 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही यह परियोजना शहर की खूबसूरती और यातायात व्यवस्था दोनों को नया आयाम देगी। कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय व्यापारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

विधायक गायत्री राजे पवार ने भूमि पूजन के दौरान कहा कि यह कार्य देवास के लिए एक बड़ी सौगात है। उन्होंने बताया कि एमजी रोड का सौंदर्यीकरण व्यापक स्तर पर किया जाएगा, जिसमें अंडरग्राउंड ड्रेनेज लाइन, इलेक्ट्रिक

लाइन, और आधुनिक शहरी डिजाइन शामिल हैं। उनका कहना था-ह्लहमारा लक्ष्य सड़क को साफ-सुथरा, व्यवस्थित और आदर्श स्वरूप देना है।

उन्होंने इस परियोजना में सहयोग देने के लिए नगर निगम और व्यापारियों का आभार भी व्यक्त किया। पवार ने भरोसा जताया कि काम पूरा होने के बाद एमजी रोड अपनी नई चमक और आधुनिकता के साथ शहर की पहचान बनेगा।

गौरतलब है कि नगर निगम ने पिछले माह ही एमजी रोड से अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया था। सौंदर्यीकरण के बाद यह सड़क 15 मीटर चौड़ी हो जाएगी, जिससे यातायात सुगम होगा और संपूर्ण क्षेत्र का लुक पूरी तरह बदल जाएगा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित, अधिकारियों ने दिए आवश्यक निर्देश

आगर-मालवा। जिला चिकित्सालय आगर के सभाकक्ष में वरिष्ठ संयुक्त संचालक, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल डॉ. राकेश बोहरे की अध्यक्षता में बुधवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर राज्य सलाहकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अभिषेक सिंघी, एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश देहलवार उपस्थित रहे। डॉ. बोहरे द्वारा जिले में कार्यरत कार्यक्रम अधिकारियों के पूर्व भ्रमण के पालन-प्रतिवेदन की समीक्षा की गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 की आगामी कार्ययोजना के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिला कार्यक्रम प्रबंधक राकेश चौहान द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 की आगामी कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। इसमें मातृ स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, क्षय, टीकाकरण, कुष्ठ, अंधत्व निवारण, आशा कार्यक्रम सहित अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों द्वारा अपने पूर्व भ्रमण के दौरान दिए गए निर्देशों के पालन की समीक्षा की गई। इस दौरान उप-स्वास्थ्य केंद्र मदकोटा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ौद तथा जिला चिकित्सालय आगर मालवा में पाई गई कमियों के सुधार हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

सर्दी बढ़ते ही सुसनेर में हार्ट अटैक के मामले बढ़े

सुसनेर। नगर में लगातार गिरते तापमान ने लोगों की सेहत पर असर डालना शुरू कर दिया है। विशेष रूप से हार्ट अटैक और हार्ट से जुड़ी गंभीर समस्याओं के मामलों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी देखी जा रही है। स्थानीय सरकारी अस्पताल से लेकर निजी नर्सिंग होम तक, बीते दस दिनों में ऐसे मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय इजाफा हुआ है जिनमें अचानक सीने में दर्द, तेज धड़कन, सांस फूलना और रक्तचाप बढ़ने जैसी समस्याएँ शामिल हैं। चिकित्सकों का कहना है कि इस बार ठंड की तीव्रता अधिक होने से हृदय रोगियों और बुजुर्ग वर्ग पर इसका सीधा असर पड़ा है।

अस्पताल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सुबह के समय अस्पताल में अधिक भीड़ देखी जा रही है, क्योंकि अधिकतर मरीज ठंडी हवा में अचानक परेशानी बढ़ने की शिकायत के साथ पहुँच रहे हैं। कई मामलों में मरीजों को आपातकालीन स्थिति में भर्ती करना पड़ा। डॉक्टर बीबी पाटीदार ने बताया कि ठंड की वजह से शरीर की धमनियाँ सिकुड़ जाती हैं। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। यही कारण है कि सर्दी के मौसम में हार्ट अटैक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। कुछ मरीज ऐसे भी सामने आए हैं जो पहले स्वस्थ थे, लेकिन ठंड के दिनों में अत्यधिक परिश्रम या सुबह की सैर के दौरान उन्हें अचानक हार्ट संबंधी समस्या का सामना करना पड़ा। बुजुर्गों के अलावा हाई बीपी, डायबिटीज और पहले से हृदय रोग का इतिहास रखने वाले मरीजों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इन वर्गों में मामूली लापरवाही भी गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। डॉक्टर पाटीदार ने लोगों से अपील की है कि अत्यधिक ठंड के समय सुबह-सुबह बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त गर्म कपड़ों का उपयोग करें।

कल लगेगी नेशनल लोक अदालत

सारंगपुर। सारंगपुर में साल की आखिरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर यानि कल शनिवार को किया जाएगा। यह लोक अदालत सारंगपुर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजित हो रही इस अदालत का मुख्य उद्देश्य आपसी समझौते से अधिक से अधिक मामलों का निराकरण करना है। लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश राहुल सिंह ने अधिवक्ताओं एवं समाजसेवियों से अपील की है और कहा है कि आमजन को लोक अदालत के महत्व और इसके लाभों के बारे में जागरूक करें

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा ग्राम चाक्या पटवारी हल्का नम्बर 00028 तह. माकडोन जिला उज्जैन में स्थित भुमि विक्रेता, पप्पूसिंह पिता बाबूसिंह राठोर जाति राजपूत आयु 39 वर्ष निवासी ग्राम भोल्डिया तहसील माकडोन जिला उज्जैन के आधिपत्य एंव स्वामित्व कि कृषी भुमि सर्वे नम्बर 508/1 रकबा 0.21 हेक्टर, सर्वे नंबर 508/2 रकबा 0.66 हेक्टर, सर्वे नंबर 508/3 रकबा 0.66 हेक्टर, सर्वे नंबर 508/4 रकबा 0.15 हेक्टर, सर्वे नंबर 515/1रकबा 0.27 हेक्टर, सर्वे नंबर 515/2 रकबा 0.51 हेक्टर कुल किता 6 कुल रकबा 2.46 हेक्टर (दो दशमलव चार छः हे.) व विक्रेता तरुण चौधरी पिता राजेन्द्र चौधरी जाति कुमावत आयु 37 वर्ष निवासी 1210 केशरिपुरा वार्ड नंबर 13 सांवेर जिला इंदौर के आधिपत्य एंव स्वामित्व कि कृषी भुमि सर्वे नम्बर 506/1 रकबा 0.44 हेक्टर, सर्वे नंबर 506/2 रकबा 0.52 हेक्टर, सर्वे नंबर 506/3 रकबा 0.47 हेक्टर, सर्वे नंबर 506/4 रकबा 0.53 हेक्टर, सर्वे नंबर 507/1 रकबा 0.10 हेक्टर, सर्वे नंबर 507/2 रकबा 0.04 हेक्टर, सर्वे नंबर 507/3 रकबा 0.04 हेक्टर, सर्वे नंबर 507/4 रकबा 0.03 हेक्टर, सर्वे नंबर 511 रकबा 0.65 हेक्टर कुल किता 9 कुल रकबा 2.82 हेक्टर (दो दशमलव आठ दो हे.) स्थित है। उपरवर्णित दोनो विक्रेताओ द्वारा बिक्रय कि जा रही कुल भुमि 5.28 हेक्टर भुमि क्रेता सोदानसिंह पिता झीतुसिंह निवासी हासलपुर झिर्निया तह. माकड़ोन जिला उज्जैन मध्यप्रदेश द्वारा खरीदी गई है। जिसका आंशिक बयाना भी अदा कर दिया गया है । जिस किसी को भी उक्त भुमि सम्बन्धीत लेख या दस्तावेज हो, या लेन देन हो, या उक्त भुमि संबंधित कोई आपत्ति हो, मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज उपस्थित हो कर आज दिनांक से एक सप्ताह के अन्दर आपत्ति दर्ज करा सकता है। एक सप्ताह बाद आपत्ति मान्य नही कि जावेगी।

दिनांक :- 09.12.2025

मिर्जा असद बैग एड्व्होकेट
कार्यालय- कोर्ट परीसर नयापुरा रोड़ तराना,
मोबा., 7415348079

In The Court Of III Civil Judge Class II, Tehsil Tarana District Court, Ujjain Presiding Officer:
श्री आयुष अरोरा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000070/2024)
अर्जुन----- वादी
Vs
गुलाबसिंह---- प्रतिवाद

Process Id-/2025
पेशी दिनांक: 17/12/2025

प्रेषिती-
(1) पवनबाई पति भागीरथ पता जाति गारी निवासी कुम्हार पिपलिया तहसील टोकखुर्द जिला देवास
(2) पिंकी पिता भागीरथ पता- जाति गारी निवासी कुम्हार पिपलिया तहसील टोकखुर्द जिला देवास
(3) संगीता पिता भागीरथ पता- जाति गारी निवासी कुम्हार पिपलिया तहसील टोकखुर्द जिला देवास

यह कि प्रार्थी अर्जुन ने आपके विरूद्ध वाद पत्र घोषणात्मक सहायता एवं स्थायी निषेधाज्ञा तथा बंटवारा के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 10 दिसम्बर 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है

(आयुष अरोरा)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश
कनिष्ठ खण्ड तराना, जिला उज्जैन (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

जीआरपी ने एक गुम हुई 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला को ढूंढकर बेटे से मिलाया

ब्यावरा-राजगढ़। रेल यात्रियों की सुरक्षा और जनविश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली जीआरपी ब्यावरा ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट कार्य और अद्वितीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। गुमशुदा 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला को तलाशकर सुरक्षित उनके बेटे से मिलाकर पुलिस ने मानवता की मिसाल पेश की। उल्लेखनीय है कि ग्राम सुबेदारपुरवा उत्तरप्रदेश निवासी मनोज कुमार अपने परिवार के साथ ट्रेन संख्या 19168 साबरमती एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान मनोज की मां कामती देवी 60 वर्ष बाथरूम जाने के लिए कहकर गईं, लेकिन वापस नहीं लौटी। सहयात्रियों से जानकारी मिली कि वे अचानक स्टेशन ब्यावरा पर उतर गई थी। चिंतित बेटे की रिपोर्ट पर थाना जीआरपी ब्यावरा ने तुरंत गुम इंसान दर्ज कर खोज अभियान शुरू किया। शहर के प्रमुख स्थानों, थानों, मीडिया संस्थानों और डायल-100 को सूचना प्रसारित की। पुलिस की सतर्कता रंग लाई जब थाना देहात ब्यावरा को सूचना मिली कि एक बुजुर्ग महिला इंदौर नाके के पास टोल प्लाजा पर दिखाई दी हैं। डायल-100 की मदद से उन्हें सुरक्षित थाना लाया गया। बाद में बेटे मनोज कुमार को बुलाकर पहचान कराई गई और पुलिस टीम ने कामती देवी को सकुशल उनके परिवार को सुपुर्द कर दिया। बेटे ने जीआरपी ब्यावरा की त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की।

वरिष्ठता एवं इ अटेंडेंस के विरोध में अध्यापकों ने सौंपा ज्ञापन

खाचरोद। मध्य प्रदेश राज्य शिक्षक अध्यापक संघ ब्लॉक नागदा खाचरोद के अध्यक्ष पूरा लाल गुजराती ने बताया कि अध्यापक संवर्ग की वरिष्ठता एवं तकनीकी आधारित अटेंडेंस में खामियों के बावजूद अव्यवहारिक ई अटेंडेंस लगवाने के विरोध में एवं ओल्ड पेंशनलागू करवाने के लिए ब्लॉक नागदा खाचरोद के अध्यापकों ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय खाचरोद में विकासखंड शिक्षा अधिकारी गुरु दत्त जोशी को अपनी मांगों का ज्ञापन सोपा इस अवसर पर सेवाराम वर्षी आशीष जोशी दशरथ सेजवार सत्यनारायण मालवीय वाहिद सिद्दीकी मनोहर खेमसारा मधु कांता झोरम अनिता सागौर गिरधारी लाल चौहान सहित अनेक अध्यापक साथी मौजूद रहे ।

त्रुशा व आकाशी का राष्ट्रीय फुटबाल टीम में चयन

शुजालपुर। 69वी राष्ट्रीय शालेय फु टबॉल प्रतियोगिता के बालिका 17 वर्ष आयु समूह खिलाडि?ों में क्षेत्र से दो बालिकाओं त्रुशा परमार एवं आकाशी परमार का चयन मध्यप्रदेश की टीम के लिए हुआ। 11 से 15 दिसंबर तक नर्मदापुरम में प्री नेशनल कैंप आयोजित होगा तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिता 18 से 22 दिसम्बर तक झारखंड प्रदेश के रांची में आयोजित होगी। इनके चयन पर वरिष्ठ प्रशिक्षक राजेंद्र नायडू, बाबूलाल गोयल, रजनीश त्रिवेदी, मुकेश नेमा, गोपाल कारपेंटर, लोकेंद्र सिंह तोमर, आनंदी परमार, ऋ चा योगी, भूपेंद्र परमार सहित अन्य खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन के संभागीय उपाध्यक्ष बने अक्षय सगर

गुना। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और मान्यवर काशीराम साहब के आंदोलन/ मिशन को मजबूत करने के लिए भीम आर्मी भारत एकता मिशन ग्वालियर संभाग का विस्तार करते हुए अक्षय सगर को ग्वालियर संभाग उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर गुना जिला अध्यक्ष प्रेम नारायण अहिरवार एवं उनकी समस्त भीम आर्मी टीम ने अक्षय सगर को उनके निवास पर पहुंचकर माल्यार्पण कर बधाई दी। संभागीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर अक्षय सगर ने वरिष्ठ नेतृत्व सहित सभी का आभार व्यक्त किया है एवं संगठन को मजबूत करने का भी प्रण लिया।

जन शिक्षकों को वेतन नहीं मिलने पर दिया ज्ञापन

जावरा । जिले के समस्त जन शिक्षकों का वेतन विगत चार माह से समय पर आहरित नहीं हो रहा है। इस कारण जनपद शिक्षा केंद्र के अंतर्गत कार्यरत जन शिक्षकों ने सामूहिक त्यागपत्र देने का ज्ञापन जिला परियोजना समन्वयक के नाम खंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक चरण सिंह चंद्रावत को सौंपा। विगत चार माह से समय पर वेतन आहरित नहीं होने से बैंकों से लिए गए ऋण की किश्त समय पर जमा नहीं हो पा रही है। जिसके कारण जन शिक्षक मानसिक रूप से परेशान हो रहे हैं। प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए जिले के समस्त जन शिक्षक अपना कार्य पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से कर रहे हैं। उसके बावजूद भी उनका वेतन समय से नहीं निकलना उच्च अधिकारियों की उदासीनता को दशार्ता है। साथ ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारीयो का भी समय पर वेतन नही मिलने पर उनका घर का खर्चा चलाना भी मुश्किल हो रहा है। जिला परियोजना समन्वयक को दिए ज्ञापन के माध्यम से निवेदन किया है कि हमारा वेतन प्रति माह 1 तारीख को आहरित करवाया जाए। जिससे आर्थिक संकट से जुझना न पड़े। इस अवसर पर खंड अकादमिक समन्वयक नीता शर्मा, जन शिक्षक सौरभ गुप्ता, सुनील कोठाने, लक्ष्मी नारायण मेहता, केसर खान, कैलाश वाक्तरिया, प्यार सिंह पवार, सादिक खान, अशोक दडिंग, महेंद्र त्रिवेदी, लालू मईड़ा, अंगुरबाला पाटीदार, शिवनारायण धाकड़, सुनील कदम,आदि उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण सह सद्भावना शिविर के लिए टीम रवाना

मंदसौर। मध्य प्रदेश जूनियर रेड क्रॉस सोसाइटी जिला गुना में राज्य स्तरीय पांच दिवसीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण सह सद्भावना शिविर का आयोजन 12 से 16 दिसंबर तक वीर शहीद

तात्या टोपे यूनिवर्सिटी के मैदान में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन 12 दिसंबर को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया करेंगे और दिनांक 15 को प्रदेश के माह में भी राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल पुरस्कार वितरण एवं समारोह में पुरस्कार प्रदान करेंगे। यह टीम जिला संगठक एनडी वैष्णव के नेतृत्व में एवं प्रशिक्षक से राजेश कुमार पांडे एवं मोहम्मद उमर के निर्देशन में भाग लेगी। मंदसौर जिले से छात्रों की टीम इस प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए रवाना हो चुकी है इइस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी एवं अध्यक्ष जूनियर रेडक्रॉस सोसायटी अध्यक्ष सुश्री टेरेसा मिंस, जूनियर रेड क्रॉस संगठक एनडी वैष्णव, स्काउट गाइड जिला मुख्यालय अंशुल बैरागी, विक्रम शर्मा प्राचार्य कयामपुर, सचिव सलमा शाह, रेडक्रॉस काउंसलर राजेश कुमार पांडे एवं मोहम्मद उमर शेख कार्यक्रम में उपस्थित थे। शिविर में मनीष बागवान बोलिया,रोशन रघुवीर कोटडा बुजुर्ग,दीपक गिरी, अंकित, दीपा खेड़ा, पवन सुरावत शौकीन सुरावत कयामपुर, करण एवं बंटी झारड़ा गौरव और हिमेश भरड़ावद भाग ले रहे हैं।

हमारे विचार हमारे व्यवहार को आकार देते है– पल्लवी नीमे

बच्चों के अधिकारों को लेकर इनरव्हील ने कार्यशाला आयोजित की

मन्दसौर। इनरव्हील क्लब मंदसौर द्वारा बच्चों के अधिकारों एवं उनको मोटिवेट करने हेतु ग्लोबल एकेडमी स्कूल में कार्यशाला

का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता मेंटल वेलनेस कोच पल्लवी नीमे ने कहा कि हमारे विचार हमारे व्यवहार को आकार देते हैं, और हमारा व्यवहार ही हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से समझाया कि यदि किसी व्यक्ति में अनेक गुण मौजूद हों, लेकिन साहस का गुण न हो, तो वे सभी गुण व्यर्थ हो जाते हैं। क्लब अध्यक्ष हेमा हिंगड़ ने बताया कि इस कार्यशाला में बच्चों के अधिकारों, नारी सम्मान, और समाज में समानता की आवश्यकता पर भी विस्तृत चर्चा की। प्रारंभ में इनरव्हील प्रार्थना पूर्व अध्यक्ष आशा काबरा ने प्रस्तुत की। तत्पश्चात क्लब द्वारा पल्लवी कल्याणी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर ग्लोबल एकेडमी स्कूल की प्रिंसिपल डॉ हाजरा मेंबर साहब ने भी संबोधित किया। संचालन मेजर उषा कुमावत ने किया एवं आभार अंजना पटेल ने माना।

कबाड़ गोडाउन में आग, कई धमाके हुए : लोग दहशत में आए

30 फायर ब्रिगेड गाड़ियों ने तीन घंटे में काबू पाया, गैस सिलेंडर भी मिले

दैनिक अवन्तिका ▶▶ रतलाम

हाट रोड स्थित वेद व्यास कॉलोनी के कॉर्नर पर स्थित एक कबाड़ गोडाउन में बुधवार रात आग लग गई। आग तेजी से पूरे कबाड़ में फैल गई और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा। आग की लपटों के बीच धमाकों की आवाज आने लगी। इससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की 25-30 लॉरी पहुंचीं और करीब 3 घंटे में आग पर काबू पाया। इलाके की बिजली सप्लाई एहतियातन बंद करनी पड़ी।

आग रात करीब 12.30 बजे के करीब लगी थी। शुरूआत में आग पर किसी का ध्यान नहीं गया। जब आग की तेज लपटे व धुआं उठा तो लोगों को पता चला। फायर ब्रिगेड को सूचना दी। रात 3.30 बजे तक आग पर काबू पाया गया। आग की स्थिति यह थी कि आग बुझाने का प्रयास नगर निगम की फायर लॉरी के कर्मचारी करते रहे। एक तरफ आग को बुझाया जाता तो दूसरी तरफ से आग की लपटे उठने लगती।

कबाड़ के साथ गैस सिलेंडर भी रखे थे

गोडाउन में कागज के पुस्टें, प्लास्टिक और कांच की बोतलें रखी थीं, जो पूरी तरह जल गईं। यहां गैस सिलेंडर और घरेलू गैस सिलेंडर भी रखे थे, जिन्हें समय रहते निकालकर सामने वाली बिल्डिंग में रख दिया गया। जानकारी यह भी सामने आई कि गोडाउन में लोहा काटने के लिए गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किया जाता था।

गोडाउन के आसपास रहवासियों के इलाके

जिस स्थान पर कबाड़ का गोडाउन मौजूद है वहां उसकी लेफ्ट साइट हाट रोड पर दुकानें है। जबकि राइट साइड कॉलोनी क्षेत्र है। गोडाउन के सामने एक मल्टी बनी हुई है। गोडाउन के बाहर कंचन इंटरप्राइजेस का बोर्ड लगा था। बताया जा रहा है कि यह किसी दिनेश व लच्छू कबाड़ी का गोडाउन है।

कोई बड़ा अधिकारी नहीं पहुंचा

आग इतनी भयावह थी दूर-दूर तक आग का धुआं दिखाई दे रहा था। आग की सूचना पर सबसे पहले हाट की चौकी प्रभारी पंकज राजपूत व पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इसके बाद सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया आए, लेकिन कुछ देर रुकने के बाद चले गए। बाद में रात में डिवीजन ड्यूटी होने के कारण जावरा से एसडीओपी संदीप मालवीय मौके पर पहुंचे। इस दौरान जिला प्रशासन व नगर निगम कमिश्नर समेत कोई भी बड़ा अधिकारी मौके पर नजर नहीं आया।

सुरक्षा के लिए बिजली सप्लाई बंद की

जिस जगह आग लग उसी के बाहर बिजली कंपनी की डीपी भी लगी हुई थी। आग के कारण हाट की चौकी, वेद व्यास कॉलोनी समेत आसपास के क्षेत्र की विद्युत सप्लाई बंद करना पड़ी। गोडाउन से सट कर लगी हाट रोड की दुकानों के ऊपर रखा सामान भी जल कर खाक हो गया। फ्रीज व कूलर दुकानों की छत पर रखे थे। आग के कारण वह भी जल गए। रतलाम सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया ने बताया आग की सूचना मिलते ही मौके पर फायर लॉरी को भिजवाया गया है। किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है।

दुल्हन ने पकोड़ी में जहर मिलाकर परिवार के 9 सदस्यों को किया बेहोश

नगदी व जेवर लेकर हुई फरार, दो पर प्रकरण दर्ज

दैनिक अवन्तिका ▶▶ मन्दसौर

जिल के भावगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम नांदवेल में 20 दिन पहले बनारस से लाई गई दुल्हन पति समेत परिवार के नौ लोगों को पकोड़े में जहरीला पदार्थ मिलाकर खिलाया व घर से जेवर व रुपए लेकर फरार हो गई।

जहरीला पदार्थ खाने के बाद दुल्हें के परिवार के भाई, भाभी, भतीजा, भतिजी, माता-पिता समेत 9 लोगों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय मंदसौर भर्ती किया जहां सभी का उपचार चल रहा है।

भावगढ़ थाना पुलिस के अनुसार यह घटनाक्रम 9 दिसम्बर रात करीब साढ़े आठ बजे से 10 दिसम्बर की प्रातः 10 बजे के बीच का है। पुलिस ने बताया कि घटना दिनांक को

फरियादी सत्यनारायण पिता मोहनलाल धनगर निवासी नांदवेल और उसके परिजनों को आरोपी लुटेरी दुल्हन ज्योति पिता कैलाश राय निवासी जोगापुर नवेड़िया वाराणसी (उ.प्र.) ने पकोड़े में जहरीला पदार्थ मिलाकर खिलाया और नगदी 50 हजार रू., विवाह संबंधी दस्तावेज व जेवर लेकर फरार हो गई। पुलिस ने इस मामले में ज्योति के साथ ही रमेश पिता नन्दू राजपूत निवासी नांदवेल की खिलाफ बीएनएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया।

यूरिया से भरा ट्रक जब्त

कालाबाजारी की आशंका, 100 बोरी मिली, राजस्थान जा रहे थे

रतलाम। जिले के बाजना में बुधवार रात प्रशासन के दल ने यूरिया से भरा एक मिनी ट्रक पकड़ा है। ट्रक में 100 बोरी यूरिया भरा हुआ था। जो कि जिले के शिवगढ़ से बाजना से होते हुए राजस्थान के पाटन ले जाया जा रहा था।

बाजना तहसीलदार मनीष जैन ने बताया कि की रात सूचना मिली थी एक ट्रक यूरिया भरकर अवैध रूप से जा रहा है। पुलिस को सूचना देकर बाजना के टंट्या मामा चौराहे पर 407 लोडिंग मिनी ट्रक क्रमांक एमपी 13 जीबी 6335 को रोका गया। ट्रक के अंदर जांच की तो यूरिया खाद की बोरिया थी। ट्रक को थाने ले जाया गया। कृषि विभाग को सूचना दी। जांच के ट्रक में से यूरिया (आईपीएल) खाद की 100 बोरिया मिली। चालक से पूछताछ की तो ना तो उसके पास उसका ड्राइविंग लाइसेंस मिला, नहीं गाड़ी का रजिस्ट्रेशन। बीमा के कागज भी नहीं मिले। बाजना तहसीलदार मनीष जैन ने बताया प्राथमिक जांच में यूरिया शिवगढ़ के जयदीप सेवा केंद्र से भर कर ट्रक निकला था। जो कि राजस्थान के पाटन के सुरेश अग्रवाल व अमित अग्रवाल नाम के व्यापारी के यहां खाली होने जा रहा था। कृषि विभाग द्वारा पुलिस केस दर्ज कराया जा रहा है।

प्रशासन ने 70 लाख रुपए की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई

मन्दसौर। गरोठ उपखंड में प्रशासन द्वारा अवैध अतिक्रमणों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में आज गरोठ के खजूरीरूंदा गाँव में राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं पंचायत की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्यवाही की। एसडीएम गरोठ राहुल चौहान ने बताया कि कार्रवाई के दौरान लगभग 70 लाख रूपए मूल्य की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। टीम द्वारा मौके पर मौजूद अवैध निमार्णों व कब्जों को हटाते हुए जमीन को राजस्व अभिलेखों के अनुसार पुनः सरकारी स्वामित्व में लिया गया। आज की संयुक्त कार्यवाही में तहसीलदार कार्यालय गरोठ, राजस्व अमला, पुलिस बल तथा पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका रही।

13 को नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण में मिलेगी छूट

मन्दसौर। भारत संचार निगम लिमिटेड लेखापाल एस. एस. सिसोदिया द्वारा बताया गया कि 13 दिसंबर 2025 को मध्य प्रदेश विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा सभी तहसील एवं जिला न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया है, जिसमे आपसी समझोते के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। इसी तारतम्य में भारत संचार निगम लिमिटेड, मंदसौर ने भी अपनी राजस्व की लंबित राशि से सम्बंधित लगभग 383 प्रकरणों को मंदसौर, नारायणगढ़, भानपुरा एवं गरोठ न्यायालयों में प्रस्तुत किया है। नेशनल लोक अदालत 13 दिसंबर 2025 में प्रस्तुत किये जाने वाले प्रिलिटिगेशन प्रकरणों के लिए मंदसौर, नारायणगढ़, भानपुरा एवं गरोठ के न्यायालयों में सम्बंधित खंडपीठ के पीठासीन अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। बीएसएनएल ने नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष छूट का प्रावधान रखा है। उपभोक्ता अपनी सुविधा के अनुसार प्रकरण के निराकरण के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड के कार्यालय में भी 13 दिसंबर के पूर्व भी सम्पर्क कर छूट का फायदा उठा सकते है।

सकल ब्राह्मण समाज संयुक्त मोर्चा व सामान्य वर्ग के कर्मचारियों का कार्यक्रम

नीमच। प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित मंत्रालय वल्लभ भवन मेन गेट नंबर 06 शुक्रवार 12 दिसंबरअपराह्न 01 बजे से 02 बजे तक संतोष वर्मा जी का बेटियों के प्रति अत्यंत अभद्र गंदी टिप्पणी करने के बावजूद और नाना प्रकार के फजीवाड़े उजागर हो जाने के बावजूद संतोष वर्मा जी आईएएस के विरुद्ध 18 दिन बाद भी कोई कार्यवाही न होने के विरोध में ब्राह्मण समाज संयुक्त मोर्चा और सामान्य वर्ग के कर्मचारी 12 दिसंबर को मंत्रालय गेट नं 06 के सामने दोपहर 01 बजे से 02 तक शंख झालर बजाकर सोये हुए प्रशासन को जगायेंगे और शासन का ध्यानाकर्षण करेंगे।अभी तक ब्राह्मण वर्ग और सामान्य वर्ग के लोग अलग-अलग स्तर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।संयुक्त संघर्ष मोर्चा के संयुक्त आंदोलन का यह प्रथम चरण है। संयुक्त मोर्चा का गठन हो चुका है और श्री वीरेन्द्र शर्मा जी संयोजक हैं। उनके नेतृत्व में आंदोलन न्याय मिलने तक जारी रहेगा।सभी ब्राह्मण भाई बहनों की उक्त कार्यक्रम में उपस्थिति प्रार्थनीय है। इस कार्यक्रम की सूचना पुलिस प्रशासन और वल्लभ भवन प्रशासन को दी गयी है।

महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम संपन्न

दैनिक अवन्तिका ▶▶ पिपलिया मंडी

पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय, पिपलिया मंडी में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक भव्य एवं सुसंगठित विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष डॉ. आर.के. श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि– मानवाधिकार किसी उपहार की तरह नहीं दिए जाते, ये मनुष्य के जन्म से जुड़ी गरिमा और स्वतंत्रता के प्राकृतिक अधिकार हैं, जिनकी रक्षा करना विश्व के प्रत्येक देश और नागरिकों की जिम्मेदारी है। आप सिर्फ अपने अधिकारों के प्रति नहीं, बल्कि दूसरों के अधिकारों की रक्षा के प्रति भी सजग रहें। मानवाधिकार जागरूकता ही एक न्यायपूर्ण समाज का मार्ग प्रशस्त करती है। मंच पर विराजित प्रो. निशा जटिया ने मानवाधिकारों में समानता एवं गरिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यदि समाज में न्याय और संवेदनशीलता विकसित हो जाए तो किसी भी प्रकार के अधिकार हनन की गुंजाइश ही नहीं रहती। डॉ. चन्द्रकला चौहान ने मानवाधिकारों के सामाजिक और शैक्षणिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि युवाओं को सशक्त नागरिक बनने के लिए इन अधिकारों का सचेतन अध्ययन करना चाहिए। प्रो. आर.एस. कटारा ने मानवाधिकारों की वर्तमान प्रासंगिकता और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी उपयोगिता का उल्लेख किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम इन्दौर झोन क्र. 19

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता- अशोक एरन पिता किशनलाल एरन क्रेता- राकेश पिता घनश्याम अग्रवाल पता- 12, एरन वुडलैंड्स इन्दौर पिन- 2000206550 अंतरण का आधार विक्रय पत्र संपत्ति या नामान्तरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 दिवस की समयावधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामातंरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रं.-19 नगरपालिका निगम इन्दौर

कार्यालय नगर पालिक निगम इन्दौर झोन क्र. 01

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती अंजू पति मोनिका मालवीय पता- 69-1-ए, राधानगर, इन्दौर पिन- 1000835837 अंतरण का आधार विक्रय पत्र संपत्ति या नामान्तरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 दिवस की समयावधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामातंरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 01 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रं.-01 नगरपालिका निगम इन्दौर

भारतीय संस्कृति में विवाह पावन संस्कार है : महामंडलेश्वर स्वामी चिदंबरानन्द सरस्वती

रतलाम। गृहस्थाश्रम भारतीय संस्कृति मैं पूज्य, पावन एवं सहजता की संवाहक अमृत धारा है, अनेक ऋषि, मुनि, महापुरुष और भगवान भी जब पृथ्वी पर अवतरित हुए तब वे इसी आश्रम के माध्यम से प्रकट हुए। विवाह भोग का साधन नहीं है, इसमें नैतिकता, निष्टा और सह-अस्तित्व की भावना सर्वोपरी है। उक्त विचार केशव पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी चिदंबरानन्दजी सरस्वती में स्थानीय कालिका माता परिसर स्थित श्रीमति गायत्री विश्वजीत टण्डन के निवास स्थान पर आयोजित सत्संग सभा को संबोधित करते हुए प्रकट किये। प्रारंभ में स्वामीजी का स्वागत मोहनलाल भट्ट, कैलाश व्यास, राकेश पोरवाल, शिवराम शर्मा, के. बी. व्यास, रमेशचंद्र शर्मा, सतीश झंवर, रथिन व्यास, अजय चौहान, जया शर्मा आदि भक्तजन ने किया।

न्यायालय :- सुश्री ऐका सोनी 12वें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड न्यायालय इंदौर

प्रकरण क्रमांक आर सी एस.बी./473/2025 पेशी दिनांक 22.12.2025

मेसर्स तनिष्क इंटरप्राईजेस तर्फे संजय खडेलवाल----वादी

विरुद्ध

1 मेसर्स जोशी इंटरप्राईजेस---- प्रतिवादी

2 पंकज जोशी तर्फे जोशी इंटरप्राईजेस

प्रेषिती :- 1. मेसर्स जोशी इंटरप्राईजेस पताः- देवास नाका इंदौर

यह की वादी मेसर्स तनिष्क इंटरप्राईजेस तर्फे संजय खंडेलवाल ने आपके विरूद्ध वाद पत्र अंतर्गत आदेश 7 नियम 1 सी.पी.सी. वाद घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा बाबत पेश किया।

अतः आपको इस न्यायालय के सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में पेशी दिनांक 22.12.2025 को स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर अधिवक्ता के द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथन का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करे और उस दिन ऐसे सभी दस्तावेज जो आपके कब्जें या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावें या प्रतिदावें के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ्य उपलब्ध की जावे वाली सूची में प्रविष्ठ करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगे तो वाद की एकपक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ्य के माध्यम से करवाना चाहते है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करवाये। यदि उक्त नियत दिनांक 22.12.2025 को कोई सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है या न्यायालय अवकाश पर रहते है तो प्रकरण की सुनवाई अगले कार्य दिवस पर की जावेगी।

यह आप तारीख 08.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायाल की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

सुश्री एका सोनी
12वें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड
जिला न्यायालय इन्दौर (म.प.)

कार्यालय नगर पालिक निगम इन्दौर झोन क्र. 22

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता- राजेन्द्रकुमार चौरसिया क्रेता- प्रियंका शर्मा पति नीरज शर्मा, पता- बी-126, अंसल टाउनशिप इन्दौर पिन- 1004428376 अंतरण का आधार विक्रय पत्र संपत्ति या नामान्तरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 दिवस की समयावधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामातंरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रं.-22 नगरपालिका निगम इन्दौर

कार्यालय नगर पालिक निगम इन्दौर झोन क्र. 19

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता- अनिता पति श्री राजकुमार रायकवार एवं अन्य क्रेता- जुलेखा बी पति नवाब खां पता- 195, आजाद नगर, इन्दौर पिन- 1001318754 अंतरण का आधार विक्रय पत्र संपत्ति या नामान्तरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 दिवस की समयावधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामातंरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रं.-19 नगरपालिका निगम इन्दौर

कार्यालय नगर पालिक निगम इन्दौर झोन क्र. 22

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता- पुष्पा रियल स्टेट क्रेता- संतोषसिंह रघुवंशी पता- 310 संस्कृति शुभ आंगन इन्दौर पिन- 1003047050 अंतरण का आधार विक्रय पत्र संपत्ति या नामान्तरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 दिवस की समयावधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामातंरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रं.-22 नगरपालिका निगम इन्दौर

कार्यालय नगर पालिक निगम इन्दौर झोन क्र. 22

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता- पुष्पा रियल स्टेट क्रेता- मनन अरोरा पिता योगेश अरोरा, पता- 311 संस्कृति शुभ आंगन इन्दौर पिन- 1003047050 अंतरण का आधार विक्रय पत्र संपत्ति या नामान्तरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 दिवस की समयावधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामातंरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रं.-22 नगरपालिका निगम इन्दौर

कार्यालय नगर पालिक निगम इन्दौर झोन क्र. 22

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता- श्रीमती संजना कुमावत पति श्री सीताराम कुमावत, क्रेता- रामविलास पिता बालाराम पता- 300, साँई गोल्ड सिटी (पेकी) इन्दौर पिन- 1003937233 अंतरण का आधार विक्रय पत्र संपत्ति या नामान्तरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 दिवस की समयावधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामातंरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22, हरिसिंह नलवा के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रं.-22 नगरपालिका निगम इन्दौर

कार्यालय नगर पालिक निगम इन्दौर झोन क्र. 10

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता- श्रीमती तनिषा जैन पति नरेन्द्र जैन, क्रेता- श्रीमती कोमल विजयवर्गीय पति दीपक विजयवर्गीय पता- 304, रॉयल पार्क, 19-3, न्यू पलासिया इन्दौर पिन- 1001083636 अंतरण का आधार विक्रय पत्र संपत्ति या नामान्तरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 दिवस की समयावधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामातंरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 10 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रं.-10 नगरपालिका निगम इन्दौर

भारत माता की जय में ही समरसता- डॉ.परिख

बड़नगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उज्जैन ग्रामीण द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक समरसता सप्ताह के अंतर्गत बड़नगर नगर इकाई ने बुधवार को समरसता दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संगम चौराहे पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर मालवा प्रांत के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. सौरव परिख द्वारा माल्यार्पण से हुआ। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने भारत माता और बाबा साहब के जयकारे लगाते हुए सांदीपनि विद्यालय तक प्रभात यात्रा निकाली। विद्यालय पहुँचने पर नगर अध्यक्ष अखिलेश पाठक ने स्वागत उद्बोधन दिया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. सौरव परिख ने समरसता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज हमें समरसता दिवस मनाने की आवश्यकता इसलिए है क्योंकि हमारी एकता और समरसता को विखंडित करने के प्रयास हुए हैं। भारत माता की जय में ही सारी समरसता समाई हुई है। जब हम भारत माता की जय बोलते हैं तो यह मानकर चलते हैं कि हम सब भारतीय एक हैं और हममें कोई भेदभाव नहीं है। कार्यक्रम में प्राचार्य कृष्णदास बैरागी ने भी अपने विचार रखे। संचालन प्रांत कार्यकारिणी सदस्य दर्शन सिंह जादव ने किया तथा आभार नगर मंत्री सागर कुमावत ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बड़नगर इकाई के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे और समरसता का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

खेत से हरे भरे पेड़ की लकड़िया काटकर चुराने वाले आरोपीगण पुलिस की गिरफ्त में

ट्रेक्टर एवं 40 क्विंटल लकड़ी जप्त की

बड़नगर। जिला उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा जिले में चोरी में अंकुश लगाये जाने हेतु एवं आरोपीयों की धरपकड हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिषेक रंजन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस महेन्द्र सिंह परमार के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार व टीम के द्वारा मंगलवार को लकड़ी चोरी के आरोपीयो गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया जहाँ से आरोपीगणो को जेल भेजा गया । थाना प्रभारी पाटीदार ने बताया कि दिनांक 07 अक्टूबर को आवेदक नासिर खां पिता कासम खां निवासी रंगारसेरी बडनगर ने रिर्पोट की मै आज शाम को अपने खेत जो कि ग्राम शेखपुर मे स्थित है पर गया तो मैने देखा कि मेरे खेत पर 12 बबूल के पेड़ कटे थे। जो रात मे कोई चोरी कर ले गया है । फरियादी की रिर्पोट पर पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस व वन अधिनियम की धारा 41 मे प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया । प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक पाटीदार व्दारा आरोपीयो की तलाश हेतु टीम गठीत की गई टीम के व्दारा घटना स्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज चेक किए जिसमे संदिग्ध ट्रेक्टर के आधार पर जानकारी जुटाई गई जिसमे पता चला कि आरोपीगण ग्राम उमरिया के निवासी है तथा बड़नगर के पास होने की सुचना पर से टीम के द्वारा घेराबंदी कर आरोपीगण उस्मान पिता अल्लानूर खां उम्र-55, करामत पिता अल्लानूर खां उम्र-40, आरिफ पिता उस्मान खां उम्र-28, शाहरुख पिता उस्मान खां उम्र- 25 साल सर्वांगण जाति नायता पटेल निवासीगण ग्राम उमरिया को पुछताछ कर गिरफ्तार किया गया व आरोपीगणो के कब्जे से चोरी गया मश्रुका 40 क्विंटल लकड़ी व घटना मे प्रयुक्त ट्रेक्टर वाहन किमती करीबन 6,00000/- रुपए है जप्त किया गया। गिरफ्तार आरोपीगणो को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से आरोपीगणो को जेल भेजा गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार, सउनि. राजेन्द्र सिंह हाड़ा, सउनि. सुनिल देवके , प्रआर.राहुलसिंह राठौर , आर. शोभित शुक्ला , आर.कैलाश गरवाल , आर.अश्विनी पाठक , आर.हितेश हाड़ा ,मआर. ज्योति हाड़ा ,सैनिक गोवर्धन डाबी की सराहनीय भुमिका रही ।

जैन सोशल ग्रुप मेन की शानदार जीत, विधायक दिनेश जैन बोस ने दी बधाई

महिदपुर। जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन मप्र रीजन की क्रिकेट प्रतियोगिता महिदपुर में हुई, जिसमें महिदपुर-नागदा-खाचरोद जोन ने रतलाम जोन को सुपर ओवर में हराया। टीम का नेतृत्व श्री मोतीलाल नाहर ने किया और पांच खिलाड़ियों ने जैन सोशल ग्रुप मेन से भाग लेकर नाम रोशन किया। टीम पूना में होने वाले टूनार्मेंट में जोन का प्रतिनिधित्व करेगी। सफलता पर विधायक दिनेश जैन बोस ने अध्यक्ष श्रीमती कविता गादिया और कप्तान मोतीलाल नाहर को शुभकामनाएँ दीं। खिलाड़ियों ने विधायक का स्वागत किया।

शासकीय महाविद्यालय रतलाम में सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्ति

महिदपुर। शिक्षा जगत के लिए गर्व की बात है कि नितिन पाटीदार को सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय रतलाम में पदस्थ किया गया है। नितिन पाटीदार सर इससे पूर्व विद्यालय शा. यशवंत उत्कृष्ट उ.मा.वि. महिदपुर में उच्च माध्यमिक शिक्षक विषय वाणिज्य के पद पर पदस्थ थे, जहां उन्होंने अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य, अनुशासन और समर्पित सेवाओं से विशेष पहचान बनाई। विद्यालय परिवार की ओर से शुभकामना संदेश जारी किया गया– नितिन पाटीदार सर को सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय रतलाम में नियुक्ति होने पर विद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। आप ऐसे ही तरक्की करते रहें।

स्वास्थ्य विभाग के डाक्टर बोले: पुरुषो की हर उम्र में डर, महिलाओं को 50 के बाद खतरा

सर्दी में दिल का रखें ख्याल, गुनगुनी धूप में ही निकलें बुजुर्ग, बढे 10 फीसद मरीज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

सर्दियों में दिल के मामले में सतर्क रहने की जरूरत है। खासकर बुजुर्गों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। ठंड शुरू होने के साथ बीमारी लोगों को परेशान करनी लगी है। मधुमेह व ब्लड प्रैशर के रोगियों के साथ बुजुर्ग ही नहीं बल्कि युवाओं तक को सावधान रहने की जरूरत है। सर्दी में हार्ट अटैक की आशंका ज्यादा रहती है। इसी कारण हर आयुवर्ग के लोग हार्टअटैक की चपेट में आ रहे हैं। स्त्रीरोग विशेषज्ञ तस्लीम मंसूरी ने महिला बुजुर्गों के लिए विशेष सलाह है कि वे सुबह सुबह घर से कतई न निकलें, गुनगुनी धूप आने पर ही घूमें-फिरें। सुबह सुबह निकलने से हार्ट अटैक की संभावना हो सकती है। ऐसे केस भी अब ज्यादा सामने आ रहे हैं। डा. मनीष सूर्यवंशी के अनुसार इसका मुख्य कारण सर्दी में धमनियां सिकुड जाना और खून का प्रवाह कम हो जाना प्रमुख कारण है। दिनचर्या में बदलाव कर हार्टअटैक के खतरे से बचा जा सकता है। डाक्टरों के मुताबिक सर्दियों में हार्ट अटैक के मामले सुबह के समय ज्यादा सामने आते हैं। सर्दी के कारण दिल को ज्यादा आक्सीजन की दरकार रहती है। शरीर में गर्मी बनाए रखने के लिए दिल को ज्यादा काम करना पडता है, जो लोग सर्दी को गंभीरता से नहीं लेते, वे ही लोग हार्ट अटैक को न्यौता देते हैं।

50 की उम्र की महिलाओं को ज्यादा खतरा

भारी वजन की महिलाओं में महावारी बंद होने के बाद शुगर और ब्लड प्रेशर या कोलेस्ट्रोल संबंधी बीमारियां होती हैं। वे सर्दी के मौसम में हार्ट अटैक या हार्ट स्ट्रोक के हाई रिस्क पर होते हैं। खास कर 50 की उम्र या इससे ज्यादा महिलाओं को ज्यादा खतरा बना रहता है। इन महिलाओं को ठंड के मौसम में हार्ट अटैक आने का ज्यादा होता है। हाइपरटेंशन, हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रोल ये ऐसी समस्याएं हैं जिनकी जांच किए बिना प्राइमरी स्टेज पर इनके बारे में कुछ पता नहीं चल पाता है। वही दूसरी तरफ वर्तमान की पुरुषों की लाइफस्टाइल के हिसाब से 30 के बाद हर किसी को महीने में कम से कम एक बार अपना बीपी जरूर चेक कराना चाहिए।

उडती धूल भी बढा सकती है परेशानी

बीएमओ मनीष चौहान ने बताया कि सर्दी हो या प्रदूषण दोनों ही दिल के दुश्मन हैं। जैसे-जैसे ठंड बढती है। वैसे वैसे दिल पर प्रेशर पडता है। क्योंकि ठंड में आर्टरीज के सिकुडने से बीपी हाई होता है और हार्ट पर दबाव बढ;ता है। इसलिए सर्दी में दिल की बीमारियों के साथ हार्ट अटैक के केस भी बढ; जाते हैं। दरअसल विंटर्स में लोगों का फिजिकल मूवमेंट घट जाता है। वो ठंड की वजह से बिस्तर नहीं छोडना चाहते। बाहर वॉक कम करते हैं। उनका यही आलस दिल पर खतरा बढा देता है। इसके अलावा जो रेस्पिरेट्री प्रॉब्लमस झेल रहे हैं, उन्हें निमोनिया होने से भी हार्ट फेल के चांस 6 गुना बढ जाते हैं। वैसे सिर्फ सर्दी ही नहीं हर मौसम में दिल का ख्याल रखना जरूरी है। दिल को तदुरुस्त बनाने के लिए 6-7 घंटे की नींद जरूर लें। इसके साथ ही रोज 30-40 मिनट योग, एक्सरसाइज जरूरी है ताकि हार्ट हेल्दी रहे। कोरोना ग्रसित व रिकवर मरीज भी ध्यान रखें।

तनाव से रखे दूर

शहरवासियों को ठंड में विशेष ध्यान रखना होगा। अपने दिमाग को तनाव से दूर रखें। इस मौसम में गर्म कपडे पहने रखें। हल्की धूप में योगा व एक्सरसाइज करें। जल्दी सुबह की सैर से बचें। गरिष्ठ भोजन, मिर्च मसाला व चिकनाई आदि खाने से बचे। ग्रीन वेजिटेबल व अकुंरित भोजन का सेवन करें।

डा. मनीष सूर्यवंशी, मेडिकल ऑफिसर, सारंगपुर

भाजपा कार्यकर्ता मेरे लिए देवता इनके चरणों की रज मैं मस्तक पर लगाता हूँ- चौहान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

महिदपुर के पूर्व विधायक बहादुर सिंह चौहान ने अपना 59 बा जन्मदिवस गोशाला में गौपूजन कर मनाया इसके बाद झारड़ा से सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ महिदपुर नगर में रैली निकाली गई जगह जगह स्वागत कर दीघार्यु होने की कामना की। रैली आंबेडकर चौक से राजेंद्र मार्ग,गांधी मार्ग, मोतीबाजार,भगतसिंह चौक होते हुए पुराने बस स्टैंड पर सभा में परिवर्तित हुई।

हजारों कार्यकर्ताओं के सभा को संबोधित करते हुए बहादुर सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता मेरे लिए देवता है इनके चरणों की रज मस्तक पर लगा कर सम्मान करता हु। आपने कहा कि अपने जन्मदिन पर इस बार तीर्थयात्रा जाने के लिए आरक्षण कर लिया था। परन्तु दो दिनों से कार्यकताओं के आग्रह के कारण यात्रा को स्थगित कर फिर अभी जाऊंगा और अपना जन्म दिन कार्यकर्ताओं के साथ ही मनाने का निर्णय लिया। आपने कहा कि भाजपा ने मुझे 5 बार विधायक का उम्मीदवार बनाया और मैने इस क्षेत्र की जनता एवं किसानों के हितों के लिए सतत कार्य किया उसका ही परिणाम है कि शीघ्र ही विधानसभा के सभी ग्रामों के घर - घर पेयजल नलों से पहुंचेगा और सिंचाई के लिए हर खेत खेत पानी पहुंचेगा। आपने कहा कि। किसानों के सुख दुख में प्रदेश व केंद्र की सरकार हमेशा तत्पर खड़ी है। अभी के सोयाबीन क्षति पर मुआवजा राशि, बीमा राशि दिलाई जा रही है। रासायनिक खाद पर्याप्त मात्रा में पहुंचाया जा रहा है। मैं इस क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर हु। अपने कार्यकाल में बांध, स्कूलों, सड़कों के विकास पर भी विस्तार में प्रकाश डाला।

सभा में भाजपा महिदपुर मंडल अध्यक्ष किशोर शर्मा, झारड़ा मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह, जोगापुर मंडल अध्यक्ष गुरुचरणसिंह, जिला उपाध्यक्ष संजय व्यास,पदमसिंह पटेल, नपा अध्यक्ष नानी बाई, जनपद अध्यक्ष कृष्णा बाई, युवा मोर्चा अध्यक्ष सुबोध धोखा, चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ विपुल धड़ीवाल सहित पार्षदगण, जनपद सदस्यगण आदि कार्यकर्ताओं ने बहादुर सिंह का स्वागत किया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पगारा में दो दिवसीय खेल महोत्सव का आयोजन

गुना। दो दिवसीय खेल महोत्सव का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पगारा में किया गया। जिसमें अनेक खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर खेलों में सहभागिता की। फन गेमों में बोरा रेस, चम्मच रेस, चेयर रेस रस्साकसी, लगोरी, और खो खो, बालक बालिकाओं की क्रिकेट, भाषण प्रतियोगिता, इन सभी खेलों का आयोजन इन दो दिवसों में किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों के मानसिक तनाव से उनको मुक्त करने की एक सोच रही जिसमें समस्त स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एक मौके पर संस्था के प्राचार्य प्रमोद रघुवंशी संस्था के खेल शिक्षक मुकुंद शर्मा विशेष सहयोगी साथी शिक्षक मुकेश शर्मा, गणेशराम जाटव, निकिता रघुवंशी, यश रघुवंशी, शरद आचार्य विशेष रूप से मौजूद रहे। साथ ही ब्रज मोहन शर्मा, सुभाष चंद्र त्रिवेदी, रमेशचंद्र जाटव, लालाराम जाटव, राजीव रघुवंशी, श्रीमती दयामनी तिग्गा, श्रीमती प्रीति पंत, श्रीमती खुशबू शर्मा, श्रीमती अंजुम आरा, श्रीमती मीना चौधरी, करण कुशवाह सभी स्टॉफ उपस्थित रहा।

जलने लगे शहर में आलाव, रात्रिकालीन सर्दी से मिलेगी राहत

गुना। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता ने बढ़ती ठंड को दृष्टिगत रखते हुए अलाव जलाने की व्यवस्था प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता ने बताया कि दो-तीन दिवस में ठंड का प्रकोप बढ़ने से शहर के सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थल जिनमें हॉस्पिटल में ३ प्वाइंट मैन हॉस्पिटल, जच्चा खाना, नई बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन, जयस्तंभ चौराहा, बस स्टैंड, रैन बसेरा, जज्जी चौकी, सुगन चौराहा, रपटा चौकी, बूढ़े बलाजी, हनुमान चौराहा, केंट चौराहा, वृद्ध आश्रम, आरोन बस स्टैंड, बैजू चौराहा, आसमानी माता मंदिर, बच्चा जेल, अंबेडकर चौराहा, फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम, कुशमोदा चौकी, जल प्रकोष्ठ कार्यालय, नगर पालिका कार्यालय, कलेक्ट्रेट कार्यालय, जिला न्यायालय एवं शहर के धार्मिक स्थलों कैंट थाना, सिटी कोतवाली आदि क्षेत्रों में जहां आमजन की देर रात तक आवाजाही रहती है, वहाँ आज शाम से अलाव प्रारंभ किये जाएगे। इसके अलावा समय समय पर होने वाले शासकीय कार्यक्रमों में अलाव की व्यवस्था कराई जाती है। इस हेतु अलाव जलाने के लिए टीम की गठित की गई है जो नियमित रूप से सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने की व्यवस्था करेंगे।

आज अन्नकूट महोत्सव का आयोजन, धर्मलाभ अर्जन करने पहुंचेंगे हजारो श्रृद्धालु

तबादले के लिए संकट मोचन के दरबार में अर्जियां लगाते है भक्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

नगर का एक ऐसा मंदिर जो न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण की मिसाल है बल्कि भक्तो की मन्नते पूरी करने के मामले में भी दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। 12 दिसंबर को अवसर है शहर के पुराने तहसील कार्यालय परिसर में स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का, तो क्यों न आपको मंदिर से जूडे रोचक किस्से और चमत्कार से अवगत कराया जाए। यहां श्रीराम भक्त हनुमान स्वयं भक्तो की प्रार्थना सुनते है और उनके कष्टो का निवारण करते है इसलिए मंदिर का नाम संकट मोचन है। मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया तो मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन वृक्ष को भी नहीं हटाया गया। तस्वीर में आप देख सकते है मंदिर की छत के बीच में से पीपल का वृक्ष निकल रहा है। मंदिर का जीर्णोद्धार लाखो रूपयो की लागत से धोलपुर के लाल पत्थरो से कराया गया है। जिससे मंदिर का स्वरूप बदल गया है अब मंदिर आकर्षक और सुंदर भी दिखाई दे रहा है। यहां का चमत्कार ऐसा है की शासकीय विभागो में तबादला करवाने के लिए भक्त यहां पर लिखित में अपनी अर्जिया लगाते है और जब उनका तबादला अपने मनपंसद स्थान पर हो जाता है तो वे हनुमानजी का चोला चढाकर वे सुंदरकांड पाठ का आयोजन अपनी और से करवाते है। बताया जाता है कि मंदिर का निर्माण करीब 50 वर्ष पुर्व तत्कालिन नायब नाजीर वैश्य ने सभी ग्रामो के चौकीदारो से सहयोग निधी एकत्रित कर किया था। बाद में बिना अनुमति मंदिर निर्माण कराने पर नायब नाजीर को निलम्बित भी किया गया था।

अर्जी लगाने के बाद इनके हुऐ स्थानांतरण संकट मौचन हनुमान मंदिर में स्थानांतरण की अर्जी लगाने के बाद न्यायालयीन कर्मचारी रवि वर्मा जोकी धार जिले के मनावर के निवासी है। उनका स्थानांतरण अलिराजपुर हो गया है। रवि वर्मा ने जनवरी 2015 में यहा अर्जी लगाई थी। रवि वर्मा के अनुसार उनके अलावा न्याय विभाग में स्टेनो भौपाल निवासी नीरज वर्मा, उज्जैन निवासी राजेन्द्र ललावत ओर संदीप चौरसीया जो की छिंदवाडा के निवासी है। का भी स्थानांतरण हुआ है। इसके अतिरिकत कई अन्य कर्मचारीयो के भी स्थानांतरण यहा अर्जी लगाने के बाद हुऐ है।

पहले मंदिर में दर्शन, उसके बाद काम शुरू

परिसर में स्थित सभी कार्यालयो के कर्मचारी मंदिर में दर्शन करने के बाद ही अपना कार्य शुरू करते है। इसके अतिरिक्त आधे से अधिक नगरीय क्षेत्र के श्रृद्धालु भी यहा दर्शन करने आते है। न्यायालयीन प्रक्रीया में उलझे निराश लोगो की इच्छाए भी यहा से पुर्ण हुई है। इन सब वजह से हनुमानजी को मन्नते पुरी करने वाला भी माना जाने लगा है। यहा सभी सम्प्रदाय के लोग दर्शन करने आते है। मंदिर से जुडे सभी श्रृद्धालुओ का भी मानना है कि सकंट मोचन हनुमान मंदिर में कर्मचारी अपने स्थानांतरण को लेकर यहा अजीर्या लगाते है। जिसकी हनुमान जी से लगन होती है। उसकी मुराद अवश्य पुरी होती है।

आज अन्नकूट महोत्सव का आयोजन

प्रतिवषार्नुसार इस वर्ष भी हनुमान अष्टमी पर 12 दिसम्बर को संकट मोचन के दरबार में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर मंदिर को विघुत रोशनी व फुलो से सजाया जाएगा। हजारो की संख्या में श्रृद्धालु इस मंदिर में धर्मलाभ अर्जन करने के लिए पहुंचेंगे। दोपहर में मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ होगा उसके पश्चात आरती के बाद भोग लगाकर के अन्नकूट की प्रसादी का शुभारंभ किया जाएगा। मंदिर में शिव परिवार और राम दरबार भी 50 वर्ष पुराने इस मंदिर में बीते कुछ सालो में श्रृद्धालुओ की आस्था इनती जागृत हो गई है की उन्होने शिव परिवार की स्थापना करने के बाद अलग से मंदिर बनाकर के राम दरबार की भी स्थापना कर दी। अब यहा आने वाले श्रृद्धालु हनुमान जी के साथ ही शिव जी और उनके परिवार तथा राम, लक्ष्मण और सीता जी के भी दर्शन कर रहे है।

करणी सेना परिवार व सर्व समाज के युवाओं ने सेवा प्रमुख का किया स्वागत

महिदपुर रोड। करणी सेना प्रमुख जीवन सिंह शेर पुर का तराना में आयोजित जन क्रांति न्याय आंदोलन अभियान के अन्तर्गत शौर्य यात्रा और जनसभा में शामिल होने जाते वक्त यहां बुधवार को महिदपुर रोड से निकालने के दौरान नगर तथा आसपास के गांवों के करणी सैनिक प रिवार पदाधिकारियों तथा सर्व समाज की और से नाग दा तिराहे पर ढोल ढमाके के साथ आतिशबाजी कर स्वा गत किया नागदा रोड पर मंच लगाकर उपस्थित युवाओं ने स्वागत कर करणी सेना जिंदाबाद के नारे लगायें इस दौरान करणी सेना प्रमुख जीवन सिंह ने युवाओं को सं बोधित करते हुए कहा करणी सेना का एक मात्र उद्देश्य समाज के किसी भी तबके समुदाय के साथ अन्याय न होने देना है करणी सैनिक समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने में वरिष्ठ जनों के सहयोग से निरंतर कार्य कर रहे हैं यहां बड़ी संख्या उपस्थित युवाओं ने करणी सेना प्रमुख का जोश बढ़ाया। करणी सेना प्रमुख का ईसन खेडी तिराहे पर भी वहां के आस पास के युवाओं ने स्वागत किया करणी सेना के पदाधिकारियों ने बताया जैन क्रांति यात्रा का समापन 21 दिसंबर को हरदा में होगा।

मानव अधिकार स्थापना दिवस मनाने हेतु तीन दिवसीय कार्यक्रम शुरू

देवास। मानव अधिकार एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन संघ के उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने बताया कि मानव अधिकार दिवस के अवसर पर इंदौर में मानव अधिकार एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन संघ द्वारा मनाए जाने वाले मानव अधिकार स्थापना दिवस के उपलक्ष में तीन दिवसीय आयोजन किए गया जिसकी शुरूवात आज मानव अधिकार एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन संघ के पदाधिकारियों का सम्मान एवं नियुक्ति पत्र देकर शुरूआत की गई एवं पदाधिकारीयो का सम्मान संगठन के मार्गदर्शक श्री हरि वल्लभ मेहता जी द्वारा दिया गया एवं मानव अधिकार एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन संघ के प्रदेश अध्यक्ष मनदीप सिंह छाबड़ा एवं प्रदेश सचिव हिमांशु यादव द्वारा नवनियुक प्रदेश पदाधिकारियों जिसमें आत्मजीत सिंह मोंगा ज, सुनील कुकरेजा, मुकेश शर्मा ,गोपाल वर्मा , नितिन बतरेजा, दलजीत सिंह भाटिया ,संदीप वर्मा जसवंत सिंह ठक्कर, आशुतोष मोदी, बी के दौलत राम, किशोर सलूजा ,देवीदास कंधारी, तजेंद्र सिंह राजपाल , ओम प्रकाश पालीवाल राजेश तलरेजा , पृथ्वी तलरेजा, हर्ष सोनी, हिमेश चंदानी सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया गया इस अवसर पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें पदाधिकारीयो द्वारा मानव अधिकारों को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही पौधारोपण किया गया एवं नशे के खिलाफ जन जागरण अभियान शुरू करने का संकल्प लिया गया। संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने बताया कि जन जागरण अभियान एवं पौधारोपण देवास सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया जाएगा।

नि:शुल्क हेलमेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन कर यातायात के नियम बताए

भौरासा। भौरासा टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु 75 निःशुल्क हेल्मेट वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देवास ट्रैफिक एवं भौरासा पुलिस बल की गरिमामयी उपस्थिति, मार्गदर्शन एवं सहयोग ने आयोजन को विशेष रूप से सफल और प्रेरणादायी बनाया। भौरासा टोल से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों को सुरक्षित यात्रा के महत्व एवं हेलमेट के अनिवार्य उपयोग के बारे में सोनकच्छ एसडीओपी श्रीमती दीपा मांडवे व यातायात थाना प्रभारी पवन बागड़ी एव भौंरासा थाना प्रभारी श्रीमती प्रीति कटारे, ने निः शुल्क हेलमेट देते हुए जीवन महत्व समझा कर जागरूक किया। पुलिस अधिकारियों,व पुलिस जवानों ने यातायात नियमों के पालन को प्रत्येक नागरिक का जीवन रक्षा कर्तव्य बताते हुए लोगों को जिम्मेदार ड्राइविंग हेतु प्रेरित किया। डी बी सी पी एल (वर्टिस फंड एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड) के परियोजना संचालक अजय मिश्रा की यह पहल समाज में सड़क सुरक्षा संस्कृति को मजबूत बनाने और दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है भौरासा थाना प्रभारी प्रीति कटारे, एवं यातायात पुलिस बल देवास ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए टोल प्लाजा से गुजरने वाले बाइकर्स को निवेदन पूर्वक रोक रोक कर तथा यातायात नियम पालन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में सहयोग करने की अपील के साथ नियम पालन करने की शपथ दिलाई इस मौक पर भौरासा,टोल प्लाजा मैनेजर, मुकेश नारानिया, शिव कुमार शर्मा, सी एस आर प्रशासन सब इंस्पेक्टर नरेंद्र सिंह भदौरिया पुलिस, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र राजपुत, संजयजी, उमेश जी भदौरिया, मन्नु लाल वर्मा, दीपक जी, समस्त पुलिस बल एवं कई सम्माननीय उपस्थित थे।

अभिनेत्री आलिया भट्ट की गिनती मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में होती है। अब आलिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। उन्हें गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। जानिए इसे जीतने पर एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहाङ्ग

दुबई में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुई सम्मानित

आलिया भट्ट को मिला गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। एक्ट्रेस को रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। आलिया को ट्यूनीशियाई अभिनेत्री हेंड सबरी के साथ एक समारोह में सम्मानित किया गया, जिन्हें उमर शरीफ अवॉर्ड से नवाजा गया। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पांचवां संस्करण सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित किया जा रहा है।

आलिया ने जताई खुशी

गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड जीतने पर खुशी जताते हुए आलिया ने कहा कि गोल्डन ग्लोब्स द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं दुनिया भर में फिल्म और टेलीविजन में बदलाव ला रही महत्वाकांक्षी कलाकारों और महिलाओं की नई पीढ़ी की ओर से बोलने का मौका मिलने के लिए आभारी हूं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर प्रभावशाली कहानियों को बताने के लिए लोग एकजुट हो रहे हैं, यह सम्मान वाकई काफी महत्वपूर्ण बन जाता है।

गोल्डन ग्लोब की अध्यक्ष ने की आलिया की प्रशंसा

इस मौके पर गोल्डन ग्लोब्स की अध्यक्ष हेलेन होहेन ने कहा कि हमें आलिया भट्ट को गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए है। साथ ही वैश्विक मंच पर फिल्म व टेलीविजन के एक गतिशील और प्रभावशाली केंद्र के रूप में मिडिल ईस्ट के लगातार आगे बढ़ने का जश्न मनाता है।

'अल्फा' में नजर आएंगी आलिया

वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट जल्द ही यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स की आगामी फिल्म ह्यअल्फाह्ल में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। आलिया आखिरी बार फिल्म 'जिगरा' में नजर आई थीं।

'धुरंधर' में धमाल मचाने के बाद किस फिल्म में नजर आएंगे अक्षय खन्ना?

बॉलीवुड एक्टर अक्षय खन्ना इन दिनों अपनी फिल्म 'धुरंधर' की वजह से सुर्खियों में हैं। फिल्म ने रिलीज के कुछ ही दिनों में 186.94 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है और 2025 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई है। 'धुरंधर' के बाद अक्षय खन्ना की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं।

'धुरंधर'

मल्टीस्टारर फिल्म 'धुरंधर' में अक्षय खन्ना के अभिनय के साथ ही उनके डांस की भी जमकर तारीफ हो रही है। सोशल मीडिया पर फैंस अक्षय की तारीफों के पुल बांध रहे हैं। अक्षय ने इस फिल्म में खतरनाक विलेन 'रहमान डकैत' का किरदार निभाया है। फिल्म में उनका स्वैग, रौब, डायलॉग डिलीवरी और एंट्री सीन इतने जबरदस्त हैं कि लोग कह रहे हैं, 'हीरो पर विलेन भारी पड़ गया।' तो वहीं कई फैंस उन्हें 'विलेन ऑफ द ईयर' बोल रहे हैं।

'धुरंधर 2'

अक्षय खन्ना हमेशा से बेहतरीन और अलग-अलग किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। अब वो और भी जोखिम भरे रोल कर रहे हैं और हर बार छा जाते हैं। फिल्म का दूसरा पार्ट अगले साल 19 मार्च 2026 को आएगा। इसमें अक्षय खन्ना के कुछ फ्लैशबैक सीन भी दिख सकते हैं।

'महाकाली'

फिल्म 'महाकाली' से अक्षय तेलुगु इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहे हैं। वो असुर गुरु शुक्राचार्य का रोल करेंगे। उनका लुक पोस्टर पहले ही जारी किया जा चुका है। अक्षय के लुक की बात करें तो लंबे सफेद बाल, घनी दाढ़ी और खतरनाक नजरें हैं। फैंस उनका यह ट्रांसफॉर्मेशन देखकर हैरान हो गए हैं और साथ ही फिल्म की रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'इक्का'

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अक्षय एक्टर सनी देओल के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म 'इक्का' में नजर आ सकते हैं। इसमें भी अक्षय खन्ना विलेन के रोल में हो सकते हैं। फिल्म सीधे नेटफ्लिक्स पर आएगी।

हाल ही में 1993 मुंबई ब्लास्ट की जांच से जुड़े आईपीएस ऑफिसर राकेश मारिया ने संजय दत्त को लेकर कई खुलासे किए। जानिए, इस केस से संजय दत्त कैसे कनेक्टेड थे? और पूछताछ के दौरान उनके साथ क्या हुआ?

राकेश मारिया ने सुनाया 1993 ब्लास्ट से जुड़ी पूछताछ का किस्सा, बोले-

'संजय दत्त को थप्पड़ मारा और बाल पकड़कर...'

साल 1993 में संजय दत्त को गैर-कानूनी हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसी साल मुंबई ब्लास्ट भी हुए। इस ब्लास्ट की जांच की जिम्मेदारी आईपीएस ऑफिसर राकेश मारिया पर थी। इस केस की जांच के दौरान संजय दत्त से भी उन्होंने पूछताछ की थी। उस पूछताछ में संजय दत्त ने क्या कहा था? हाल ही में इन बातों के बारे में राकेश मारिया ने एक इंटरव्यू में विस्तार से बताया।

राकेश मारिया ने बहुत सख्ती से की थी पूछताछ

देसी स्टूडियोज से हाल ही में राकेश मारिया ने लंबी बातचीत की। इस बातचीत में संजय दत्त और 1993 मुंबई ब्लास्ट का जिक्र भी हुआ। राकेश मारिया ने बताया कि संजय दत्त मॉरिशस से फिल्म की शूटिंग कर वापस आए तो वह उन्हें सीधा एयरपोर्ट से मुंबई क्राइम ब्रांच में लेकर गए। वहां पर संजय दत्त से पूछताछ की। राकेश कहते हैं, ह्यसंजय दत्त ने पहले कहा कि उसने कोई गुनाह नहीं किया है। मैं उसके पास गया, उस समय उसके बाल लंबे थे। मैंने उसे एक थप्पड़ मारा और वह पीछे गिर गया। फिर मैंने उसके बाल पकड़कर उसे ऊपर खींचा । मैंने उससे कहा कि क्या वह मुझसे एक जेंटलमैन की तरह बात करेगा। फिर उसने मुझे पूरी बात बताई। साथ ही यह बात सुनील दत्त को ना बताने को कहा। तब मैंने उससे कहा कि तुम्हारे पापा को कैसे ना बताऊं?'

पिता के सामने संजय दत्त ने मानी गलती

राकेश मारियर इंटरव्यू में आगे बताते हैं, ह्यसंजय दत्त को कमरे में लाया जाता है, वह अपने पापा (सुनील दत्त) को देखता है। वह एक बच्चे की तरह चिल्लाता है। जाकर सुनील दत्त के पैरों में गिर जाता है और उनसे कहता है 'पापा गलती हो गई।' राकेश मारिया ने बताया कि संजय दत्त ने जब अपनी गलती मानी थी तो सुनील दत्त का चेहरा पीला पड़ गया। बताते चलें कि गैर-कानूनी हथियार रखने के मामले में संजय दत्त को जेल भी हुई। साल 2016 में वह अपनी सजा काटकर जेल से बाहर आए। इसके बाद फिल्मों में सक्रिय हो गए।

संजय दत्त का करियर फ्रंट

हाल ही में संजय दत्त को फिल्म ह्यधुरंधरह्ल में एक दमदार किरदार निभाते हुए देखा जा सकता है। इन दिनों वह हिंदी के अलावा साउथ की फिल्मों में विलेन के रोल भी कर रहे हैं। अगले साल वह साउथ की एक फिल्म 'केडी-द डेविल' में नजर आएंगे।

आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स जैसे दो भारतीय मूल के खिलाड़ी अंडर-19 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने इस वैश्विक टूनार्मेंट के लिए टीम का एलान कर दिया है।

अंडर-19 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों को मिली जगह

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने अगले साल की शुरूआत में होने वाले अंडर-19 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम में दो भारतीय मूल के खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से छह फरवरी तक होने वाले इस वैश्विक टूनार्मेंट में ऑस्ट्रेलिया टीम के लिए खेलेंगे।

ओलिवर पीक की कप्तानी में उतरेगी टीम

आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं, जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे सीरीज में भारत के खिलाफ खेली थी। भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं।

ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा ध्यान ऐसे खिलाड़ियों के चयन पर रहा है जिनके कौशल एक-दूसरे के पूरक हों और जिनसे हम टूनार्मेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद कर सकते हैं। जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 श्रृंखला और हाल ही में पर्थ में खोली गई राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था।

ऑस्ट्रेलिया ग्रुप ए में शामिल

ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। टीम जनवरी की शुरूआत में नामीबिया पहुंचेगी और नौ से 14 जनवरी तक अभ्यास मैच खेलेगी।

विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 पुरुष टीम

ओलिवर पीक (कप्तान), कैसी बार्टन, नादेन कूरे, जेडन ड्रेपर, बेन गॉर्डन, स्टीवन होगन, थॉमस होगन, जॉन जेम्स, चार्ल्स लाचमंड, विल मलाजचुक, नितेश सैमुअल, हेडन शिलर, आर्यन शर्मा, विलियम टेलर, एलेक्स ली यंग।

टी20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री शुरू, सूर्यकुमार और मार्करम को सौंपी गई टिकट

मुल्लांपुर। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की टिकटों की बिक्री गुरुवार से शुरू हो गई है। इस वैश्विक टूनार्मेंट की शुरूआत सात फरवरी से हो रही है जिसमें 20 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत इसमें अपने खिताब का बचाव करने उतरेगा। भारतीय समयानुसार टिकट की बिक्री शाम 6.45 बजे से शुरू हो गई है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20 मैच के टॉस के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को भारत और अमेरिका तथा दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम को दक्षिण अफ्रीका और कनाडा मैच की डमी टिकट सौंपी गई।

टी20 विश्व कप का कार्यक्रम भी हाल ही में घोषित किया गया था। भारत ने 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। यह इस टूनार्मेंट का 10वां संस्करण है। टी20 विश्व कप के मुकाबले भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर आयोजित होंगे। भारत में कुल पांच स्थानों पर मैच खेलें जाएंगे, जबकि श्रीलंका के तीन स्थलों पर इस वैश्विक टूनार्मेंट के मैच आयोजित होंगे। भारत में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद इस टूनार्मेंट के मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं, कोलंबो का आर प्रेमादासा और एस स्पोर्ट्स क्लब में मैच होंगे, जबकि कैंडी का पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम भी मैच की मेजबानी करेगा।

डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है।' आइए जानते हैं उन्होंने और क्या कहा...

कोहली के खास दोस्त की कोच गंभीर को सीख, कहा-

खिलाड़ियों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करना सही नहीं

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और विराट कोहली के अच्छे दोस्त एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से कुछ हद तक सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है, लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है।

'कुछ हद तक गंभीर से सहमत': डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते।'

'परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही': उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन-चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है।' भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता जो उसकी 31 मैचों में 27वीं जीत है।

डिविलियर्स ने भारतीय टीम की तारीफ की

डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है। यह तीनों प्रारूपों में सबसे अस्थिर प्रारूप है और ऐसे में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने का मतलब है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। मुझे लगता है कि इसका संबंध भारतीय क्रिकेट की गहराई से है।'

रोहित-कोहली के अनुबंध पर बीसीसीआई में होगी चर्चा

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की शीर्ष परिषद की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद होगी। इस एजीएम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के अनुबंध को लेकर चर्चा हो सकती है। माना यह जा रहा है कि भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का प्रमोशन हो सकता है और उन्हें अनुबंध में ए प्लस श्रेणी में रखा जा सकता है।

बीसीसीआई जब वार्षिक अनुबंध की घोषणा करेगा तो इस बात की संभावना अधिक है कि गिल सीनियर ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ ए प्लस श्रेणी में शामिल होंगे। गिल फिलहाल ए खिलाड़ियों की श्रेणी में हैं। बीसीसीआई की एजीएम 22 दिसंबर को होगी। शीर्ष परिषद की 31वीं एजीएम ऑनलाइन होगी जिसमें कोहली और रोहित के अनुबंध पर फैसला होने की उम्मीद है। ये दोनों पिछले एक साल में टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे क्रिकेट खेलते हैं।

अन्य मामलों में अंपायरों और मैच रेफरी के भुगतान में बदलाव के साथ-साथ बोर्ड की डिजिटल संपत्तियों के अपडेट पर भी चर्चा होगी।

हार्दिक पांड्या ने कहा कि हर बार जब वे मैदान पर उतरते हैं, उन्हें लगता है कि हजारों लोग सिर्फ उन्हें खेलने के लिए इंतजार कर रहे हैं और यही उन्हें और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देता है।

'मैं मीठी बातें नहीं करता, खेल ही मेरी असली पहचान'

कटक। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में दमदार वापसी करते हुए साबित कर दिया कि चोटें उनके जज्बे को कम नहीं कर सकतीं। लगभग दो महीने तक लेफ्ट क्वाड्रिसेप्स इंजरी से जूझने के बाद पांड्या ने न सिर्फ बल्ले से 28 गेंदों में नाबाद 59 रन ठोके, बल्कि गेंद से भी 1/16 लेकर भारत की 101 रन की बड़ी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

'मेरा लक्ष्य था मजबूत और बेहतर होकर लौटना'

बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में हार्दिक पांड्या ने अपनी भावनाओं को खुलकर साझा किया। उन्होंने कहा कि चोटों ने उनकी मानसिक मजबूती की परीक्षा ली, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। पांड्या ने कहा, 'मेरा माइंडसेट सिर्फ एक था...मजबूत होकर लौटना, कुछ बड़ा करके होकर लौटना और बेहतर होकर लौटना। चोटें आपको मानसिक रूप से परखती हैं और कई बार मन में शंकाएं भी पैदा करती हैं। लेकिन मेरे अपने लोगों ने मुझे संभाला।' उन्होंने स्वीकार किया कि कठिन दौर से गुजरने के बावजूद उन्होंने अपने अंदर विश्वास कायम रखा, जिसने उन्हें मैदान पर फिर से चमकने में मदद की।

'अगर आप खुद पर यकीन नहीं करेंगे, तो दूसरे क्यों करेंगे?'

हार्दिक पांड्या का मानना है कि आत्मविश्वास किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा अपने कौशल पर भरोसा रखते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं खुद पर कितना विश्वास करता हूं, यही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। मैंने हमेशा माना है कि जब तक आप खुद पर भरोसा नहीं करेंगे, तब तक दूसरे भी आप पर भरोसा नहीं करेंगे।' पांड्या टी20 वर्ल्ड कप में भारत की योजनाओं का अहम हिस्सा होंगे और उनकी फिटनेस व फॉर्म टीम के लिए बड़ा सकारात्मक संकेत है।

'मैं मीठी बातें नहीं करता, मैं असलियत में जीता हूं'

अपने व्यक्तित्व के बारे में बात करते हुए हार्दिक ने कहा कि वे कभी दिखावा नहीं करते। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत ईमानदार हूं, बहुत रियल हूं। मैं चीजों को सुंदर पैकेज में पेश नहीं करता...मीठी बातें नहीं करता। मेरे लिए मायने रखता है कि मैं अंदर से कैसा महसूस करता हूं, लोग क्या सोचते हैं उससे फर्क नहीं पड़ता।' पांड्या का कहना है कि अब वे सिर्फ खेल का आनंद लेना चाहते हैं और क्रिकेट में और बड़ा करना चाहते हैं।

न्यूज कॉलम

गर्भवती पत्नी से मारपीट

इंदौर। इंदौर के राजेंद्र नगर पुलिस ने 8 माह की गर्भवती महिला की शिकायत पर उसके पति और सास के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। महिला ने बताया कि बुधवार को पुरानी बात पह बहस हुई। इसके बाद पति ने पेट में लात मारी तो सास ने बाल पकड़कर घसीटा। पीड़िता मुस्कान गायकवाड़ अमर पैलेस कॉलोनी की रहने वाली है। उसने पुलिस को बताया कि 4 दिसंबर को नौकरी पर जाने के दौरान पति अरुण राणे से विवाद हुआ था, तब पति ने मारपीट की थी। बुधवार को भी यही बात निकल आई और रात में पति ने पेट में लात मार दीं, इसके बाद दर्द शुरू हो गया। सास सोनू राणे ने बाल पकड़कर घसीटा। उन्होंने बताया कि पति आए दिन अपशब्द कहते हैं। पीड़िता ने बताया कि दर्द बढ़ने पर दादी मंगीबाई को सूचना दी गई। वे आईं और डॉक्टर के पास लेकर गईं, जहां इलाज के बाद महिला ने पति और सास के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। मुस्कान ने बताया कि डेढ़ साल पहले उसने और अरुण राणे ने कोर्ट मैरिज की थी।

मेट्रो की 14 दिसंबर को सीएम करेंगे समीक्षा

इंदौर। इंदौर में चल रहे मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के विकास कार्यों की समीक्षा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 दिसंबर को करेंगे। इसके लिए मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने एलिवेटेड और अंडरग्राउंड निर्माण कार्यों पर विस्तृत प्रेजेंटेशन तैयार कर लिया है। इस बैठक में मेट्रो से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्णय होने की संभावना है। मुख्य रूप से अंडरग्राउंड मेट्रो के नए रूट पर मुख्यमंत्री सहमति दे सकते हैं, जिसके बाद खजराना से एयरपोर्ट तक मेट्रो ट्रैक का निर्माण अंडरग्राउंड किया जाएगा। बैठक में बढ़ी हुई लागत को राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने से संबंधित मुद्दे पर भी चर्चा होगी। इसके साथ ही, नए एलिवेटेड ट्रैक को आम नागरिकों के लिए कब तक खोला जाए, इस पर भी निर्णय लिया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार मेट्रो प्रोजेक्ट में बदलाव का प्रस्ताव मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के माध्यम से नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा रखा जाएगा। बैठक में जनप्रतिनिधियों की सहमति मिलने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रस्ताव को मंजूरी देंगे। इसके बाद कैबिनेट बैठक से स्वीकृति मिलने पर प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। केंद्र की मंजूरी के बाद ही मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन आगे का काम करेगा।

गंदगी में बन रही थी गजक, फैक्ट्री सील

इंदौर। खाद्य औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने बुधवार को सुमित गजक और कुल्फी पर कार्रवाई की। खातीपुरा स्थित कारखाने पर गंदगी में तिल और मूंगफली की गजक तैयार की जा रही थी। कारखाने के संचालक सुमित शिवहरे द्वारा कारखाने का फूड लाइसेंस नहीं लिया गया था। यहां से गुड़, तिल, तिल गजक एवं मूंगफली दाना पट्टी के नमूने जांच हेतु लिए गए। फूड लाइसेंस न होने के कारण फैक्ट्री को सील कर दिया गया। इसके के बाद खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने खातीपुरा स्थित गणभोग फूड्स का निरीक्षण किया गया। उक्त संस्थान से राजगीरा लड्डू एवं तिल लड्डू के नमूने जांच के लिए भेजे गए। फिनिक्स सिटाडेल मॉल स्थित मोती महल डीलक्स रेस्टोरेंट से भी पनीर, चावल एवं मैदा के नमूने लिए गए हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भाजपा नेता से लोन के नाम पर 52 लाख रुपए ठगे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के हीरानगर इलाके में बीजेपी नेता और मदर लैंड स्कूल के संचालक सुरजीत सिंह बालिया के साथ कम ब्याज पर नया लोन दिलवाने का झांसा देकर लगभग 52 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई। मामले में पुलिस ने पिता-पुत्र और एक ज्वेलर्स संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। तीनों आरोपी फिलहाल फरार हैं।

सुरजीत सिंह की पत्नी ने एलआईजी कॉलोनी स्थित महिंद्रा कोटक बैंक से स्कूल का करंट खाता खुलवाया था और वही इसका संचालन करती थीं। 2022 में इसी खाते से 85 लाख रुपए का लोन लिया गया था, जिसकी किस्तें नियमित रूप से जमा हो रही थीं।

पुलिस के मुताबिक आरोपी भगवान सिंह भदौरिया और उसका बेटा गोपाल भदौरिया कुछ समय पहले स्कूल संचालक सुरजीत सिंह के संपर्क में आया। सुरजीत ने बताया कि स्कूल के लोन पर ज्यादा ब्याज लग रहा है, तो आरोपी पिता ने कहा कि उसका बेटा गोपाल बैंक ऑफ महिंद्रा की शाखा में असिस्टेंट मैनेजर है। वह कम ब्याज पर नया लोन दिलवा सकता है। गोपाल ने स्कूल के सभी जरूरी डॉक्युमेंट और चेक अपने पास रख लिए और बताया कि बैंक की ओर से नया ओवर ड्राफ्ट (ओडी) लिमिट लोन आया है, जिससे पुराना लोन बंद कर दिया जाएगा और ब्याज कम लगेगा।

श्री श्री देवी तारा महा श्मशान निवासनी देवी तारा कृपा

48 वर्ष पुराना तंत्र, मंत्र, यंत्र ज्योतिष कार्यालय, इंदौर

पंडित प्रहलाद सूर्यवंशी ज्योतिषाचार्य
ज्योतिष कार्यालय गुगल पर देंखे

देवी तारा, देवी महाकाली, महाशमशानी साधक महावशीकरण, कोर्ट कचहरी, तलाक, गुप्त शत्रु, सास-बहू विवाद, प्रेमी-प्रेमिका का महावशीकरण, गंभीर से गंभीर रोग, जादू टोना, महाशमशानी तंत्र-मंत्र क्रिया, सौतन दुश्मन छुटकारा, मनपसंद शादी।

नोटः जन्म कुंडली, फोटो, हस्तरेखा और अन्य परामर्श शुल्क 1000 अनिवार्य, फोन पर परामर्श शुल्क 3000 अनिवार्य, सात दिन में काम नहीं होने पर 30 प्रतिशत ब्याज सहित पैसा वापस, 101 प्रतिशत ग्यारेंटेड समाधान।
नोटः दिपावली पर 88 लाख महामंत्र से महासिद्धी यंत्र और श्री श्री देवी महालक्ष्मी सिद्ध महायंत्र, 88 लाख महामंत्रों से।
नोटः यंत्र के लिए 3 दिन पहले संपर्क करें।

पताः एमजी रोड, कमिश्नर कार्यालय, जिला कोर्ट गेट नंबर एक के सामने, 34 महतानी मार्केट इंदौर
मोबाइलः 7828672574, 8817546028

समयः प्रातः 11 से रात्रि 9:00 बजे तक एवं रविवार को दोपहर 3:00 बजे से 8:00 बजे तक खुला रहेगा।
नोटः सभी धर्म और जाती के लोग पूर्व समय लेकर निसंकोच मिले।

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता

ए.के. ट्रेडर्स

फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त

ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?

जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।

पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य , भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

अमरूद बेचना है
अमरूद का बगीचा जवासिया कुमार, लालपुर, उज्जैन में चार बीघा में करीब 400 अमरूद के पेड़ अच्छी बहार आई फल बेचना है।
: संपर्क :
7746856444

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन) पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें
9300405252

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क
9826398272

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है। प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

कृषि भूमि बेचना है
• उज्जैन से मात्र 16 किमी पर 5 बीघा ग्राम आँवलिया में मात्र 22 लाख रुपये बीघा
• 25X60 का प्लॉट बेचना है एमपी नगर में
• 13X50 का मकान बेचना है मक्सी रोड एम आर 5 रोड पर
• 17X30 तीन मंजिला मकान बेचना है मेन रोड पर सांदीपनी नगर एम आर 5 रोड पर
मो. 9301388290, 9340903559

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर
किचन हैल्पर तंदूर वाला और सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

अब आपके इंदौर शहर में... सप्ताह में दिन... सोमवार बुधवार शुक्रवार
श्री गोपाल हाड़ वैद्य
हड्डी रोग दवाखाना उज्जैन वाले
समय दोप. 12:30 से शाम 7 बजे तक
मो. 7000813235
चोंट | मोच | फैक्चर विशेषज्ञ
पता- जवाहर मार्ग 11/5 निहालपुरा गुरुद्वारा के सामने वाली पट्टी लक्ष्मी मेडिकल हाल के पीछे निहालपुरा, इन्दौर

दैनिक अवन्तिका वर्गीकृत

10 दिन	1000/-	- सम्पर्क करें- 0734-4041777
20 दिन	1500/-	0731-4085777
1 माह	2000/-	77710-90777

विशेष सूचना– दैनिक अवन्तिका में प्रकाशित विज्ञापनों में किये दावों की पुष्टि पाठक अपने विवेक से करें।

प्लाट बेचना है
खुली भूमि उत्तर से दक्षिण, पूर्व की ओर 95.8 फीट, पश्चिम की ओर 106 फीट और पूर्व पश्चिम उत्तर की ओर 102.7 फीट, दक्षिण की ओर 99 फीट कुल एरिया 10275 वर्गफीट, जिसके उत्तर में रोड के बाद माहेश्वरी का मकान, दक्षिण में सुन्दरबाई का मकान और नागूलाल का मकान, पूर्व में रामाजी जाट की गली उर्दूपुरा रोड, पश्चिम में रस्सी गली मुन्सीपल नम्बर पुराना 5/1317, नया नम्बर 12 लाल बाई फूलबाई मार्ग उर्दूपुरा उज्जैन जो कि जाधव गुवाड़ी के नाम से जाना जाता है, को विक्रय करना है।
सम्पर्क सूत्र - 9425002108 ब्रजलाल सरोका

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

दैनिक अवन्तिका
स्वागतम् 2026
तीन-तीन बहुरंगीय कैलेंडर

एक वितरित दो और कैलेंडर
जल्द आपके हाथों में
नए साल के तीन तरह के
निःशुल्क कैलेंडर जल्द आपके हाथों में
श्री राम लला मंदिर और श्री महाकाल पोस्टर कैलेंडर
11 दिसंबर के अंक के साथ निःशुल्क वितरित हो चुका है।
अब दो कैलेंडर बाकी पंचांग कैलेंडर और तिथि कैलेंडर
हॉकर से अपनी प्रति सुरक्षित करें और लेते रहे एक एक करके तीनों कैलेंडर
9977755777, 77710 90777, 9617957337, 9893047988, 0734 4041777, 0731 4085777

मुद्रक/प्रकाशक सुरेन्द्र मेहता द्वारा अवन्तिका प्रकाशन के लिए अवन्तिका ऑफसेट, 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : सुरेन्द्र मेहता। फोन - उज्जैन : 0734-4041777, 9827771777, इन्दौर : 0731-4085777, 9827772777 e-mail : awantikapress@yahoo.com